वर्ष-31, अंक- 266, पृष्ठ-12 | श्रावण कृष्ण पक्ष 03, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
रविवार
13 जुलाई 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

एक नजर

एसीबी ने रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी को किया गिरफ्तार

सरायेकला। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शनिवार को सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल अंचल के राजस्व कर्मचारी सन्नी बर्मन को जमीन के ऑनलाइन पंजी-2 में नाम दर्ज करने के लिए दस हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। एसीबी मुख्यालय के अनुसार, यह कार्रवाई जमशेदपुर एसीबी की टीम ने की है। बताया गया कि राजेश हेम्ब्रम की शिकायत पर एसीबी ने यह कार्रवाई की है। राजेश ने एसीबी से की शिकायत में कहा था कि उनके पिता सुकराम मांझी की खरीदे गई जमीन, जिसकी खाता संख्या 38, 39, 40 और 41, प्लाट संख्या 46/ए पर उसने अपना नाम ऑनलाइन पंजी-2 में दर्ज कराने के लिए अंचल कार्यालय से संपर्क किया था। राजस्व कर्मचारी सन्नी बर्मन ने इस काम के लिए 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। इस शिकायत के बाद एसबी ने मामले की जांच की। जांच में आरोप सत्य पाया गया। इसके बाद एसीबी ने राजस्व कर्मचारी को आज रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

यौन शोषण के आरोप में खूंटी जिला परिषद अध्यक्ष गिरफ्तार

रांची। रांची पुलिस ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए खूंटी के जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया को गिरफ्तार कर लिया। उनकी गिरफ्तारी खूंटी जिला परिषद स्थित उनके निजी चैंबर से की गई। यह कार्रवाई चुटिया थाने में एक महिला द्वारा दर्ज कराई गई यौन शोषण की शिकायत के आधार पर की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, चुटिया थाने में एक महिला ने मसीह गुड़िया के खिलाफ यौन शोषण का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू की। प्राथमिक जांच में पुलिस ने महिला की शिकायत को सही पाया, जिसके बाद मसीह गुड़िया की गिरफ्तारी की गई।

पलामू किला का होगा संरक्षण, बेतला में बनेगी टाइगर सफारी

दोनों परियोजनाओं को 2027 तक शुरू करने का लक्ष्य, 250 करोड़ से अधिक खर्च की संभावना

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पलामू का ऐतिहासिक किला अब संरक्षण और जीर्णोद्धार की दिशा में आगे बढ़ेगा, वहीं बेतला के समीप 300 एकड़ भूमि पर अत्याधुनिक टाइगर सफारी भी विकसित की जाएगी। शनिवार को रांची स्थित मंत्री आवास पर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में दोनों योजनाओं पर गंभीरता से मंथन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता राज्य के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू और वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने की।

बैठक में वन एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अबू बकर सिद्दीकी, पर्यटन सचिव मनोज कुमार, संस्कृति निदेशक आसिफ एकराम, राज्य वन निगम के प्रबंध निदेशक वाई. के. दास और पलामू टाइगर प्रोजेक्ट के निदेशक एस. आर. नाटेश समेत अन्य अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में पलामू के ऐतिहासिक 'नया और पुराना किला' के संरक्षण और जीर्णोद्धार को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने जानकारी दी कि राजा मेदिनीराय द्वारा निर्मित इन किलों को पुरातात्विक धरोहर का दर्जा दिया जाएगा। इसके लिए अनुभवी कंसलटेंट से विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार कराई जाएगी और अनुमोदन के बाद कार्य आरंभ होगा। दोनों किलों के जीर्णोद्धार पर 40 से 50 करोड़ रुपये खर्च होने की संभावना जताई गई है। मंत्री सोनू ने बताया कि बजट 2025-26 में इस योजना का उल्लेख पहले ही किया जा चुका है।

इसी क्रम में बेतला के पास प्रस्तावित टाइगर सफारी परियोजना पर भी चर्चा हुई। विभागीय जानकारी के अनुसार 300 एकड़ भूमि चिह्नित कर ली गई है और इस परियोजना पर अनुमानित 215 करोड़ रुपये खर्च होंगे। पर्यटन मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस योजना के लिए संवैधानिक सहमति भी प्राप्त हो चुकी है।

दोनों मंत्रियों ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पलामू किला और टाइगर सफारी झारखंड सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट्स हैं। इनकी सभी प्रक्रियाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा कर वर्ष 2027 तक योजनाओं को शुरू करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं।

मंत्री चमरा लिंडा ने की कल्याण विभाग की राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक, कहा-

योजनाओं का लाभ बिना विलंब हर छात्र तक पहुंचाना प्राथमिकता

बोले मंत्री

- छात्रवृत्ति और साइकिल वितरण योजनाओं को दें गति
- योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

नवीन मेल डेस्क

रांची। कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने शनिवार को अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की। इसमें मंत्री ने छात्रवृत्ति और साइकिल वितरण योजनाओं को गति देने का निर्देश दिया। इस दौरान मंत्री चमरा लिंडा ने विभागीय योजनाओं के प्रभावी

क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि सरकार की यह प्राथमिकता है कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के हर छात्र तक योजनाओं का लाभ बिना किसी विलंब के पहुंचे। उन्होंने विशेष रूप से प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना एवं साइकिल वितरण योजना की प्रगति की समीक्षा की ।

मंत्री ने निर्देश दिया कि सभी जिलों में छात्रवृत्ति का भुगतान तेजी से किया जाए और जिन जिलों में राशि उपलब्ध है, वहां लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन हो। पिछड़े वर्ग के छात्रों की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की बकाया राशि के संदर्भ में उन्होंने विभाग को भारत सरकार से पत्राचार तेज करने का निर्देश दिया, ताकि छात्र-छात्राओं को समय पर सहायता मिल सके। चमरा लिंडा ने सभी जिला कल्याण पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर धरातल पर उतारने का निर्देश भी दिया। बैठक में कल्याण सचिव कृपानंद झा एवं कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी ने भी योजनाओं की अद्यतन प्रगति की जानकारी दी। बैठक में विभागीय सचिव कृपानंद झा, कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी एवं राज्य के सभी जिलों के परियोजना निदेशक (आईटीडीए) एवं जिला कल्याण पदाधिकारी उपस्थित थे।

बेहतर शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है हेमंत सरकार

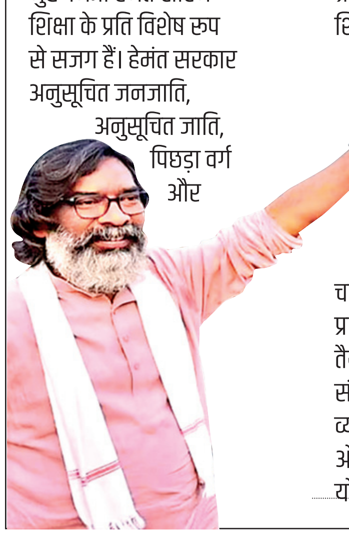

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शिक्षा के प्रति विशेष रूप से सजग हैं। हेमंत सरकार अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग और ग्रामीण छात्रों की बेहतर शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए सरकार कई योजनाएं भी चला रही है। विदेशों में पढ़ाई के लिए मरांग गोमके पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना चला रही है। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उत्कृष्ट कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई के लिए व्यवस्था कर रही है। छात्रवृत्ति और साइकिल वितरण योजना तो चल ही रही है।

औद्योगिक नगरी का हाल, दर्द से बेहाल

खटोले पर लदी प्रसूता पहुंची अस्पताल, टंडवा की बदहाली उजागर

- सीएसआर के नाम पर करोड़ों खर्च, मगर आदिवासी टोलों में न सड़कों का नाम, न सुविधाओं की पहुंच

नवीन मेल संवाददाता

टंडवा (चतरा)। जिस औद्योगिक टंडवा से देश को बिजली और कोयला मिल रहा है, उसी टंडवा के ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। शुक्रवार को राहम गांव के नवाटांड टोले की अनीता देवी को अचानक प्रसव पीड़ा होने पर परिजन उसे खाट पर लादकर लगभग पांच किलोमीटर दूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक पैदल ले गए। इस दर्दनाक सफर की तस्वीरें और वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। नवाटांड, धमनाटांड और मिर्चैयाटांड के करीब 300 आदिवासी परिवार वर्षों से बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। इन गांवों को जोड़ने वाली पगडंडियां बारिश में दलदल में तब्दील हो जाती हैं, जिससे आवागमन असंभव हो जाता है। न सड़क है, न एम्बुलेंस पहुंच सकती है। आपात स्थितियों में ग्रामीणों को मरीजों को खाट, साइकिल या पीठ पर ढोकर अस्पताल पहुंचाना पड़ता है। ग्रामीण बिरेंद्र उरांव ने बताया कि इन गांवों से कुछ ही दूरी पर केंद्र सरकार की हाइटेक शेष पेज 11 पर...

आज / कल

पेशरार में छापेमारी, छह साल से फरार हार्डकोर नक्सली गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा पुलिस और एसएसबी 32वीं वाहिनी की संयुक्त टीम को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने सीपीआई (माओवादी) संगठन के हार्डकोर नक्सली जगन लोहरा को उसके गांव रोरेद (कंरजटोली), थाना पेशरार से गिरफ्तार कर लिया। वह पिछले छह वर्षों से फरार था और सुरक्षा एजेंसियां उसे लंबे समय से तलाश रही थीं।

यह गिरफ्तारी 12 जुलाई 2025 को पुलिस अधीक्षक सादिक

अनवर रिजवी और 32वीं वाहिनी एसएसबी लातेहार के कमांडेंट के निर्देश पर की गई। जी कंपनी (एसएसबी किस्को) के कंपनी कमांडर इंस्पेक्टर मनीष कुमार चौबे और पेशरार थाना प्रभारी गैलन राजवाड़ा के नेतृत्व में संयुक्त छापेमारी की गई। गिरफ्तार नक्सली जगन लोहरा, पिता चुंगलू लोहरा उर्फ फुलवा लोहरा, छिपादोहर थाना क्षेत्र के समंदा जंगल में पुलिस और शेष पेज 11 पर...

राज्य में खेल-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए करेंगे काम : धोनी

रांची। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा है कि वे झारखंड में खेल और पर्यटन के क्षेत्र में विकास को गति देने में राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे। धोनी ने ये बातें शनिवार को नगर विकास, पर्यटन, कला-संस्कृति और खेलकूद मंत्री सुदिव्य कुमार से शिष्टाचार भेंट के दौरान कही। इस मुलाकात के दौरान मंत्री और धोनी के बीच झारखंड राज्य में खेल एवं पर्यटन गतिविधियों के व्यापक विकास को लेकर चर्चा हुई। इस बात पर जोर दिया गया कि कैसे धोनी के अनुभव से राज्य में खेल और पर्यटन को नई दिशा और ऊंचाइयां दी जा सकती हैं।

मजदूर के खाते से 70 हजार की अवैध निकासी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। अमेजन के नाम पर एक मजदूर के खाते से 70 हजार 196 रुपए की ठगी कर ली गयी। पांच बार में बैंक खाते से सारे पैसे निकाले गए। मजदूर पैसे को अपनी भांजी की शादी करने के लिए जमा कर रखा था। खून पसीने की कमाई एक झटके में गायब हो जाने पर मजदूर की परेशानी बढी हुई है और लगातार बैंक और साइबर थाना से राशि रिकवरी की गुहार लगा रहा है। हालांकि घटना के छह दिन बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। साइबर थाना मेदिनीनगर में मामला दर्ज किया गया है।

पलामू जिले के रामगढ़ के नदीपार टोला के रहने वाले उतिम कुमार तमिलनाडू में रहकर मजदूरी करता है। छह जुलाई की दोपहर मोबाइल चार्ज अवस्था में उसके खाते से पांच बार में 70 हजार 196 रूपए गायब हो गए। सात जुलाई को उतिम की पत्नी ने बैंक में शिकायत करते हुए साइबर थाना में मामला दर्ज कराया। बैंक ने अपनी सफाई में कहा कि अमेजन के नाम पर उसके खाते से पैसे कट गए हैं, जबकि उतिम का कहना है कि उसने किसी तरह की खरीददारी अमेजन से नहीं की है। घटना से एक दिन पहले शनिवार को आधार कार्ड से संबंधित मैसेज आया था। साइबर अपराध की घटनाएं लगातार देखने के कारण उसने सारे मैसेज डिलिट कर दिए थे। बावजूद ऐसी घटना होना समझ से परे है।

शनिवार रामगढ़ में उतिम ने अपनी पीड़ा सुनाई। कहा कि 2026 में भांजी की शादी करने के लिए मजदूरी कर पैसे जमा कर रहा था। उसकी बहन काफी गरीब है। घर में पैसे सुरक्षित नहीं रहने के कारण बैंक में जमा किए थे। बावजूद उल्टा पड़ गया। बैंक से जब कार्रवाई की गुहार लगाते हैं तो साइबर थाना भेज दिया जाता है। साइबर थाना से बताया जाता है कि बैंक में पूरी जानकारी है। वहां से कुछ हो सकता है। ऐसे में बैंक और साइबर थाना के बीच पिसकर रह जा रहे हैं।

इंडिया

तरमीम, मुजामत, मजरूब का अर्थ पुलिसकर्मियों को भी नहीं पता

भारत के मुख्य न्यायाधीश ने एक बार कहा था कि न्यायालय की कार्रवाई शादी के मंत्रोच्चारण की तरह नहीं होनी चाहिए जिसे सभी लोग पूरी तरह समझ न पाएं । भारत के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था अनोखी चुनौतियों का सामना कर रही है और इसमें सुधार की सख्त ज़रूरत है। आजादी के 75 साल बाद भी हमारी पुलिस अंग्रेजों की तय की गई भाषा की गुलामी से आजाद नहीं हो पाई है। न्यायालयों के कामकाज में अरबी-फ़ारसी भाषा का प्रयोग आंशिक रूप से ही होता है, जबकि 1206 से 1837 तक, न्यायालयों में अरबी-फ़ारसी भाषा का पूर्ण उपयोग किया जाता था। 1837 में ब्रिटिश सरकार ने फ़ारसी को अदालती भाषा के रूप में हटा दिया पर आज भी अदालती नोटिस और पुलिस दस्तावेजों में लिखे और पढ़े जाने वाले अरबी, फारसी और उर्दू भाषा के मिले-जुले ऐसे कठिन शब्द हैं, जिनका अर्थ खुद पुलिस वाले भी नहीं जानते। 2019 में दिल्ली हाईकोर्ट ने इन कठिन शब्दों पर सवाल खड़ा करते हुए रोक लगाने का निर्देश दिया था । पुलिस विभाग के दस्तावेजों में लिखा पढ़ी की भाषा का नमूना देखिए -'पुलिस गश्त में मामूर थी तभी जरिए मुखबिर मालूम हुआ कि एक नफर अभियुक्त मयमाल मौजूद है। इस पर हमरान सिपाहियान संग दबिश देकर उसे पकड़ा गया है। उसका हश्म हुलिया जैल है। रूबरू संतरी प्रहरी जामा तलाशी ली गई (पहरे पर मौजूद संतरी के सामने उसके कपड़ों की पूरी तलाशी ली गई) ।जिस्म जरवात पाक-साफ व ताजा है (शरीर साफ-सुथरा है और कहीं भी ताजा चोट के निशान नहीं हैं)। हस्ब ख्वाहिश खुराक पूछी गई, गमे गिरफ्तारी खुराक खाने से मुनकिर है (मुलजिम से खाने के बारे में पूछा गया, गिरफ्तारी से दुखी होकर होकर खाना खाने से इंकार किया)।'इन शब्दों का अर्थ न तो एफआइआर लिखने वाला जानता है और न लिखवाने वाला जैसे मौका मुरत्तिब - घटनास्थल पर की गई कार्रवाई ।बाइस्तवा - शक, संदेह,तरमीम - बदलाव करना अथवा बदलना,बयान तहरीर - लिखित कथन,नक्शे अमन- शांतिभंग,माल मसरूका- लूटी अथवा चोरी गई संपत्ति,मजरूब- पीड़ित,मुजामत- झगड़ा,मुचलका- व्यक्तिगत पत्र,रोजनामचा आम- सामान्य दैनिक,रोजनामचा खास- अपराध दैनिक,सफीना - बुलावा पत्र,हाजा - स्थान अथवा परिसर,अदम तामील- सूचित न होना,अदम तकमीला- अंकन न होना,अदम मौजूदगी - बिना उपस्थिति,अहकाम- महत्वपूर्ण,गोस्वारा - नक्शा ।1861 में अंग्रेजों ने भारत में पुलिस अधिनियम लागू कर पुलिस प्रणाली का गठन किया था। उस समय हिंदी भाषी राज्यों में मुगलिया प्रभाव के चलते बोलचाल की भाषा में उर्दू, अरबी और फारसी शब्दों का खूब प्रयोग किया जाता था। इस मिलीजुली भाषा को अंग्रेजों ने सरकारी दस्तावेजों में लिखापढ़ी की भाषा के तौर पर इस्तेमाल किया। आजादी के 75 साल बाद अन्य विभागों ने तो अपनी भाषा बदल ली। मगर पुलिस अभी भी दस्तावेजों की लिखा पढ़ी में परंपरागत तौर पर अंग्रेजों की उसी भाषा का इस्तेमाल करती है। पुलिस विभाग को डिजिटल करने के लिए वर्ष 2016 में सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग सिस्टम) लागू किया गया। इसके तहत की हुई भर्ती के बाद उम्मीद जगी कि महकमे में फारसी व उर्दू के भाषा के साथ हिंदी को बढ़ावा मिलेगा । पर कुछ नया नहीं हो सका और भर्ती हुए युवा भी पुलिस की पुरानी परिपाटी पर चलते हुए फ़ारसी व उर्दू के शब्दों का ही प्रयोग करने लगे ।यूपी में एफआइआर व जीडी ऑनलाइन होने के बाद भी एफआइआर में फ़ारसी व उर्दू के शब्दों का ही प्रयोग होता है। जिनका अर्थ न तो एफआइआर लिखने वाला जानता है और न लिखवाने वाला। पुलिस विभाग में पहले उर्दू भाषा को पढ़ने के लिए अनुवादक की भर्ती हुआ करती थी। जिसकी अंतिम भर्ती वर्ष 1995 में की गई । अवकाश प्राप्त पुलिस उपमहानिरीक्षक डॉक्टर प्रशांत करण कहते हैं कि पुलिस महकमे में अरबी ,फारसी या उर्दू भाषा के प्रयोग का लिखित तौर पर कोई निर्देश नहीं है। दिल्ली हाईकोर्ट ने 383 शब्दों की उस सूची में रखा है जिन्हें अब अदालती भाषा और प्राथमिकी (एफआईआर) से बाहर रखा जाना है। हाईकोर्ट ने पुलिस आयुक्त से पूछा था कि अब तक उर्दू और फ़ारसी के शब्दों का इस्तेमाल प्राथमिकी दर्ज करने की भाषा में क्यों होता है, जबकि शिकायतकर्ता इसका इस्तेमाल नहीं करते ।कोर्ट का मानना है कि उर्दू के यह शब्द केवल वही व्यक्ति समझ सकते हैं जिनके पास उर्दू या फ़ारसी में डॉक्टरेट की डिग्री हो। अदालत ने हिदायत दी है कि पुलिस ऐसी साधारण भाषा का प्रयोग करे जिसे एक आम आदमी भी उसे पढ़कर समझ सके। सरल व सुलभ भाषा का प्रयोग होने से आमजन को सुविधा होगी। झारखंड में सरकारी कामकाज की भाषा हिंदी है और युवा पीढ़ी के पुलिसकर्मियों की बहाली होने के बाद थानों में सुस्पष्ट हिंदी का प्रयोग हो रहा है। पर पुराने फोर्मेट के फॉर्म और नोटिस में बहुत कुछ सुधार की आवश्यकता है जो अत्यंत अपमानजनक और आदेशात्मक भाषा में लिखे जाते हैं।

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

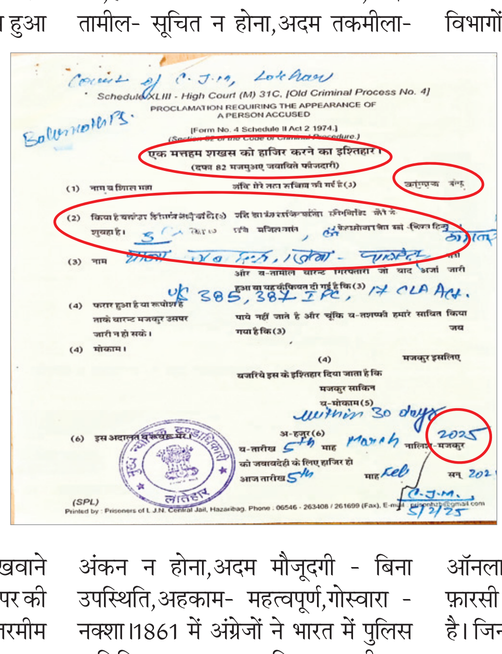
Schedule XLIII - High Court (M) 31C, [Old Criminal Process No. 4]
PROCLAMATION REQUIRING THE APPEARANCE OF A PERSON ACCUSED
[Form No. 4 Schedule II Act 2 1974.]
एक मत्तहम शख्स को हाजिर करने का इश्तिहार।
(दफा 82 मजमुआए जवाबित फोजदारी)
(1) नाम व जिला मय
(2) किया है
(3) नाम
(4) फरार हुआ है या रूपोश है ताके वारन्ट मजकूर उसपर जारी न हो सके।
(4) मोकाम।
बजरिये इस के इश्तिहार दिया जाता है कि मजकूर साकिन
(6) इस अदालत
(SPL)
Printed by : Prisoners of L.J.N. Central Jail, Hazaribag.

स्कूली छात्र अश्लील गाने बजाकर कर रहे थे छात्राओं से छेड़खानी

छात्रों की पिटाई पर आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रधानाध्यापक से की मारपीट

- ग्रामीणों ने हेड मास्टर को बंधक बनाया, पुलिस ने कराया मुक्त

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर (पलामू)। प्रखंड के राजकीय उत्क्रमिक मध्य विद्यालय डंडटूटा में पढ़ने वाले लड़कों ने लड़कियों के साथ अश्लील गाना गाकर उन्हें छेड़ने की शिकायत पर प्रधानाध्यापक के द्वारा लड़कों को पिटाई की गई। जिससे आक्रोशित लड़कों के परिजनों ने प्रधानाध्यापक के साथ मारपीट करते हुए उन्हें बंधक बना लिया गया था जिसके बाद पुलिस ने ग्रामीणों की चंगुल से प्रधानाध्यापक को मुक्त कराया गया। इस घटना के बाद दोनों पक्षों के द्वारा थाना में लिखित शिकायत दी गई है। प्रधानाध्यापक संजीव कुमार सिंह ने बताया कि गुरुवार को 7वीं क्लास की बच्चियों ने शिकायत किया कि स्कूल आने के दौरान रास्ते में स्कूल के तीन लड़के अश्लील गाना गाते हुए उनके साथ छेड़खानी करते हुए मारपीट किया है। जिसके बाद उन तीनों लड़कों को कार्यालय में बुला कर दो-तीन थप्पड़ लागते हुए कहा कि आइंदा कभी किसी लड़की के साथ बदतमीजी नहीं करना। उसके बाद लड़कों को चेतावनी देकर छोड़ दिया। जिसके कुछ देर बाद उन लड़कों के परिजन कार्यालय में आकर उनके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट कर बंधक बना लिया गया था। लेकिन पुलिस ने उन्हें ग्रामीणों के चंगुल से छुड़ा कर उनकी जान बचाई। इधर हेन्हे निवासी केशव यादव ने थाना में आवेदन दिया है जिसमें उन्होंने कहा है कि उनका 12 वर्षीय बेटा स्कूल में पढ़ने गया था, इसी दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक संजीव सिंह ने उनके बेटे को बेहरमी से पिटाई कर दी। जिससे उसका चेहरा सूज गया और शरीर से लेकर चेहरे पर जख्म के निशान हो गए हैं। जिसका इलाज अनुमंडलीय अस्पताल में कराया जा रहा है। वहीं इस घटना के बाद स्कूल के शिक्षकों में भय का महौल बन गया है। जिसके कारण शिक्षक स्कूल आने से कतराने लगे हैं।

प्रतिनिधियों ने किया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

नीलांबर-पीतांबरपुर। प्रखंड अंतर्गत कोटखास पंचायत के गोपालगंज में शनिवार को ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया। इसका विधिवत उद्घाटन प्रखंड प्रमुख सुनील पासवान, विधायक प्रतिनिधि सुनील कुशवाहा, पूर्व मुखिया प्रत्याशी सह समाजसेवी निर्मल मेहता, बच्चन ठाकुर द्वारा संयुक्त रूप से विधिवत पूजा पाठ कर नारियल फोड़ने के साथ फीता काटकर किया गया। मौके पर समाजसेवी निर्मल मेहता ने कहा कि ट्रांसफार्मर नहीं रहने के कारण ग्रामवासियों को विभिन्न बिजली संबंधित कार्य करने में काफी परेशानी हो रही थी। बच्चों का लिखाई पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियां भी बाधित हो रही थी। अब ट्रांसफार्मर के लगने से गांव में उजाला रहेगा और विभिन्न परेशानियों से छुटकारा मिल पाएगा। मौके पर मुख्य रूप से कमेश यादव, अमलेश राम, गोपाल प्रसाद गुप्ता, वीरेंद्र प्रसाद, संजय पांडे, अजय कुमार सहित काफी संख्या में गांव की ग्रामीण मौजूद थे।

ददई दुबे को अंतिम विदाई देने उमड़ा जनसैलाब, नम हुई आंखें

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक रहे पूर्व मंत्री चंद्रशेखर दुबे उर्फ बाबा ददई दुबे का पार्थिव शरीर शनिवार को रांची से पलामू लाया गया। जहां अपने चहेते नेता लोगों के दिलों के धड़कन रहे बाबा ददई दुबे के पार्थिव शरीर की अंतिम दर्शन हेतु लोग सड़क के किनारे घंटों खड़े रहे। स्व. दुबे का पार्थिव शरीर जैसे ही शनिवार की सुबह पड़वा मोड़ पहुंचा। लोगों की आंखें नम हो गईं। शेर ददई दुबे अमर रहे व जबतक सूरज चांद रहेगा ददई तेरा नाम रहेगा के नारा गूंजने लगे। लोग बाबा के पार्थिव शरीर पर फूलों की बारिश करने लगे। पूर्व मंत्री स्वर्गीय ददई दुबे का पार्थिव शरीर के साथ आ रहा काफिला जैसे ही विश्रामपुर विस क्षेत्र में घुसा, नेता-कार्यकर्त्ता दलों की दूरी भूलकर स्व दुबे को श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी, वरीय कांग्रेसी नेता चंद्रशेखर शुक्ला, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अध्यक्ष बिट्टू पाठक, वरीय कांग्रेसी नेता बिजय कुमार चौबे, जिला उपाध्यक्ष संतोष कुमार चौबे, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र शुक्ला गुड्डु, बीस सूत्री अध्यक्ष रामचंद्र दीक्षित,वीरेंद्र चौबे उर्फ गामा चौबे, बिल्लू चौबे, प्रेम शंकर दुबे, युवा समाजसेवी कृष्णा दुबे, नावाबाजार जिप सदस्य अनूज राम, चनेया सीएसडी कॉलेज के प्राचार्य देवेन्द्र कुमार पाठक, पारस दुबे, पंकज पांडेय उर्फ छोटू, जन्मेजय पांडेय, प्रहलाद दुबे, अशोक दुबे, पूर्व जिप सदस्य अनुज राम, रामानंद पांडेय, दिलीप पांडेय,नवल पांडेय, उज्जवल कुमार दुबे, कृष्णा दुबे, बिरु दुबे, बिजय दुबे, ललित चौबे डब्लू, आलोक चौबे, मणिभूषण पांडेय, राजनाथ पांडेय, अरविंद चौबे, भाजपा जिलाध्यक्ष उपाध्यक्ष रामचंद्र यादव, प्रिंस दुबे, , कांग्रेस अध्यक्ष सच्चिदानंद शुक्ला, शशि पांडेय, शिव पांडेय, युगल किशोर पांडेय सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

20 किमी दूरी तय करने में लगे तीन घंटे

पड़वा मोड़ से रेहला की दूरी लगभग 20 किलोमीटर है, जिसे वाहन से तय करने में मात्र तीस मिनट लगता है। लेकिन ददई दुबे के पार्थिव शरीर के साथ चल रहे काफिले को यह दूरी तय करने में तीन घंटे से भी ज्यादा का समय लगा। हर जगह, हर चौक-चौराहा व हर गांव के सामने सड़क किनारे लोग स्व दुबे के अंतिम दर्शन हेतु कतारबद्ध खड़े थे। पड़वा मोड़, राजहरा कोठी चौक, बसना, ब्रहमोरिया, भंडार, गुरी, कधवन, शंखा, केतात, बीमोड़, डंडिला कला, रेहला महाबीर चौक व रेहला थाना चौक पर लोगो का हुजूम घंटो खड़ा रहा। लोगों ने अपने चहेते स्वर्गीय ददई दुबे के पार्थिव शरीर पर फूलों की बारिश की। अपने नेता को अंतिम विदाई भी दी।

पूर्व सांसद के निधन पर शोक व्यक्त

मोहम्मदगंज। पूर्व सांसद चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे के निधन पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव (गढ़वा प्रभारी) सत्यनारायण सिंह, वरिष्ठ कांग्रेसी कुश कुमार सिंह उर्फ मिंटू सिंह, मोहम्मदगंज प्रखंड अध्यक्ष नदीम खान सहित विवेक विशाल, राहुल सिंह, महताब सिद्दीकी, राम जन्म राम, राम बचन बैठा,फिरोज अहमद सिद्दीकी, संजीव कुमार सिंह, निजाम अंसारी व कई ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनके निधन को पार्टी एवं समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में इसकी भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने इस दुःख की घड़ी में परिवार के लोगों के साथ होने की बात कही। उन्होंने कहा कि ईश्वर शोक संतप्त परिवार के सभी सदस्यों को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

न्यूज | बॉक्स

ददई दुबे का जीवन संघर्ष, समर्पण का रहा : कृष्णा

नावाबाजार। चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन को ले शनिवार पंड़वा मोड़ पहुंचा। जहां उनके पार्थिव शरीर पर फूल माला डालकर शोक संवेदना व्यक्त किया। सैकड़ों समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं पार्थीव शरीर को चनेया राजहरा सीएसडी कॉलेज में ले जाया गया। जहां उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर कृष्णा दुबे ने कहा कि पूर्व मंत्री स्वर्गीय ददई दुबे का असामयिक निधन क्षेत्र की आम जनता सहित मजदूरों की एक कड़क आवाज हमेशा-हमेशा के लिए शांत हो गई। विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता एक ऐसे नेता को खो दिया, जो न केवल राजनीति के मंच पर हीं नहीं बल्कि आमजन के दिलों में भी राज करते थे। इनका जीवन संघर्ष, समर्पण व सेवा की मिसाल था। नावाबाजार प्रखंड के पूर्व जिला परिषद सदस्य अनूज राम ने कहा कि उनकी ईमानदारी, बेबाक बोलने की शैली व जनता के लिए उनकी लड़ाई हमेशा विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने कहा कि बाबा के नाम से प्रसिद्ध स्वर्गीय ददई दुबे क्षेत्र के सभी जाति वर्ग के लोगों के लिए एक अभिभावक स्वरूप थे। जिनकी कमियां क्षेत्र की राजनीति में सदैव बने रहेगी। समर्थक रहे बिरु दुबे ने कहा कि मंत्री स्वर्गीय दुबे अपने राजनैतिक जीवन में कभी किसी के दबाव में नहीं आना उनके स्वभाव में था। इस वजह से कई मौको पर उन्हें परेशानी भी हुआ। लेकिन समझौतावादी राजनीति से हमेशा उन्होंने परहेज किया। इंटक की राजनीति में भी वह मजबूत नेता के रूप में जाने जाते थे। इनकी दहाड़ से कोयला कंपनियों का हाड़ कांपती थी। स्वर्गीय दुबे के द्वारा मजदूर हित में किए गए कार्य को कोयला मजदूर हमेशा याद रखेंगे। मौके पर मौके पर पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी, चंद्रशेखर शुक्ला, युवा समाजसेवी कृष्ण दुबे, सीएसडी कॉलेज के प्राचार्य देवेंद्र कुमार पाठक, पारस दुबे, पंकज पांडेय उर्फ छोटू, जन्मेजय पांडेय, प्रहलाद दुबे, अशोक दुबे, पूर्व जिप सदस्य अनुज राम,बिरु दुबे, रामानंद पांडेय, दिलीप पांडेय,नवल पांडेय, उज्जवल कुमार दुबे, राज मुनी पांडेय, विकास दुबे आदि लोग शामिल थे।

पौधरोपण कर पर्यावरण को करें संतुलित

हुसैनाबाद। नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत अमन चैन मुहल्ला एवं जपला छतरपुर रोड के नहर मोड़ के समीप धरहरा जपला स्थित संचालित समता स्कूल परिसर में शनिवार को पर्यावरण को संतुलित,स्वच्छ ,सुंदर व हरा भरा बनाए रखने के लिए संकल्प के साथ वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इसमें सैकड़ों फलदार व छायादार पौधरोपण किया गया। इस अभियान में शिक्षक शिक्षिकाए एवं छात्र-छात्राओं ने मिलकर इस वृक्षारोपण का कार्य को सफल बनाया। इस मौके पर विद्यालय के निर्देशक सह प्रधानाचार्य डॉ. अक्षय कुमार चौहान ने बताया कि पेड़ पौधे लगाने से बहुत सारे फायदे हैं। यह न केवल पर्यावरण के लिए, बल्कि मानव स्वस्थ्य और सामाजिक जीवन के लिए भी लाभदायक है। पेड़-पौधे हवा को शुद्ध करते हैं। जल संरक्षण में मदद करते हैं। मिट्टी के कटाव को रोकते हैं। मौके पर उपस्थित विद्यालय के शिक्षक विनोद चौधरी, किरण देवी, संतोष मिश्रा, अंजली सिंह, सुधांशु कुमार सिंह, अनुज कुमार सिंह, विनोद कुमार सिंह,राहुल गुप्ता, राहुल चौहान, प्रियंका देवी, दशरथ कुमार, रिमझिम देवी, प्रियंका देवी, सानिया खातून, प्रियंका देवी, सुभाष कुमार शकुंतला देवी, बबिता देवी, रीना देवी, उम्म जहरा, मुकेश कुमार, संजीत कुमार, अंशी कुमारी, चांदनी कुमारी, कार्तिक प्रसाद, नंदू प्रजापति, अनूप पांडेय एवं परिचारिका विमला कुंवर एवं काफी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

तैलिक साहू समाज की प्रमंडलीय बैठक आज

नीलाम्बर-पीताम्बरपुर। पलामू प्रमंडलीय तैलिक साहू समाज की बैठक आज होटल रामड़ा मेदिनीनगर (पलामू) में रखी गई है। बैठक में पलामू, गढ़वा और लातेहार जिलों के सभी प्रखंड अध्यक्ष, प्रखंड सचिव, कोषाध्यक्ष, जिला कमिटी सदस्य एवं प्रमंडलीय पदाधिकारी भाग लेंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना, समाज में उत्पन्न समस्याओं के समाधान की दिशा में प्रयास करना और संगठन के विस्तार पर विचार-विमर्श करना है। इस महत्वपूर्ण बैठक को लेकर पलामू प्रमंडलीय अध्यक्ष रामदास साहू ने सभी संबंधित पदाधिकारियों से आग्रह किया है कि वे समय से उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि समाज को एकजुट रखने और उसकी आवाज को बुलंद करने के लिए संगठित प्रयास बेहद जरूरी है। यह बैठक संगठन के आगामी कार्यक्रमों की दिशा तय करने में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

पंचायत का विकास एक मात्र उद्देश्य : मुखिया

विश्रामपुर। विश्रामपुर प्रखंड के तोलरा पंचायत के मुखिया रोहित तिवारी ने कहा कि पंचायत का विकास करना एक मात्र उद्देश्य है। जिसे लक्ष्य बनाकर कार्य किया जा रहा है। जिसमें लोगों का सहयोग मिल रहा है। कहा कि वे लोगों की जरुरतों को महसूस कर हर-संभव सहयोग भी करते रहे हैं। पंचायत क्षेत्र में जरूरत मंदों को चिंहित कर प्रधानमंत्री आवास व अबुआ आवास उपलब्ध कराया गया है। वंचित लोगों को भी आवास का लाभ मिलेगा, इसके लिए उनके द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम कराया जा रहा है। पंचायत को मिलने वाली 15 वें वित्त की राशि से गांव की सड़कों को बनावाया जा रहा है। विद्यालय में शैक्षणिक माहौल तैयार करने को लेकर स्वच्छ पेयजल व बच्चों के लिए खेल पार्क तैयार किया गया है। विद्यालय में बच्चों को पोषण युक्त पोषाहार मिले इसके लिए वे नियमित अलग-अलग विद्यालयों में जाकर गुणवत्ता युक्त पोषाहार की जांच करते हुए स्वयं भी बच्चों के साथ बैठकर पोषाहार लेते हैं। कहा कि अगर किसी को परेशानी हो तो वे स्वयं आकर मिल अपनी समस्याओं को सांझा करें, उसे दूर करने का हरसंभव प्रयास होगा। मनरेगा की योजनाएं पंचायत में चल रही है। जिससे मनरेगा मजदूरों को रोजगार मिल रहा है। कुछ विकास विरोधी बाधक बन रहे हैं फिर भी वे अपने उद्देश्य को आगे बढ़ा रहे हैं।

धमकी देने के मामले में दिया गया आवेदन

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर(पलामू)। प्रखंड के चराई पंचायत के मुखिया सह जेएमएम के प्रखंड अध्यक्ष रबिंद्र राम ने छतरपुर के बड़े व्यवसायी बैजनाथ प्रसाद पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। दोनों पक्षों ने थाना में आवेदन देने की बात बताई। इस संदर्भ में मुखिया रबिंद्र राम ने बताया कि उनकी पैतृक जमीन पर बाजबरन बैजनाथ प्रसाद के द्वारा कब्जा कर लिया गया था, जिसे मेरे गोतिया के लोगों के द्वारा उस जमीन पर जुताई कर दी। इससे नाराज होकर बैजनाथ प्रसाद ने फोन कर उन्हें जातिसूचक शब्द का प्रयोग करते हुए उन्हें और उनके परिवार के सदस्य को जान से मारने की धमकी दी है। मुखिया ने कहा कि बैजनाथ प्रसाद के द्वारा कहा गया कि उनकी पहुंच मंत्री तक है और उनसे उलझने पर कुछ भी कराने की धमकी दी है। इधर बैजनाथ प्रसाद ने बताया कि मुखिया रबिंद्र राम के दादा परदादा उनके पूर्वजों के हाथों अपनी जमीन बेच डाली थी जिसका कागजात भी हमारे पास है और 50 वर्ष से भी अधिक समय से जोतकोड़ से करते आ रहें थे। बैजनाथ प्रसाद ने कहा कि उन्होंने मुखिया के साथ कोई अभद्र व्यवहार नहीं किया है और न ही जान से मारने की धमकी दी है,उनके द्वारा लगाया गया आरोप निराधार और झूठा है।

युवाओं का जत्था देवघर रवाना हुआ

मोहम्मदगंज। देवघर में बाबा बैजनाथ का सावन की पहली सोमवारी को जलाभिषेक करने को लेकर शिलापर गांव से कांवरिया युवा कविंद्र कुमार मेहता,चंदन कुमार पुरावशेष, प्रशांत कुमार, सुनील कुमार यादव, पंकज मेहता, ध्रुव कुमार मेहता और सत्येंद्र कुमार उर्फ छोटू का जत्था सड़क मार्ग से रवाना हुआ है। इससे पहले उन्होंने कुलदेवता और भीमचूल्हा शिव मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर मत्था टेक मंगलमय यात्रा का प्रार्थना की। भीमचूल्हा में पुजारी सह गाइड गंगा तिवारी और सेवक सत्येंद्र कुमार चंद्रवंशी ने मंत्रोच्चारण के साथ उन्हें रवाना किया। कांवरिया युवाओं ने कहा कि वे बाबा बैजनाथ से परिवार, समाज और क्षेत्र की सुख-शान्ति और समृद्धि की कामना करने को लेकर जा रहे हैं।

सैनिटरी नैपकिन यूनिट शुरू करने को लेकर बैठक

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। शनिवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में पलास जेएसएलपीएस के तत्वाधान में सैनिटरी नैपकिन यूनिट फिर चालू करने हेतु सैनिटरी नैपकिन उत्पादक समूह का विशेष बैठक प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक अंजनी कुमार की अध्यक्षता में किया गया। इस बैठक के दौरान सैनिटरी नैपकिन यूनिट को फिर चालू करने, इसकी सुरक्षा इंतजाम, मार्केटिंग आदि पर विस्तार से विचार किया गया। उत्पादक समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया कि उक्त भवन में पथरा संकुल संगठन का भी कार्यालय खोला जाएगा। साथ ही सुरक्षा के दृष्टिकोण को देखते हुए अंदर तथा बाहर कई सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। विदित हो कि जून 2022 में चोरी की घटना के बाद से यूनिट बंद पड़ा हुआ है। जिसे पुनः चालू करने की प्रक्रिया तेज किया जा रहा है। आवेदन देकर यूनिट को फिर से चालू करने का अनुमति मांगा गया है। मौके पर जेएसएलपीएस के कार्यक्रम प्रबंधक अंजनी कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत समूहों का गठन कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। साथ ही कई रोजगारोन्मुखी योजना का सफल संचालन महिला स्वयं सहायता समूह के माध्यम से किया जा रहा है। क्षेत्र की महिलाएं समूह से जुड़कर स्वरोजगार से जुड़े यह जेएसएलपीएस की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि प्लांट शुरू होने से समूह की दर्जनों महिलाओं को स्वरोजगार मिलेगा। उन्होंने बताया कि यूनिट के शुरू होने के उपरांत क्षेत्र के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय व महिलाओं से सम्बंधित अन्य संस्थान में सप्लाई देने की योजना है।

इस बैठक में उत्पादक समूह के अध्यक्ष सीमा देवी, सचिव निर्मला देवी, रंजू देवी, मीरा देवी, निशु देवी, रीना देवी आदि उपस्थित रहीं।

दुकानदारों से फोन पे अपडेट के नाम 80 हजार की ठगी

नवीन मेल संवाददाता

सतबरवा। सतबरवा के मेला टांड़ स्थित एक मेडिकल दुकान के संचालक सुनील कुमार से शनिवार को साइबर अपराधियों ने 80 हजार रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित सुनील कुमार ने बताया कि शाम करीब 3 बजे तीन युवक उनकी दुकान के सामने खड़े थे। उनमें से एक ने पानी मांगा, पानी मैंने दे दिया। इसके बाद एक युवक ने खुद को फोन पे से जुड़ा कर्मी बताते हुए कहा कि वे ऐसे सॉफ्टवेयर पर काम करते हैं जिससे फोन पे से भुगतान करते समय जो आवाज आती है और जिसके नाम पर मासिक शुल्क कटता है, वह आवाज जाएगी और चार्ज भी नहीं कटेगा। उन्होंने पहले 19 रुपये का ट्रांजैक्शन करवाया, फिर सुनील कुमार से उनका मोबाइल फोन मांग लिया। मोबाइल में कुछ छेड़छाड़ करने के बाद उन्होंने कहा कि अब से आवाज भी आएगी और कोई मासिक चार्ज भी नहीं कटेगा। इसके बाद तीनों युवक एक चार पहिया वाहन में सवार होकर मेदिनीनगर की ओर रवाना हो गए। कुछ ही देर में सुनील कुमार के एसबीआई खाता संख्या 31085410076 से तीन बार में – 25 हजार, 25 हजार और 30 हजार रुपये – कुल 80 हजार रुपये कट गए। घटना की सूचना पीड़ित ने तुरंत सतबरवा थाना को दी, साथ ही साइबर थाना मेदिनीनगर में भी शिकायत दर्ज कराई है। इस घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल गर्म है। स्थानीय लोगों का कहना है कि साइबर ठग दुकानदारों से फोन पे अपडेट के नाम पर संपर्क कर रहे हैं, जिससे व्यवसायियों में हड़कंप मच गया है।

दो वारंटी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

नवीन मेल संवाददाता

नीलाम्बर-पीताम्बरपुर। लेस्लीगंज थाना पुलिस ने न्यायालय द्वारा निर्गत वारंट के आधार पर दो फरार वारंटियों को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया। कार्यवाहक लेस्लीगंज थाना प्रभारी विक्रम शील ने बताया कि माननीय न्यायालय द्वारा निर्गत दो वारंट के आलोक में पहला मामला लेस्लीगंज थाना कांड संख्या 07/2014, न्यायालय जी.आर.-1338/2014 से जुड़ा है, जिसमें वारंटी अभियुक्त काली यादव उर्फ कैलू (उम्र 62 वर्ष), पिता स्व. छवि यादव, ग्राम-धावाडीह (होसिर टोला), थाना-लेस्लीगंज को गिरफ्तार किया गया।वहीं दूसरा मामला लेस्लीगंज थाना कांड संख्या 27/2011, न्यायालय जी.आर.-751/2011 से संबंधित है, जिसमें वारंटी अभियुक्त जगत महतो (उम्र 55 वर्ष), पिता स्व. झम्मन महतो, ग्राम-ओड़िया (सेवई), थाना-लेस्लीगंज को गिरफ्तार किया गया।दोनों गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया।वही पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर सकारात्मक संदेश गया है।

लगातार बारिश शिवभक्तों के लिए सुकूनदायक बना

मोहम्मदगंज। आषाढ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के दिन मौसम पूवानुर्मान के अनुसार रिमझिम बारिश से मनभावन प्राकृतिक सौंदर्य बिखर गया है। इससे चढते सावन के साथ गर्मी के काफूर होने से भगवान शिव को जलाभिषेक को लेकर भक्तों को सुकूनदायक वातावरण में आस्था का प्रकटीकरण करने की उम्मीद जताई गई है। बाबाधाम जाने वाले कांवरियों के लिए भी अन्य वर्षों की अपेक्षाकृत राहतभरा मौसम की संभावना बढ गई है। मगर, खरीफ और भदई फसलों के लिए इसे नुकसानदायक बताया जा रहा है। कहा गया कि भदई फसलों में छिटपुट रूप से अरहर को छोड़ मक्का, तील और मूंगफली को बोवाई नहीं हुआ। इससे लगातार बारिश को लेकर किसान चिंतित बताए जाते हैं।

सावन माह में भी प्यासे है जलाशय, किसानो में मायूसी

नवीन मेल संवाददाता

रमना। प्रखंड में वर्षा कम होने से किसानो में मायूसी है, अषाढ़ माह बीत कर सावन महीना भी तीन दिन बीत गया लेकिन इस क्षेत्र के बरसाती नदियां और तालाब आज भी सुखी है और मवेशीयी के लिए चारागाह का श्रोत बने है। किसानों ने अपना जमा पूंजी धान बीज बोवाई में लगा दिये है। इस क्षेत्र में कृषि कार्य आज भी भगवान भरोसे और प्राचीन कृषि पद्धति के अनुसार ही होता है, साथ ही जिरुआ जलाशय कुछ और तालाबों को छोड़ कर वर्षा जल संचय नहीं किया जाता है। जिरुआ जलाशय पर निर्भर गढ़वा, सतबहिनी, सुखड़ा आदि नदिया आज भी सुखी हुई है। इन नदियों पर ही इस क्षेत्र में कृषि कार्य निर्भर है इन नदियों में पानी आने के बाद ही इसके तह में आने वाले खेतो कि सिंचाई होती है। इस क्षेत्र में औसत से कम बर्षा किसानो के लिए चिंता का विषय है।

समस्या

हुसैनाबाद नगर पंचायत के वार्ड दो व तीन का हाल-बेहाल

जल-जमाव से जन जीवन अस्त-व्यस्त, लोग परेशान

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद । नगर पंचायत के वार्ड-तीन के आईटीआई के समीप में बारिश का पानी जमा होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हुसैनाबाद में रुक-रुककर हो रही लगातार बारिश के कारण नगर पंचायत के वार्ड 3 के आईटीआई के बगल रास्ते में सड़कों पर जल जमाव से सामान्य जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जगह-जगह जल जमाव के कारण लोगों को काफी परेशानी हो रही है। जल निकासी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों की परेशानी और बढ़ रही है। आईटीआई के समीप आरसीसी नाली का निर्माण किये जाने के बाद भी सड़क पर जल-जमाव हो गया है। अभी वर्तमान में घूमकर आईटीआई के दक्षिण क्षेत्र से लोगों का आवागमन चालू किया गया है। परंतु सड़कों पर जल जमाव के कारण आवागमन में लोगों को काफी कठिनाई हो रही है। वहीं उक्त रास्ता वार्ड तीन के अलावा दो वार्ड विशुनपुर, दरुआ, रामाबांधी और फातमा चक मुख्य सड़क से जोड़ती है। गांव के मुख्य सड़क से शहरी क्षेत्रों में जाने वाली पूरे सड़क पर जल जमाव की स्थिति बनी हुई है। बताया जाता है कि जपला स्टेशन रोड अनुमंडल रोड सभी सड़कों की स्थिति काफी खराब हो गई हैं। सड़क पर लोगों के सामने जल जमाव एक बहुत बड़ी समस्या बनी हुई है। इधर बारिश के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में सब्जीयों की फसल बर्बाद हो गई है। जर्जर सड़क पर जल जमाव के कारण राहगीरों की मुश्किलें भी बढ़ गई है । पानी भरे रहने के कारण गड्ढों व सड़कों का पता नहीं चल पाता है और फिसलकर लोग गिर जाते हैं। वार्ड दो के लोग आज भी कच्ची सड़क पर चल रहे हैं। इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी तरनीश कुमार हंस ने मुहर्रम बाद जल जमाव की समस्याओं से निजात दिलाने की बात कही थी, परंतु एक सप्ताह बाद भी इस पर अमल नहीं किया गया।

वज्रपात गिरने से चार लोग घायल

नौडीहा बाजार। वज्रपात गिरने से नौडीहा प्रखंड के पंचायत खैरादोहर के ग्राम लकड़ाही में दो लोग घायल हो गए। सभी घायलों का प्राथमिक उपचार के लिए अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर भेजा गया। वहीं ग्राम सिल्दा खुर्द में उदय सिंह वज्रपात गिरने से दोनों घायल हो गए हैं।

नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय ने स्नातकोत्तर टॉपर्स को टीचिंग असिस्टेंटशिप पर किया नियुक्त

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय, मेदिनीनगर ने सत्र 2021–23 के स्नातकोत्तर टॉपर्स विद्यार्थियों को एक वर्ष के लिए टीचिंग असिस्टेंटशिप पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति अभिषद की 93वीं बैठक के संकल्प संख्या 25/2025 (अन्यान्य) (iii) के तहत की गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार, चयनित विद्यार्थियों को संबंधित विभागों में कक्षा संचालन एवं शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग करना होगा।

नियुक्त किए गए विद्यार्थियों को अधिकतम 15,000 प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा, जिसकी अनुशंसा संबंधित विभागाध्यक्ष अथवा प्राचार्य करेंगे। इसके लिए विभाग द्वारा प्रतिवेदन कुलसचिव कार्यालय को भेजने के पश्चात राशि संबंधित विभाग/महाविद्यालय के खाते में हस्तांतरित की जाएगी।

चयनित विद्यार्थियों में अफीफा खातून (वनस्पति विज्ञान), निशा तिवारी (वाणिज्य), अंजलि कुमारी (अर्थशास्त्र), आशीष (अंग्रेज़ी), आकृति सिन्हा (भूगोल), आदित्य राज (भूविज्ञान), आरती कुमारी (हिंदी), ओम प्रकाश शर्मा (इतिहास), अनुप्रिया कुमारी (राजनीति विज्ञान), स्वाति कुमारी (गणित), लव कुमार ठाकुर (भौतिकी), मनीष यादव (समाजशास्त्र) और तनु सिंह (प्राणीशास्त्र) शामिल हैं। कुलसचिव के हस्ताक्षर से जारी कार्यालय आदेश में कहा गया है कि चयनित छात्र आदेश पत्र निर्गत होने के सात कार्यदिवस के भीतर अपनी लिखित सहमति कुलसचिव कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस निर्णय को शिक्षण गुणवत्ता सुधार की दिशा में एक अहम कदम बताया है।

हरिहरगंज में आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम की डीसी ने की समीक्षा

विकास संकेतकों की प्रगति पर जताई चिंता, बच्ची के भविष्य की ली जिम्मेदारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस ने शनिवार को हरिहरगंज प्रखंड कार्यालय सभागार में आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने नीति आयोग द्वारा निर्धारित कुल 40 विकास संकेतकों के आधार पर विभिन्न विभागों की प्रगति और गुणवत्ता की विस्तृत जानकारी ली। बैठक में उपायुक्त ने निष्क्रिय एफपीओ को पुनः सक्रिय करने अथवा नए एफपीओ के गठन पर बल दिया। उन्होंने टीबी मरीजों के लिए नियमित मंथली किट की आपूर्ति सुनिश्चित करने, बच्चों की वृद्धि की निगरानी नियमित और

सटीक तरीके से करने, महिला समूहों को अधिक सशक्त बनाने तथा नई महिलाओं को जोड़ने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति, प्रखंड में सड़कों की दशा, बिजली और पानी की व्यवस्था, स्कूलों की संख्या और उनकी वर्तमान स्थिति, जनधन खातों की संख्या समेत कई विषयों पर भी जानकारी ली। समीक्षा बैठक में छत्तरपुर एसडीओ, हरिहरगंज के बीडीओ परितोष प्रियदर्शी सहित अन्य प्रखंड कर्मी उपस्थित रहे।

बच्ची से संवाद कर जताया मानवीय सरोकार, दिए निर्देश

समीक्षा के दौरान डीसी समीरा एस ने प्रखंड परिसर में एक बच्ची से बातचीत की। बातचीत के क्रम में बच्ची के नाना ने बताया कि उसकी मां का निधन हो चुका है और पिता ने भी साथ छोड़ दिया है, जिससे दस्तावेज बनवाने में कठिनाई आ रही है। इस पर उपायुक्त ने बीडीओ को बच्ची के लिए त्वरित रूप से संबंध प्रमाण पत्र तैयार करवाने और आधार कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को बच्ची का स्कूल में नामांकन जल्द से जल्द सुनिश्चित करने को कहा।

शिक्षा के साथ मानसिक अनुकूलन भी जरूरी : अविनाश देव

- संत मरियम स्कूल में प्रेरक शिक्षक बैठक, शिक्षण गुणवत्ता और बच्चों की मानसिकता पर चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। संत मरियम स्कूल में शनिवार को एक प्रेरणादायक बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने की। बैठक में शिक्षण कार्य की गुणवत्ता, विद्यार्थियों की बदलती मानसिकता और तकनीक के प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा हुई।

चेयरमैन अविनाश देव ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान के वाहक नहीं, बल्कि समाज निर्माण के सशक्त स्तंभ हैं। वर्तमान दौर में तकनीक और सोशल मीडिया के प्रभाव से बच्चों को शिक्षा से जोड़ना और उनकी एकाग्रता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रखने के बजाय, बच्चों के मानसिक स्तर को समझते हुए अनुकूल शिक्षा देना आवश्यक है, जिससे वे बेहतर विद्यार्थी ही नहीं, जिम्मेदार नागरिक भी बन सकें। बैठक में प्रधानाचार्य कुमार आदर्श, उपप्राचार्य एस. बी. साहा, समन्वयक अमरेंद्र कुमार, रिजवाना परवीन, रोशन राज, निकिता गुप्ता, एकता सहाय समेत सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थीं। शिक्षकों ने भी विचार साझा करते हुए यह संकल्प लिया कि वे छात्रों की मानसिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नवाचारपूर्ण व रुचिकर शिक्षण पद्धतियों को अपनाएंगे।

ददई दुबे का पार्थिव शरीर पहुंचा कांग्रेस भवन, दी गई श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पूर्व मंत्री सह पूर्व सांसद चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे की अंतिम यात्रा शनिवार सुबह पलामू से होकर गुजरी। रांची से सड़क मार्ग द्वारा मेदिनीनगर पार्थिव शरीर पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम लोगों की भारी भीड़ उनके अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़ी। चंद्रशेखर आजाद चौक, रेड़मा में पार्थिव शरीर पहुंचने पर फूल माला अर्पित कर ददई बाबा अमर रहें, जब तक सूरज चांद रहेगा, ददई दुबे आपका नाम रहेगा सरीखे नारे लगाए। इसके बाद पार्थिव शव पलामू कांग्रेस भवन लाया गया, जहां पूर्व मंत्री के एन त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई दी। अन्य संगठन राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के भी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद थे। यहां श्रद्धांजलि के बाद शव गढ़वा कांग्रेस कार्यालय ले जाया गया। वहां श्रद्धांजलि के बाद पार्थिव शव उनके कांडी के चौका गांव ले जाया गया और फिर नगर उंटारी के रास्ते वाराणसी ले जाया जाएगा और अंतिम संस्कार

किया जाएगा। बताते चलें कि चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे का निधन 10 जुलाई को हो गया था। उनका इलाज नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में चल रहा था। ददई दुबे की उम्र 87 वर्ष थी। वह विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र से चार बार विधायक रहे थे। 1985 में पहली बार विधायक बने थे। धनबाद से एक बार सांसद भी रहे थे। अभिभाजित बिहार में मंत्री भी रहे थे। झारखंड में भी वह मंत्री रह चुके थे। मजदूर नेता के रूप में भी उनकी विशेष पहचान थी। उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है।

राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी ने पुष्पमाला अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

पूर्व मंत्री सह कद्दावर नेता चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे का पार्थिव शरीर रेडमा चौक पहुंचने पर राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान युवा वाहिनी सदस्यों के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने कहा कि ददई दुबे के निधन से पलामू की राजनीति में एक युग का अंत हो गया। ऐसा जननायक फिर मिलना मुश्किल है। इस दौरान उपाध्यक्ष राजकुमार पाण्डेय, रमेश शुक्ला, सचिव आशुतोष पाण्डेय लकी, प्रवक्ता संजय मिश्रा, जिलाध्यक्ष विकास दुबे, संजय पाण्डेय, सतीश तिवारी, अजय शुक्ला, मनीष ओझा, रामप्रकाश तिवारी, मुन्ना पाण्डेय, परितोष पाण्डेय, शशी शंकर तिवारी, दिलीप तिवारी, विक्रांत त्रिपाठी, नीरज दुबे, चंदन तिवारी समेत कई लोग मौजूद रहे।

डीआईजी से मिला प्रतिनिधिमंडल, किया स्वागत

- झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा और तीरंदाज एकेडमी के प्रतिनिधियों ने डीआईजी से की मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा एवं राजा मेदनीराय तीरंदाज एकेडमी के प्रशिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को पलामू डीआईजी नौशाद आलम से उनके कार्यालय में मिला। प्रतिनिधिमंडल ने डीआईजी का बुके, मेमेंटो और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया।

इस अवसर पर डीआईजी नौशाद आलम ने कहा कि पलामू की धरती गंगा-जमुनी तहज़ीब की मिसाल है। यहां के लोग मिल-जुलकर सभी धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाते हैं।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय संयोजक सतीश कुमार ने डीआईजी को अवगत कराया कि पलामू प्रमंडल से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल के माध्यम से पहचान दिलाने वाले प्रशिक्षक डॉ. अज्जो हसन सिद्दीकी बीते 14 जून से लापता हैं, लेकिन पुलिस को अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। डीआईजी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि जल्द ही इस मामले में ठोस कार्रवाई की जाएगी और तथ्य उजागर होंगे।

प्रतिनिधिमंडल में मोर्चा के सतीश कुमार, दाऊद केरकेट्टा, राजू प्रजापति, धर्मेंद्र चंद्रवंशी, सलोनी टोपनो, केलवेन्सिया केरकेट्टा, बसंत हेमरम, पुनिया टोपनो, विजय कुमार सिन्हा तथा तीरंदाज एकेडमी से शिहान संतोष कुमार (संरक्षक), प्रशिक्षक दीपक कुमार गुप्ता, संतन कुमार, रंजन प्रसाद, अभिषेक पांडेय सहित कई लोग शामिल थे।

टाउन हॉल में केंद्रीकृत एसी बनी परेशानी का सबब

- बिजली काटने के बाद कार्यक्रम में लोग होते हैं बेहाल
- 62 केवीए का जेनसेट नहीं उठा पाता पूरा भार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। स्थानीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति नगर भवन में सारी सुविधा होने के बाद भी केंद्रीकृत एसी का बिजली रहने के दौरान ही चालन होता है। बंद हॉल होने के कारण बिजली न रहने की स्थिति में एसी नहीं चलने से टाउन हॉल में बैठे लोगों का हाल बेहाल हो जाता है। बताते चलें कि इस नए टाउन हॉल का उद्घाटन 2017 के अप्रैल महीने में हुआ था। तत्कालीन डीसी शशि रंजन ने टाउन हॉल की बदहाल स्थिति बदलने से संबंधित पहल 2023 में शुरू की गई थी। हालांकि टाउन हॉल के नए स्वरूप बदलने के एक वर्ष से अधिक पूरे हो जाने के बाद भी इसमें केंद्रीकृत एसी के लिए स्थाई व्यवस्था न कर पाना समझ से परे है। बताते चलें कि टाउन हॉल के जीर्णोद्धार के दौरान फाल्स सीलिंग, रंग रोगन, ढाई सौ चेयर, स्क्रीन व केंद्रीकृत एसी एवं अन्य कई आवश्यक कार्य पूरे किए गए थे। आयोजन के दौरान केंद्रीकृत एसी नहीं चलने से लोग कार्यक्रम के आयोजन के लिए दूसरे स्थान की तलाश कर रहे हैं। प्रश्न यह उठता है कि लाखों रुपए खर्च करने के बाद भी इस समस्या से संबंधित कदम क्यों नहीं उठाया जा रहे।

जल्द होगी समस्या दूर : इस बाबत जानकारी लेने पर सहायक नगर आयुक्त विश्वजीत महतो ने बताया कि एक जेनसेट होने के कारण वह पूरे सिस्टम का भार नहीं उठा सकता। निगम द्वारा जेई से इस संबंध में जानकारी मांगी गई है। उसके बाद परेशानी दूर करने से संबंधित कदम उठाया जाएगा।

एक कार्यक्रम का लिया जाता है 30 हजार

नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार टाउन हॉल में कार्यक्रम हेतु लोगों को 30 हजार रुपए लिए जाते हैं। कार्यक्रम के दौरान जब हाल में लोग बैठते हैं और अचानक बिजली चली जाती है तो लोगों का गर्मी के मारे हालत खराब हो जाती है। टाउन हॉल में वर्तमान में 62 केवीए क्षमता का जेनसेट लगे होने के कारण यह केंद्रीकृत एसी का भार नहीं सह पाता।इसके लिए 100 केवीए का जेनसेट की आवश्यकता है। हालांकि प्रशासनिक एवं सरकारी कार्यक्रमों के दौरान बिजली के सुचारू रूप से चालू होने के कारण यह पदाधिकारी के संज्ञान में नहीं आता। बताते चलें कि बीते कुछ दिनों पहले पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा के कार्यक्रम में बिजली काटने के बाद लोग हाथों से गर्मी से निजात पाने हेतु पंखा झेलते रहे। वहीं अन्या कई कार्यक्रमों में भी इसी प्रकार से लोगों को परेशान होते देखा जा सकता है।

शहरी क्षेत्र में सोने की चेन छिनतई की घटनाएं थमने का नहीं ले रही नाम

- पुलिस की कार्रवाई का कोई परिणाम नहीं
- 14 घंटे में शहर में तीन जगह चैन स्नैचिंग
- छिनतई कर असानी से निकल जा रहे हैं चोर
- सीसीटीवी फुटेज में दिखे उचक्के

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत चंद्रा रेजिडेंसी, मेजर मोड़ और आबादगंज रेलवे क्रॉसिंग के पास से चेन स्नैचिंग की घटना हुई है। शहर थाना क्षेत्र में चेन छिनतई का मामला कम होने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले एक महीने में 5 बार से ज्यादा चेन स्नैचिंग का मामला आ चुका है, जिससे आम लोगों में डर का माहौल बन गया है।

पहली घटना शुक्रवार शाम लगभग 5:45 का है। जहां मोटरसाइकिल सवार अज्ञात चोरों के द्वारा चलती स्कूटी पर बैठे अमरेश सिंह के गले से सोने (22 ग्राम) के चेन उड़ा ले गए। पूरा मामला सीसीटीवी फुटेज में साफ-साफ दिख रहा है। अमरेश सिंह ने बताया की वह अपनी बेटी के लिए दुकान में बिस्कुट लेने गए थे, जब वह बिस्किट लेकर वापस घर जा रहे थे तो इसी दौरान पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार दो स्नेचर आए और गले से चेन उड़ा ले गए। जब तक वहां लोगों की भीड़ इकट्ठी होती वे लोग मोटरसाइकिल से तेजी से बैरिया के तरफ निकल पड़े। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि मोटरसाइकिल चालक हेलमेट पहने हुए हैं और पीछे बैठा व्यक्ति गमछा से अपना चेहरा ढके हुए है।

दूसरी घटना शहर थाना क्षेत्र के ही आबादगंज के रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई। जहां पल्सर मोटरसाइकिल सवार ने महिला के गले से चेन ले उड़े। शनिवार सुबह जब नीलम देवी टहल कर अपने घर वापस लौट रही थी तो मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति गले से चैन छीन ले उड़े और तेजी से कचहरी की तरफ निकल गए। नीलम देवी गले में 14 ग्राम के सोने का चेन पहनी हुई थीं। नीलम देवी ने बताया कि मोटरसाइकिल चालक हेलमेट पहने हुआ था और पीछे बैठा व्यक्ति चेहरे को गमछा से लपेटे हुए था।

तीसरी घटना भी शहर क्षेत्र के पुलिस लाइन रोड स्थित मेजर मोड़ के समीप की है। जहां महिला टहल कर अपने घर पुलिस लाइन के तरफ जा रही थी तभी पीछे से पल्सर मोटरसाइकिल सवार उचक्कों ने गले से चेन छीन लिया। यहां भी उच्चके पल्सर बाइक से ही थे।

समीक्षा

जिला परिषद बोर्ड की बैठक में कई प्रस्तावों पर लगी मुहर

स्वास्थ्य, शिक्षा, राजस्व व किराया वसूली से जुड़े मुद्दों पर लिए गए निर्णय

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिमा कुमारी की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय स्थित उप विकास आयुक्त सभागार में जिला परिषद बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मार्च माह में संपन्न पिछली बोर्ड बैठक के निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा की गई। साथ ही विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति पर चर्चा करते हुए कई जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक के दौरान कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए धान बीज वितरण की जानकारी ली गई। इस पर जिला परिषद सदस्य प्रमोद सिंह ने मांग की कि बीज वितरण से संबंधित सूची जिला परिषद को उपलब्ध कराई जाए, जिस पर बोर्ड ने सर्वसम्मति से सहमति दी।

नौडीहा बाजार के जिप सदस्य द्वारा स्वास्थ्य केंद्र में रंग-रोगन कराए जाने का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर सदन ने सहमति दी और जांचोपरांत कार्रवाई का निर्णय लिया गया। वहीं, नीलांबर-पीतांबरपुर के जिप सदस्य ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु सहायक आचार्य की नियुक्ति का मुद्दा उठाया। इसके साथ ही जिला शिक्षा अधीक्षक को विद्यालयों में छात्र उपस्थिति बढ़ाने हेतु प्रभावी कदम उठाने का निर्देश दिया गया।

मनातू प्रमुख द्वारा चक हाई स्कूल में शिक्षकों के सिर्फ उपस्थिति दर्ज कर विद्यालय छोड़ देने और नियमित शिक्षण कार्य न करने की शिकायत की गई। इसके अलावा, पड़वा प्रमुख ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता पर सवाल उठाया।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जिला परिषद कार्यालय में वर्षों से अनुपयोगी पड़े उपस्करों की नीलामी की जाएगी। साथ ही 12 माह या उससे अधिक समय से किराया नहीं देने वाले दुकानदारों से तत्काल वसूली की जाएगी, और भुगतान नहीं होने की स्थिति में संबंधित दुकानों को सील करने की कार्रवाई की जाएगी। दुकानों के हस्तांतरण की स्थिति में न्यूनतम 50,000 बतौर जमानत राशि जमा कराने, पूर्व आवंटियों को ब्लैकलिस्ट करने और उनकी जमानत राशि जब्त करने का भी निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त, जिला परिषद कार्यालय में कार्यरत तीन कर्मचारियों की सेवा संपुष्टि (स्थायीकरण) का निर्णय भी बोर्ड द्वारा लिया गया। बैठक में जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी-सह-उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन, विभिन्न जिला परिषद सदस्यगण तथा संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

रिक्त सहिया पदों को भरने का निर्णय

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान रिक्त सहिया पदों को भरने का निर्णय लिया गया। वहीं, जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह ने हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में महिला डॉक्टर की अनुपस्थिति का मुद्दा उठाया। इस पर सिविल सर्जन ने जानकारी दी कि पाटन में पदस्थापित महिला चिकित्सक को हुसैनाबाद में प्रतिनियुक्त किया जाएगा। साथ ही उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह ने पांच से दस वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थापित चिकित्सकों और कर्मियों के स्थानांतरण की मांग भी रखी।

जीएलए कॉलेज के उर्दू विभाग में प्री-पीएचडी सेमिनार का आयोजन

मेदिनीनगर। जीएलए कॉलेज, मेदिनीनगर के उर्दू विभाग द्वारा शनिवार को वर्चुअल क्लासरूम में प्री पीएचडी सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शोधार्थियों ने अपने शोध कार्यों की प्रस्तुति दी और विशेषज्ञों से महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता उर्दू विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शरफुद्दीन शेख ने की, जबकि संचालन डॉ. खुर्शीद आलम ने किया। सेमिनार में डॉ. शिवपूजन सिंह, दिलीप कुमार, डॉ. रविशंकर सिंह, डॉ. राजेंद्र सिंह, डॉ. मृत्युंजय कुमार, डॉ. भीम राम, डॉ. आर. के. झा, डॉ. संजय बाड़ा, डॉ. वीरेंद्र, विकास टोप्पनो, डॉ. अन्ना हसदा और हसमत जहां समेत कई प्राध्यापक उपस्थित रहे। सभी ने शोधार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उनके कार्यों पर विचार व्यक्त किए। सेमिनार में अमीना खातून, इशरत बानो, नसीम अहमद और अफससा जबीं ने अपने-अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए, जिन्हें उपस्थित प्राध्यापकों और विद्यार्थियों द्वारा सराहा गया। विषय विशेषज्ञों ने उनके शोध पर महत्वपूर्ण टिप्पणियां और सुझाव दिए। समापन अवसर पर धन्यवाद ज्ञापन डॉ. खुर्शीद आलम ने किया।

पम्पूकल ग्रिड स्विच की मरम्मत के लिए जलापूर्ति होगी प्रभावित

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। बेलवाटिका स्थित पम्पूकल जलापूर्ति संचालन विद्युत ग्रिड का मेन स्विच एवं ग्रिड के तकनीकी मरम्मत का कार्य रविवार से मंगलवार तक किया जाएगा। जिसके कारण ग्रिड में लगभग आठ बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान जलापूर्ति वितरण भी अनियमित एवं प्रभावित होने की सम्भावना है। बताते चलें कि यह मेन स्विच खराब होने के कारण पम्पूकल से जलापूर्ति प्रभावित होती थी। जानकारी जलापूर्ति संचालन के कनीय अभियंता अवध साह एवं पाइपलाइन निरीक्षक छोटे लाल गुप्ता ने संयुक्त रूप से बताया कि कई जलमीनार से होने वाली जलापूर्ति प्रभावित होगी।

एआईजी हमिद अख्तर ने उपकारा का निरीक्षण

श्री बंशीधर नगर। बंशीधर नगर प्रखंड के महदेईया गांव में निर्मित उपकारा को चालू करने की दिशा में प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। शनिवार को झारखंड कारा निदेशालय के एआईजी (जेल) हमिद अख्तर ने उपकारा का निरीक्षण किया। इस दौरान गढ़वा कारा के जेल अधीक्षक सह अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी संजय कुमार प्रसाद, भवन प्रमंडल पदाधिकारी प्रेमलाल सिंह, बंशीधर नगर एसडीओ प्रभाकर मिर्धा, अंचल अधिकारी विकास कुमार सिंह समेत कई पदाधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान एआईजी हमिद अख्तर ने उपकारा में मौजूद अधूरी व्यवस्थाओं की जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली और जल्द से जल्द सभी खामियों को दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि उपकारा परिसर में पंखों और लाइट की सुविधा, झाड़ियों की सफाई, पीने के पानी के लिए हैंडपंप, कमरों की साफ-सफाई जैसे कई बुनियादी कार्य अधूरे हैं, जिन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पूरे परिसर का गहन निरीक्षण किया गया है और संबंधित विभागों को आवश्यक सुधार कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने अनुमान जताया कि सभी जरूरी काम समय पर पूरे हो जाने पर उपकारा को चालू होने में लगभग छह माह का समय लग सकता है। निरीक्षण कार्यक्रम में अंचल निरीक्षक, अंचल अमीन सहित कई अन्य कर्मी और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे। प्रशासन की सक्रियता से अब क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि लंबे समय से बंद पड़ी इस उपकारा को जल्द ही संचालन में लाया जाएगा।

13 डीलर लाभुकों के ई-केवाईसी करने में पिछड़े, विभाग ने मांगा स्पष्टीकरण

डंडई। प्रखंड के समस्त जन वितरण प्रणाली दुकान के डीलरों के द्वारा 30 जून तक विभाग के निर्देशानुसार लाभुकों का ई-केवाईसी का कार्य पूरा किया जाना था। परंतु प्रखंड के 13 डीलरों के द्वारा सत प्रतिशत ईकेवाईसी निर्धारित तिथि के अंदर नहीं किया जा सका। जिसको लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी का कार्यालय गढ़वा जिला आपूर्ति शाखा के द्वारा डंडई प्रखंड के 13 डीलर बादल महिला समूह, भारत महिला स्वयं सहायता समूह, गंगा महिला समूह, महाजुद्दीन अंसारी, नारायण राम, प्रशांत प्रसाद, रजवंती देवी, रामगुलाम शाह, रानी महिला विकास समिति, सवेरा महिला समूह, सावित्री महिला बचत समिति, सोना महिला समूह तथा सूर्यवंशी महिला समूह से सत प्रतिशत ई केवाईसी नहीं करने पर स्पष्टीकरण मांगा गया है। मामले में प्रभारी प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी यशवंत नायक ने कहा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से आच्छादित लाभुकों पीला एवं गुलाबी कार्ड का सत प्रतिशत ईकेवाईसी दिनांक 30 जून 2025 तक पूर्ण कर लिया जाना था इस हेतु बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद भी डंडई प्रखंड के 13 जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं के द्वारा ईकेवाईसी कार्य में शिथिलता बरती गई है इधारी ने कहा कि डीलरों के द्वारा स्पष्टीकरण मांगा गया है यदि जवाब संतोषजनक नहीं मिला तो डीलरों के ऊपर कारवाई किया जाएगा।

छात्र-छात्राओं के बीच नोटबुक का वितरण

केतार। प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय मुकुंदपुर में शनिवार को 257 छात्र-छात्राओं के बीच नोटबुक वितरण किया गया। नोटबुक वितरण मुखिया मुंगा साह और विद्यालय प्रभारी विजय कुमार ने किया। इस अवसर पर मुखिया मुंगा साह ने कहा कि सरकार की यह योजना गरीब और पिछड़े वर्ग के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने और नियमित विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया। प्रभारी प्रधानाध्यापक विजय कुमार ने बताया कि पहली से आठवीं कक्षा के बच्चों के बीच नोटबुक वितरण किया गया। उन्होंने राज्य सरकार की इस पहल की सराहना की और कहा कि इससे आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की पढ़ाई अब बाधित नहीं होगी। इस मौके पर शिक्षक सुरेन्द्र ठाकुर, देवकुमार सिंह, दयाशंकर बैध, लता कुमारी सहित प्रबंधन समिति अध्यक्ष सीमा देवी, संयोजिका रेखा देवी सहित अन्य मौजूद थे।

रसोईया सह संयोजिका को दिया गया प्रशिक्षण

श्री बंशीधर नगर। संकुल संसाधन केंद्र चितविश्राम में प्रधानमंत्री पोषण मध्याह्न शक्ति योजना के तहत रसोईया सह संयोजिका का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। संकुल संसाधन केंद्र चितविश्राम में प्रशिक्षण का शुभारंभ प्रशिक्षक सीआरपी सजय कुमार सिंह, प्रभारी प्रधानाध्यापक द्वारिका नाथ पांडेय, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सारिका शर्मा, संयोजिका मीना देवी, रंभा कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया प्रशिक्षक सजय कुमार सिंह, संयोजिका रंभा कुमारी ने रसोईया सह सहायिका को बिंदुवार विस्तार सेउनके कर्तव्य व दायित्व की जानकारी दिया। प्रशिक्षक सजय कुमार सिंह ने कहा कि खाना बनाते समय स्वच्छता का विशेष ध्यान देने, खाद्य पदार्थों के सुरक्षित संचालन व भंडारण करने की जानकारी दिया। उन्होंने कहा कि रसोईया -सह सहायिका को स्वच्छ सुरक्षात्मक कपड़े, सिर ढ़कने वाले कपड़े, एप्रोन और दस्ताने का इस्तेमाल करना है, एलपीजी गैस एंव चूल्हे का सही एंव सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल करने का उपाय बताया। सभी रसोईया सह सहायिका को चावल की सफाई, सब्जी, धुलाई एंव काटना, दाल सफाई, किचेन सह स्टोर वाले कक्ष की साफ-सफाई, खाना पकाने, खाना परोसने के जानकारी दिया सीआरपी ने वर्ग 1-5 वाले बच्चों को चावल 100 ग्राम, दाल,20 ग्राम, सब्जी 50 ग्राम, तेल 0.5 मिली लीटर तथा 6- 8 के लिए चावल 150 ग्राम,दाल 30 ग्राम, सब्जी,75 ग्राम,तेल की मात्रा के साथ साथ साप्ताहिक मेनू व पूरक पोषाहार की जानकारी विस्तार से दिया। इस अवसर पर संयोजिका सह प्रशिक्षक रंभा कुमारी, मीना कुमारी सहित रसोईया ने भी अपने अनुभव साझा किया सजय कुमार सिंह ने कहा कि कोई भी सामान क्रय करने के लिए क्रय समिति का गठन कर सामान की खरीदारी करना चाहिये। प्रशिक्षण में शारदा देवी, बबिता देवी, मालती देवी, सुनीता देवी, रीना देवी, निर्मला देवी, ललिता देवी, फूलकुमारी देवी, राजकुमारी देवी, रूपा देवी, नागवन्ति देवी, अनिता देवी, उर्मिला देवी, देवंती देवी, विन्दा देवी, रूपा देवी सहित सभी रसोईया सह सहायिका उपस्थित थी।

बैटरी चोरी होने की शिकायत दर्ज

केतार। बाजार निवासी दिलीप जयसवाल ने थाना में आवेदन देकर दो ट्रैक्टर से दो बैटरी चोरी होने की शिकायत की है। आवेदन में उल्लेख किया है कि 27 जून को दोनों ट्रैक्टर चारदीवारी के अंदर लगाया हुआ था। लेकिन जब 8 जुलाई को खेतों की जुताई कराने के लिए अपने ड्राइवर को लेकर ट्रैक्टर निकालने गया तो देखा की मेरा दोनों ट्रैक्टर का बैटरी गायब है। अपने स्तर से काफी खोजबीन किया लेकिन बैटरी और चोर का पता नहीं चल सका। आवेदक दिलीप ने थाना प्रभारी को आवेदन देकर उक्त अज्ञात चोरों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए बैटरी खोजने का आग्रह किया है। बताते चले कि पिछले कुछ महीने से बाजार के ही क्षेत्र में लगभग आधा दर्जन ट्रैक्टर का बैटरी चोरी होने का मामला सामने आया है। लेकिन चोर अभी तक पुलिस के पकड़ से बाहर है। इस कारण वाहन मालिकों में भय का माहौल है। ट्रैक्टर मालिक और बाजार के लोग पुलिस कि सक्रियता पर सवाल उठा रहे हैं। इस संबंध में प्रभारी थाना प्रभारी चंदन कुमार ने कहा कि अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन किया जा रहा है।

जमीन विवाद में महिला से मारपीट, मामला दर्ज

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र के बूका गांव अंतर्गत पनियानी टोला में जमीनी विवाद को लेकर जातिसूचक गाली-गलौज, मारपीट और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित विपत भुइयां ने भवनाथपुर थाना में गांव के ही गिरेंद्र राउत और पतिराज राउत के खिलाफ लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित ने अपने आवेदन में उल्लेख किया है कि वह अपने खेत में ट्रैक्टर से जुताई करवा रहा था, तभी दोनों आरोपी लाठी-डंडा लेकर वहां पहुंचे और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए उसके साथ मारपीट करने लगे। पीड़ित का आरोप है कि जब उसकी बहू बीच-बचाव करने आई, तो आरोपियों ने उसे बाल पकड़कर घसीटते हुए अपमानित किया, जिससे उसकी बहू की गरिमा को ठेस पहुंची। इस घटना के बाद पीड़ित परिवार भयभीत है और न्याय की गुहार लगा रहा है। उन्होंने थाना प्रभारी से मांग की है कि आरोपियों के खिलाफ शीघ्र कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया जाए।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कांडी(संवाददाता)। कांडी थाना अंतर्गत ग्राम पिपरडीह की रहने वाली रीना कुमारी उम्र 16 वर्ष पिता रंगनाथ यादव के द्वारा अपने घर पर ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुअनि विद्यासागर प्रसाद के द्वारा शव का मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट और डेड बॉडी चालान तैयार कर शव का अंत्य परीक्षण हेतु गढ़वा सदर अस्पताल भेजा गया जहां शव का अंत्य परीक्षण कर शव को परिवार वालों को सौंप दिया गया है। थाना प्रभारी अविनाश राज ने कहा कि आत्महत्या का स्पष्ट कारण हेतु जांच जारी है।

डीसी व एसपी समेत कई पदाधिकारियों ने किया मंडल डैम का निरीक्षण

परियोजना स्थल पर जल्द काम होगा शुरू : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। जिले के भंडरिया प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बहुप्रतीक्षित मंडल डैम परियोजना को शीघ्र प्रारंभ किए जाने को लेकर कवायद तेज कर दी गई है। इसी क्रम में उपायुक्त-दिनेश कुमार यादव एवं पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, वरीय पदाधिकारियों के साथ मंडल डैम क्षेत्र का भ्रमण कर वस्तुस्थिति से अवगत हुए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने डैम स्थल पर विभिन्न बिंदुओं का जायजा लिया और यह सुनिश्चित किया कि कार्य प्रारंभ किए जाने से पहले सभी आवश्यक पूर्व-तैयारियां पूर्ण रूप से की जाएं। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि परियोजना स्थल पर जल्द ही कार्य प्रारंभ होगा और इसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ काम करने का निर्देश दिया गया है। मंडल डैम परियोजना लंबे समय से लंबित है, परंतु अब इसे सक्रिय रूप से आगे बढ़ाने की दिशा में प्रशासन द्वारा गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान जलाशय स्तर, सुरक्षा मानकों, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं विस्थापितों से जुड़ी प्रक्रियाओं की भी समीक्षा की गई।

डैम के बचे हुए कार्यों को पूरा कराना प्राथमिकता

उपायुक्त ने बताया कि मंडल डैम को लेकर केंद्र और राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही हैं। इसको लेकर सरकार काफी पैसे भी खर्च कर रही है। किंतु किसी कारणों से यह परियोजना अभी तक चालू नहीं हो पाई है। इसी को देखते हुए हम लोग यहां निरीक्षण करने आए हैं। ताकि यह जान सके की किन कारणों से यह परियोजना अभी तक रुका हुआ है। उन्होंने बताया कि मंडल डैम के बचे हुए कार्यों को पूरा कराना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी, साथ ही साथ वहां की जनता को विस्थापित करके उनके पुनर्वास की व्यवस्था करना है। इसको लेकर के वहां के गांव वालों से लगातार बात चल रही है। विस्थापित लोगों के लिए विश्रामपुर क्षेत्र में स्थल का चुनाव किया गया है। वहां उन्हें सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। आने वाले एक दो सालों के अंदर इस डैम को हमलोग शुरू कराने का पूरा प्रयास करेंगे, ताकि जिस उद्देश्य इस डैम का निर्माण कराया गया था उसको पूरा किया जा सके। यह परियोजना सभी के लिए लाभप्रद साबित होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य प्रारंभ होने से पूर्व सभी तकनीकी एवं सामाजिक पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि परियोजना की शुरुआत व्यवस्थित और सुचारू रूप से की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि विस्थापित परिवारों के पुनर्वास, मुआवजा वितरण एवं आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता प्राथमिकता होगी। भ्रमण निरीक्षण के दौरान पलामू ब्याघ्र परियोजना के उप निदेशक प्रजेश कांत जेना, गढ़वा के अपर समाहर्ता राज महेश्वरम, रंका के अनुमंडल पदाधिकारी रुद्र प्रताप, प्रखंड विकास पदाधिकारी भंडारिया अमित कुमार, अंचल अधिकारी भंडारिया राकेश भूषण सिंह सहित अन्य संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

आरोपी के घर इश्तेहार चिपकाया गया

मेराल। थाना कांड संख्या 412/19 के प्राथमिकी अभियुक्त विशुनपुरा थाना क्षेत्र के विशुनपुरा गांव निवासी गुड्डू उर्फ फैजान अंसारी के घर पर मेराल थाना प्रभारी बिष्णु कांत द्वारा शनिवार को इश्तेहार चिपकाया गया। गुड्डू उर्फ फैजान बहुत दिनों से फरार चल रहा है। जिसे लेकर अभियुक्त के घर में पुलिस बल के साथ इश्तेहार चिपकाया गया। इस संबंध में थाना प्रभारी बिष्णु कांत ने बताया कि फैजान पर धोखाधड़ी एवं जालसाजी करने को लेकर मेराल थाना में केस दर्ज है। लेकिन फैजान लगातार फरार चल रहा है। माननीय न्यायालय के आदेश पर फरार वारंटी के घर इश्तहार चिपकाया गया।

पिकअप की चपेट में आने से बच्चा घायल

केतार। कांडी मुख्य पथ पर बांसडीह गांव के बीघा टोला पर अज्ञात पिकअप वैन के चपेट में आने से कृष्णकांत राम का पुत्र छोटू कुमार (6) गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह छोटू अपने घर के समीप सड़क किनारे खेल रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप वैन ने धक्का मारकर फरार हो गया। आनन-फानन में परिजनों ने छोटू को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवनाथपुर में भर्ती कराया। चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल गढ़वा रेफर कर दिया। परिजनों के अनुसार उक्त बच्चा को माथा और गर्दन में गंभीर चोट लगी है। घटना के बाद समाजसेवी पंकज सिंह ने घटनास्थल पर जाकर परिजनों से मुलाकात की।

पूर्व मंत्री चंद्रशेखर दुबे को गढ़वा में दी गई श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री स्व. चंद्रशेखर दुबे को शनिवार को गढ़वा पुलिस लाइन परिसर में राजकीय सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी गई। उनका पार्थिव शरीर जैसे ही गढ़वा पहुंचा, उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए बड़ी संख्या में आम नागरिक, जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन की ओर से उपायुक्त दिनेश कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक अमन कुमार समेत अन्य अधिकारियों ने पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें अंतिम विदाई दी। इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत मंत्री के सामाजिक और राजनीतिक योगदान को याद किया गया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गढ़वा से उनकी अंतिम यात्रा उनके पैतृक गांव गया के लिए रवाना हुई, जहाँ से पार्थिव शरीर को वाराणसी ले जाया गया, जहां अंतिम संस्कार संपन्न होना है। इस दौरान हजारों समर्थकों ने उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी। जिला प्रशासन द्वारा संपूर्ण प्रक्रिया को व्यवस्थित और सम्मानजनक रूप से संपन्न कराया गया।

पैतृक गांव चोका के ग्रामीणों ने दी श्रद्धांजलि

कांडी। प्रदेश के पूर्व मंत्री व पूर्व सांसद चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे का पार्थिव शरीर जैसे हीं उनके पैतृक आवास चोका पहुंचा अंतिम दर्शन के लिए लोगों की उमड़ पड़ी। जो जिस स्थिति में था उसी स्थिति में अंतिम दर्शन के लिए पहुंच गया। पूरा गांव व इलाका में शोक की स्थिति है। चारों तरफ अपने प्रिय नेता व बेटा का ही चर्चा लोगों के जुबान पर है। एक ही चर्चा है कि वाकई में वे नेक दिल इंसान के साथ साथ जमीन से जुड़े नेता थे। इनकी रिक्तता को भरना क्षेत्र के लिए मुश्किल होगा। पैतृक आवास पर पार्थिव शरीर पहुंचने के बाद सबसे पहले परिजनों द्वारा घर के अंदर रखा गया। जहां पर अपने आत्मीय ने अपने नेता का अंतिम दर्शन किए। उसके बाद लोगों के अंतिम दर्शन के लिए चाहरदीवारी में रखा गया जहां। पर हजारों लोगों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किए।

महिला का शव पेड़ से झूलता मिला

- दहेज प्रताड़ना में हत्या की आशंका

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव। थाना क्षेत्र के टरहे गांव स्थित सतूआही बांध के पास परास वन में शनिवार को एक 22 वर्षीय महिला का शव पेड़ से झूलता हुआ मिला। मृतका की पहचान पुरहे गांव के गवरवा टोला निवासी संतोष रजवार की पत्नी प्रभा देवी के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेज दिया। पुलिस के अनुसार, महिला की लाश साड़ी के फंदे से झूलती मिली थी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुनील तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को नीचे उतरवाकर थाना लाया गया। शव की पहचान होने के बाद मृतका के मायके वाले थाना पहुंचे।

मां ने आरोप लगाया कि प्रभा देवी की हत्या उसके ससुर चुंटूर रजवार ने की है। उन्होंने कहा कि ससुर शराब के नशे में गला दबाकर हत्या किए और फिर आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को पेड़ से लटका दिया। परिजनों ने बताया कि मई 2024 में प्रभा की शादी संतोष रजवार से हुई थी। शादी में दहेज में मोटरसाइकिल भी दी गई थी, इसके बावजूद ससुराल पक्ष लगातार दहेज को लेकर उसे प्रताड़ित करता रहा। मृतका की बड़ी बहन रीता देवी ने भी हत्या का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर आत्महत्या होती, तो मोबाइल ब्लाउज पर जस का तस नहीं रहता, वह गिर जाता। वहीं, ससुर चुंटूर रजवार ने बताया कि बेटा संतोष बाहर मजदूरी करता है और शुक्रवार रात प्रभा से उसकी मोबाइल पर बात भी हुई थी। समाचार लिखे जाने तक पुलिस जांच में जुटी थी और प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई थी।

ददई दुबे का निधन से शोक की लहर

भवनाथपुर। क्षेत्र के लोकप्रिय नेता, पूर्व मंत्री सह इंटक अध्यक्ष चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे के आकस्मिक निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके निधन के बाद शनिवार को उनका पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए बनारस ले जाया जा रहा था। इस दौरान टाउनशिप चौक और भवनाथपुर के कपूरी चौक पर बड़ी संख्या में उनके समर्थक, शुभचिंतक और क्षेत्रीय लोग एकत्र हुए और नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। चौक-चौराहों पर फूलों की वर्षा कर और पुष्पांजलि अर्पित कर लोगों ने अपने प्रिय नेता को अंतिम सलामी दी।

जमीन को लेकर सीओ को आवेदन

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। केतार प्रखंड क्षेत्र के बलिगढ़. पंचायत के गुरूडखाड़ टोला के ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी प्रशांत कुमार को आवेदन देकर ढाढरा नदी के भूमि को जबरन जोतने कि शिकायत की है। ग्रामीणों ने आवेदन में उल्लेख किया है कि ढाढरा नदी के खाली भूमि पर उक्त टोला के ग्रामीण छठ पूजा और होली पर्व पर होलिका दहन पिछले पचास वर्षों से करते आ रहे हैं। लेकिन 8 जुलाई को बलिगढ़ गांव के ही विकर्मा सिंह, राजा सिंह, रौशन सिंह, मणि सिंह, बबलू सिंह, आशिष सिंह के द्वारा ढाढरा नदी के जमीन को जोत दिया गया। ग्रामीणों ने उक्त नदी भूमि को जोतने और उस पर खेती करने से रोकने का गुहार लगाई है। आवेदन देने वालों में लल्लू साह, कमलेश कुमार, नंदू चेरों, मनोज साह, सुनील साह, सुरेश चेरो, उदय साह, गीता देवी, भरदूल साह, चंचला कुमारी सहित दर्जनों लोग शामिल हैं।

सड़क पर धान रोप कर ग्रामीणों ने जताया विरोध

जरही से कदैलिया गांव की सड़क कीचड़ में तबदील

नवीन मेल संवाददाता

डंडई। प्रखंड क्षेत्र के जरही से कदैलिया गांव को जोड़ने वाली मुख्य सड़क में जल जमाव के कारण सड़क कीचड़युक्त दलदल में तब्दील हो गई है। जिसको लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने कीचड़ युक्त दलदल में धान रोपकर विरोध जताया है। धान रोपे कर विरोध जाता रहे ग्रामीण श्रवण पासवान, जितेंद्र पासवान, लखन चौधरी, बंशीधर चौधरी, ओमप्रकाश पासवान, अवध पासवान, लालजी पासवान, विक्रमा राम, देवकुमार राम, नकुल राम, राजेन्द्र चौधरी कलावती देवी,मुनिया देवी अनीता देवी,रामगुनी पासवान, आशीष पासवान सहित अन्य ने कहा कि बारिश का मौसम आते ही यहां के सड़कें कीचड़ व दलदलयुक्त हो जाती है। जिससे लोगों को सड़कों पर चलना मुश्किल हो जाता है। जिससे स्थानीय ग्रामीणों को कीचड़ बड़ी रास्ते से आगमन करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि शनिवार को टेंपो जरही से कदैलिया के तरफ जा रही थी तभी टेंपो सड़क में भारी कीचड़ की दलदल में फस गई। लोगों ने मुश्किल से टेंपो को धक्का और खींच कर बाहर निकला। समस्या को लेकर ग्रामीणों में गुस्सा फूट गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने कीचड़ भरी सड़कों पर धान के पौधे रोपकर विरोध प्रदर्शन किया।लोगों का कहना है कि दशकों बीत गये लेकिन आज तक यहां कोई सड़क नहीं बनी है। चुनावों के दौरान नेता आते हैं और वादों की बाढ़ ला देते हैं लेकिन चुनाव पार होते ही फिर सभी कुछ भुला दिया जाता है। स्थिति इतनी दयनीय हो जाती है कि मरीजों को बिस्तर या कंधों पर ले जाना पड़ता है। लोगों का काम पर तथा बच्चों को स्कूल जाना मुश्किल हो जाता है। गांव में व्यापार और वाणिज्य ठप हो गया है। लगभग दो किमी सड़क गड्ढों और कीचड़ में बदल गई है। तो वहीं अन्य ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्रीय नेता भानु प्रताप शाही जब विधायक थे तो उस समय भी उनके संज्ञान में दिया गया था और वर्तमान विधायक अनंत प्रताप देव को भी संज्ञान में दिया गया है। लेकिन आज तक इन्हीं के द्वारा सड़क नहीं बनवाया गया जिसे लोग सड़क की समस्या से काफी परेशान हैं। जरही पंचायत के मुखिया महेंद्र चौधरी ने कहा कि सड़क में कीचड़ भरी दलदल हो गया है। ग्रामीणों की मांग जायज है। अपने निजी फंड से जल्द ही सड़क का दुरुस्त कराया जाएगा ताकि लोगों का आवागमन में परेशानी ना हो।

झारखण्ड सरकार

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (कृषि प्रभाग)

संयुक्त जिला कृषि कार्यालय, कीनामाड़, लातेहार, पिन कोड-829206

अत्यंत अल्पकालिन

इच्छा की अभिव्यक्ति (EOI) के तहत सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में राज्य योजनान्तर्गत "एग्री क्लीनिक की स्थापना" लातेहार जिला अन्तर्गत दो अनुमण्डल–लातेहार एवं महुआडॉड़ में ATIC Center में संचालन की स्वीकृति प्रदान की गई है। एग्री क्लीनिक का संचालन प्रखण्ड परिसर में स्थित एग्रीक्लचर टेक्नोलॉजी इन फॉरमेशन सेन्टर (ATIC)में किया जाएगा। किसानों को एग्री क्लीनिक से 12 (बारह) सेवाएँ यथा–मृदा स्वास्थ्य कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, बीज, खाद, कीटनाशी, सुक्ष्म सिंचाई, कृषि उपादानों के व्यापार हेतु अनुज्ञप्ति, कृषि उपकरण, खेती हेतु सलाह, झारखण्ड राज्य फसल राहत योजना, सिंचाई सुविधा, कृषि ज्ञान केन्द्र, पशुपालन/डेयरी/मत्स्य पालन संबंधित योजनाओं एवं कृषि उपादानों का दर संबंधी सूचनाओं के बारे में जानकारी दी जायेगी। एग्री क्लीनिक का कार्यअवधि प्रतिदिन 09:00 बजे पूर्वाहन से 05:00 बजे अपराहन तक की होगी। रविवार एवं NI Act.के तहत् घोषित छुट्टियों में एग्री क्लीनिक बंद रहेगा। एग्री क्लीनिक संचालन हेतु रू० 7,00,000.00 (सात लाख) प्रति एग्री क्लीनिक प्रति वर्ष के दर से देय होगा। एग्री क्लीनिक का संचालन महिला समुह/स्वंय सहायता समुह/कृषक समुह/सहकारी समितियाँ/गैर सरकारी संस्थाएँ (NGOs) द्वारा किया जायेगा।

कार्यकारी एजेन्सी/संस्था का चयन जिला स्तर पर उपायुक्त, लातेहार की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा की जायेगी।

इच्छुक संस्थाएँ अपना आवेदन जिला कृषि कार्यालय, लातेहार में दिनांक 23.07.2025 को अपराह्न 05:00 बजे तक जमा कर सकते है।

नियम एवं शर्ते :–

(क) एग्री क्लीनिक के अन्तर्गत किये जाने वाले कार्यो/कृषि कार्यो में कम से कम तीन वर्षो का अनुभव होना अनिवार्य है।

(ख) एग्री क्लीनिक के अन्तर्गत चयनित संस्थाओं द्वारा जो टीम उपलब्ध कराया जायेगा, उसमें कुल तीन सदस्य होंगे जिसमें एक कर्मी की न्यूनतम योग्यता B.Sc (Agri.) तथा दो अन्य कर्मियो की योग्यता स्नातक के साथ कम्प्यूटर दक्षता न्यूनतम (DCA) अनिवार्य है।

- एजेंसी/संस्थान का GST से संबंधित स्वअभिप्रमाणित प्रति।
- एजेंसी/संस्थान कार्यालय का पूर्ण विवरण से संबंधित शपथपत्र ।
- एजेसी/संस्थान का किसी सरकारी कार्यालय/संस्थान द्वारा काली सूची में नहीं होने संबंधित शपथपत्र।
- एजेंसी/संस्थान का कम से कम 500000/–(पॉच लाख) रू० का वार्षिक टर्न ओभर संबंधित दस्तावेज की प्रति।
- एजेंसी/संस्थानके द्वारा अनुण्डल कृषि पदाधिकारी (सामान्य) लातेहार के नाम से रू0 2500/– (दो हजार पॉच सौ) मात्र का डिमाण्ड ड्राफ्ट आवेदन शुल्क के रूप में जमा किया जाएगा।
- इच्छुक एजेंसी/संस्था/समूह इच्छा की अभिव्यक्ति से संबंधित दस्तावेज कार्यालय अवधि में जिला कृषि पदाधिकारी, लातेहार के कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं अथवा परियोजना निदेशक आत्मा, लातेहार के वेबसाईट www.atmalatehar.in से डाउनलोड भी कर सकते हैं। किसी प्रकार की अतिरिक्त जानकारी हेतु जिला कृषि पदाधिकारी, लातेहार (झारखण्ड) के ई–मेल latehardao@rediffmail.com पर सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला कृषि पदाधिकारी
लातेहार

PR 357148 Agriculture (25-26)_D

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (गव्य प्रभाग)

जिला गव्य विकास कार्यालय, पलामू

–: मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के चयनित लाभुकों के लिये आवश्यक सूचना:–

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजनान्तर्गत गव्य प्रक्षेत्र के वितीय वर्ष 2024–25 में चयनित महिला लाभुकों को सूचित किया जाता है कि दो दुधारू गाय की योजना की अनुदान राशि उनके Escrow Account में DBT के माध्यम से 30 मार्च 2025 को ही स्थानांतरित कर दिया गया है, परन्तु अब तक कुछेक लाभुकों द्वारा अपना लाभुक अंशदान जमा नहीं किये हैं। योजना के क्रियान्वयन के लिए योजनान्तर्गत लाभुक अंशदान की राशि अपने Escrow Account में 10 दिनों के अंदर जमा करना सुनिश्चित करेंगे। इस आशय की सूचना पूर्व में भी आपके मोबाईल नम्बर पर भी दी गई है एवं प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी के माध्यम से भी समय–समय पर सूचना दी गई है परन्तु कुछेक लाभुकों के द्वारा लाभुक अंशदान की राशि अपने Escrow Account में जमा नहीं की गई है, वे अपना लाभुक अंशदान की राशि जमा करते हुए दुधारू पशुमेला से दुधारू गाय पसंद करते हुए क्रय की जाय।

चयनित लाभुकों द्वारा जमा की गई लाभुक अंशदान की राशि की जमा पर्ची संबंधित प्रखण्ड के प्रखण्ड पशुपालन कार्यालय/जिला गव्य विकास कार्यालय, आजाद नगर, सुदना, पलामू में जमा करना सुनिश्चित करेंगे ताकि योजना का क्रियान्वयन शीघ्र हो सके।

दो दुधारू गाय की योजना में लाभुक अंशदान जमा नहीं किए हैं वैसे लाभुकों की सूची निम्नवत हैं–

क्र0 सं0	लाभुक का नाम	पिता/पति का नाम	गांव	पंचायत	प्रखण्ड	मोबाईल न0	आधार सं0
1	जहांरा बीबी	मातबर असांरी	मुरूमदाग	हुटुकदाग	छतरपुर	8340792585	731490233019
2	कुन्ती देवी	जनेश्वर यादव	कुहकुह	चराई–2	नौडीहा बाजार	9798601541	292330366285
3	पुनीया देवी	रामप्रसाद यादव	चराई	चराई–2	नौडीहा बाजार	6369743345	252291072879
4	कुसमी देवी	बाबुलाल राम	लकड़ाही	खैरादोहर	नौडीहा बाजार	8210501828	583882540926
5	अराधना देवी	सुरेन्द्र प्रसाद	सेवरा	गुरी	विश्रामपुर	9304971700	559878749409
6	संध्या देवी	रविन्द्र सिंह	डाला खुर्द	डाला कला	पाण्डू	9006450960	551175788887
7	मंजू देवी	संजय कुमार सिंह	बखारी	कौड़िया	सदर मेदिनीनगर	8709131143	933577053393
8	द्रोपती देवी	सुर्यदेव महतो	नरसिंहपुर पथरा	नरसिंहपुर पथरा	चैनपुर	8434520291	735035770818
9	मालती देवी	नरेन्द्र प्रसाद	नरसिंहपुर पथरा	नरसिंहपुर पथरा	चैनपुर	7780030651	722929931868
10	कुमारी सुनिता चौरसिया	अरूण कुमार चौरसिया	किन्नी	बांसडीह	चैनपुर	8804612278	406169431665
11	ममता देवी	लालविहारी राम	तेनला	कोशियारा	चैनपुर	7903446592	222684739771
12	अनीता देवी	रामचन्द्र राम	तेनला	कोशियारा	चैनपुर	6201339242	240452737816
13	बिन्दा देवी	यमुना मोची	तेनला	कोशियारा	चैनपुर	9471112670	421901548282
14	तसकीना खातुन	शौकत अली	बांसडीह खुर्द	बांसडीह खुर्द	रामगढ़	6206313672	973611882159
15	कुलवन्ती देवी	अशोक यादव	चोरहट	चोरहट	रामगढ़	9306592397	285953287276
16	अनिता देवी	राम नरेश साहु	तुम्बागाड़ा	रबदा	सतबरवा	6203606225	797318730998
17	नसीमा परवीन	हजरत अंसारी	डंडार कला	डंडार कला	पांकी		754220141334
18	रीना देवी	अखिलेश साव	टोंगरा	कोशी	हुसैनाबाद	7292971961	687699114541
19	पूनम देवी	स्व0 प्रदीप कुमार	लोहरपुरा	इमाम बरेवा	हैदरनगर	7371079478	540892243239
20	रीना देवी	उमा शंकर मेहता	लोहरपुरा	इमाम बरेवा	हैदरनगर	9939562993	847735800353
21	प्रमिला देवी	लालकिशोर ठाकुर	लोहरपुरा	इमाम बरेवा	हैदरनगर	9060875044	393748123510
22	मुन्नी देवी	कृष्णा राम	बरेवा	इमाम बरेवा	हैदरनगर	6202491992	359644188263
23	शिवकुमारी देवी	बालेश्वर प्रजापति	पिपरा	पिपरा	पिपरा	6202966932	703292558786

जिला गव्य विकास पदाधिकारी
पलामू

PR 357143 (Animal Husbandry)25-26*D

लातेहार नगर पंचायत की बड़ी कार्रवाई, अवैध आरओ प्लांट सील

- स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए की गई पहल से अन्य संचालकों में मची हलचल

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। नगर पंचायत लातेहार द्वारा शनिवार को अवैध रूप से चल रहे आरओ प्लांट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। नगर प्रशासक राजीव रंजन के निर्देश पर दंडाधिकारी और पुलिस बल की उपस्थिति में करकट मुहल्ला निवासी मो. सुल्तान खान के घर संचालित आरओ संयंत्र को सील कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, उक्त संयंत्र बिना नगर पंचायत से निबंधन कराए निजी आवासीय परिसर में संचालित किया जा रहा था, जो कि पेयजल आपूर्ति नियमों और नगर निकाय के मानकों का स्पष्ट उल्लंघन है। कार्रवाई के दौरान नगर प्रबंधक राजकुमार वर्मा, विधि सहायक मुकेश प्रसाद, सेनेटरी सुपरवाइजर अशफाक अंसारी और स्थानीय पुलिस बल मौके पर मौजूद थे। नगर पंचायत अधिकारियों ने बताया कि आगे भी इस तरह के अवैध संयंत्रों की जांच की जाएगी और बिना लाइसेंस के चल रहे सभी प्लांटों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने यह भी कहा कि ऐसे आरओ प्लांट जो बिना टीडीएस जांच और जल गुणवत्ता की पुष्टि के जल आपूर्ति कर रहे हैं, वे आमजन के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकते हैं। नगर प्रशासन की इस कार्रवाई से शहर में संचालित अन्य आरओ प्लांट संचालकों में हड़कंप मच गया है।

चुनाव ड्यूटी को लेकर बीएलओ व सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण सम्पन्न

- बीडीओ मनोज तिवारी ने कहा- कार्य में दिखे निष्ठा व पूर्ण तत्परता

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। सदर प्रखंड में शनिवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत मतदान केंद्र संख्या 214 से 261 तक के सभी बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और पर्यवेक्षकों को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह बैठक आयोजित की गई। यह आयोजन सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) मनोज कुमार तिवारी की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में बीडीओ तिवारी ने बीएलओ को विशेष गहन पुनरीक्षण के उद्देश्य, प्रक्रिया और उनकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्रोटोकॉल, विशेष पोशाक अनुशासन, टेलीफोन शिष्टाचार और कार्य निष्पादन की पारदर्शिता पर बल देते हुए कहा कि चुनाव से जुड़े कार्यों में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रोजेक्टर के माध्यम से एक-एक बिंदु पर चर्चा की गई और उपस्थित बीएलओ की शंकाओं का समाधान किया गया। इस मौके पर निर्वाचन कर्मी अतुल कुमार, पवन कुमार यादव, ऑपरेटर चंदन कुमार, बीएलओ सरिता देवी, सुशीला देवी, निशा राज, पूनम देवी, फुद्दू देवी, भारती देवी, ललिता देवी, गीता देवी, विमला देवी, उर्मिला देवी, गायत्री देवी, ब्रिजिट बारला, सितारा देवी, सिंधुबाला देवी, आरती देवी, मिनी देवी, उषा कुमारी समेत अनेक कर्मी उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

वज्रपात से युवक की मौत

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के मोंगर पंचायत के घुटुवा गांव में शुक्रवार को वज्रपात की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान राजेश गंझू के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार राजेश गंझू छह माह के बाद अपने गांव लौट रहा था। शुक्रवार को सुबह वह जैसे ही लातेहार क्षेत्र में दाखिल हुआ तभी जिले में तेज बारिश और वज्रपात शुरू हो गई। दोपहर करीब 3:30 बजे सेमरी फील्ड के समीप एक पेड़ के नीचे वह बारिश से बचने के लिए रुका, इसी दौरान जोरदार वज्रपात हुई और वह उसकी चपेट में आ गया और उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण और परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। प्रशासन को भी मामले की जानकारी दे दी गई है।

तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन

बारियातू। प्रखंड अंतर्गत शिबला पंचायत के पुरना सिबला मे शनिवार को सरना क्लब द्वारा आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन वरिष्ठ पत्रकार संजय राम, वार्ड सदस्य दिले उरांव, महेंद्र उरांव, अनिल ठाकुर, कपिल उरांव, सुनील कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व बॉल को किक मारकर किया। सर्वप्रथम पंकरी बनाम डुमरी के टीमों द्वारा उद्घाटन मैच खेला गया। जिसमे डुमरी की टीम एक गोल से बिजयी हुए। फुटबाल टूर्नामेंट के अध्यक्ष बालेसर उरांव, सचिव सुलेन्द्र उरांव, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र उरांव ने बताया कि प्रथम विजेता टीम को 25 किलो मुर्गा व ट्रॉफी, द्वितीय को 20 किलो मुर्गा, तृतीय को 15 किलो व चतुर्थ को 10 किलो मुर्गा पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जायेगा। मैच 15-15 मिनट का कराया जायेगा जिसका इंट्री फी 600 निर्धारित की गई है। टूर्नामेंट आयोजन मे रमेश गंझू, महेश उरांव, संतोष सुधीर व राजकुमार ने मुख्य भूमिका निभा रहे थे।

अधूरी योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करें : बीडीओ

बालूमाथ। प्रखंड सह अंचल कार्यालय में शनिवार को मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास और अबुआ आवास योजना की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ सोमा उरांव ने की। आवास विभाग से कार्य प्रगति का पूरी जानकारी लेते हुए बीडीओ ने अधूरी योजनाओं को प्राथमिकता देकर शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए और कहा कि योजनाएं केवल कागजों पर नहीं, बल्कि धरातल पर दिखनी चाहिए। बैठक में रोजगार, भुगतान पारदर्शिता और आवास योजनाओं की स्थिति की गहन समीक्षा की गई। लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई की बीडीओ ने चेतावनी दी है। बैठक में मुजफ्फर कमाल, मो. राशिद, दिनेश कुमार, राजेश कुमार, सुषमा कुमारी समेत कई प्रखंड कर्मी उपस्थित रहे।

सूर्य मंदिर निर्माण को लेकर हुआ भूमि पूजन

चंदवा। शहर के नजदीक देवनद दामोदर तट छठ घाट पर शनिवार को सूर्य मंदिर निर्माण को लेकर भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पंडित बाल कृष्ण मिश्र के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बतौर यजमान चंद्रभूषण केसरी, मनु गुप्ता व अनिकेत भास्कर ने विधिवत पूजन किया। पूजन के उपरांत मंदिर निर्माण को लेकर आधारशिला रखी गई। इसके पश्चात भंडारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें पूरे प्रखंड से सैकड़ों की संख्या में लोगों ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। बता दें कि देवनद तट छठ घाट पर सूर्य मंदिर निर्माण का संकल्प शिला स्थापित कर किया गया था। भूमिपूजन के मौके पर भजन कीर्तन का भी आयोजन किया गया था। मौके पर प्रखंड उप प्रमुख अश्विनी मिश्रा, अजय वैद्य, सौरभ श्रीवास्तव, रवि कुमार डे, इंद्रजीत भारती, शशिकांत मिश्रा, संजय दुबे, सुनील मिस्त्री, मनीष चांदो, दीपक निषाद, अंकित कुमार, रंजन सिंह, अरविंद कुमार, मुकेश सिंह, धर्मेंद्र भारती, सुमित कुमार, कमलेश कुमार समेत बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी मौजूद थे।

सड़क हादसे में युवक गंभीर, रिम्स रेफर

चन्दवा। थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-99 रांची चतरा मुख्य मार्ग स्थित दामोदर स्कूल के समीप शुक्रवार की संध्या चकला ग्राम निवासी छोटू भुइयां गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के संबंध मे बताया जाता है कि दामोदर स्कूल के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में छोटू भुइयां के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने उसका प्राथमिक उपचार गांव मे ही कराई जिसके बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रिम्स रेफर कर दिया गया।

वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

हेरहंज। थाना पुलिस ने शनिवार को थाना क्षेत्र के लावागड़ा ग्राम अंतर्गत खपरा टोली में छापामारी कर एक वारंटी को गिरफ्तार कर लातेहार जेल भेज दिया है। गिरफ्तार वारंटी खपरा टोली निवासी गंदौरी उरांव का पुत्र रंजीत उरांव है। जिसके विरुद्ध लातेहार न्यायिक दंडाधिकारी द्वारा गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। इसकी जानकारी देते हुए हेरहंज थाना प्रभारी कृष्ण पाल सिंह पवेया ने बताया कि गिरफ्तार वारंटी रंजीत उरांव काफी दिनों से फरार चल रहा था, पुलिस को काफी दिनों से तलाश थी।

गुरू पूर्णिमा के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

चंदवा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा गायत्री शक्तिपीठ परिसर में गुरू पूर्णिमा उत्सव सह गुरू दक्षिणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम भगवा ध्वजारोहण व गुरु दक्षिणा अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत कि गई। कार्यक्रम में बौद्धिक देते हुए प्रांत के अधिकारी संजीत जी ने कहा कि भारतीय इतिहास गुरू-शिष्य संबंधों की अनगिनत गाथाओं से भरा पड़ा है। इन सजीव गुरूओं के साथ एक गुरू ऐसा भी है जो शाश्वत सत्य, बलिदान और सदा विजयी भाव के प्रतीक के रूप में आज भी मातृभूमि प्रेमियों के हृदय में विराजमान है। वो गुरु कोई देहधारी व्यक्ति नहीं बल्कि परम पवित्र भगवा ध्वज है। जिसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने गुरु के स्थान पर आरूढ़ किया है। संघ में यह कार्यक्रम प्रारंभिक काल से करने की परंपरा रही है। खंड चंदवा के राजेश चंद्र पाण्डेय ने कहा कि संघ में गुरू दक्षिणा उत्सव का खास महत्व है। क्योंकि यही वह उत्सव होता है जिसमें सही मायने में जीवन की दिशा तय करने वाले गुरू के प्रति आभार प्रकट किया जाता है। मन में सच्ची लगन एवं श्रद्धा हो तो गुरू को कहीं भी पाया जा सकता है। एकलव्य ने मिट्टी की प्रतिमा में ही गुरू को ढूंढा और महान धनुर्धर बना। हेडगेवार जी का भी मानना था कि हम किसी व्यक्ति के विषय में यह विश्वास के साथ नहीं कह सकते कि वह सदैव अपने मार्ग पर अटल रहेगा। इसीलिए उन्होंने व्यक्ति पूजा के स्थान पर भगवा ध्वज को गुरु के स्थान पर विराजित किया। तब से लेकर आज तक भगवा ध्वज को गुरु मानकर स्वयंसेवक गुरू दक्षिणा अर्पित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन रमेश प्रसाद ने किया। इस मौके पर जिला प्रचारक सतीश जी, राजेश जी, महेंद्र अग्रवाल, सुबोध प्रसाद, राजेश मित्तल, ईश्वर चन्द्र अग्रवाल, नरेश प्रसाद, कृष्ण कुमार पांडेय, श्यामकरण साहू, दिनेश प्रसाद साहू, धनेश प्रसाद, अरुण जी, गोपाल जायसवाल, मोहनीश कुमार समेत कई स्वयंसेवक मौजूद थे।

घर का छप्पर गिरने से युवक का हाथ हुआ बेकार, 75 वर्ष की वृद्धा विधवा मां कर रही परिवार का पालन पोषण

महुआडांड़। प्रखंड अंतर्गत ओरसा पंचायत के ग्राम चिकनीकोना निवासी 75 वर्षीय वृद्धा विधवा मां फगनी देवी अपने 20 वर्षीय हाथों से अपंग हो चुके बेटा, बहु एवं दो पोते के साथ जर्जर हो चुके बिना खिड़की दरवाजे के एक कमरे के झोपड़ी में रहने को मजबूर है। वृद्ध मां फगनी देवी बताती है कि पिछले साल विश्वकर्मा पूजा से पहले बारिश के दौरान उनका घर गिर गया था। जिसके नीचे दबकर उनके 20 वर्षीय बेटे परमेश्वर यादव का हाथ भी बेकार हो गया। जिसके बाद इसका मजदूरी का कार्य भी छूट गया और घर की पूरी जिम्मेदारी वृद्ध मां एवं बहू के कंधे पर आ गया। गुजारे का कोई साधन नहीं है। जंगलों से सूखी लकड़ी लाकर बाजार में बेचती है। उससे जो पैसा मिलता है, उसमें पूरे परिवार का पालन पोषण होता है। घर बनाने के लिए पैसा नहीं है। कई बार आवास के लिए आवेदन दे चुकी है। आवास दिलाने के लिए जियो टैगिंग के नाम पर दो बार फोटो खींचकर भी ले जाया गया। आवास दिलाने के नाम पर 500 रुपए भी लिए गए लेकिन आवास नहीं मिला। बरसात में घर कभी भी गिर जाने का भय बना रहता है। जिसके कारण केवल भोजन बनाने और खाने तक की घर पर रहती है। बाकी समय पेड़ों के नीचे रहती है। रात में सोने के लिए किसी दूसरे के घर के बरामदे में पूरा परिवार सो जाता है।

गुरु दक्षिणा कार्यक्रम का आयोजन

महुआडांड़। प्रखंड अंतर्गत ग्राम चुटिया, लुरगुमी, बरदौनी में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर शनिवार को पूर्व निर्धारित समय एवं कार्यक्रम के अनुरूप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गुरु दक्षिणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। खंड कार्यवाह देवानंद प्रसाद ने गुरु पूर्णिमा के इतिहास के संदर्भ में विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि मनुष्य जीवन में गुरु का बड़ा महत्व है। गुरु हमें हमेशा सर्वोत्तम मार्ग दिखाने को प्रयत्नशील रहते हैं। गुरु के बताये मार्ग पर चलकर मनुष्य अपने जीवन के उद्देश्य को सफल बना सकता है। इसलिए जीवन में गुरु का हर समय सम्मान करना चाहिए। खंड कार्यवाह देवानंद प्रसाद ने आगे के कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 13 जुलाई दिन रविवार को महुआडांड़ खंड के ग्राम चंपा में 6 बजे संध्या एवं महुआडांड़ दुगार्बाड़ी परिसर में 3 बजे से गुरु दक्षिणा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

बच्चों को वाटर बॉटल देने के बहाने गांव में घुसी एनएलसी कंपनी की टीम

- ग्रामीणों ने कंपनी के गतिविधी पर जताया विरोध
- धांधू नॉर्थ परियोजना के बिचौलियों को दंडित करने की ग्रामीणों ने दिया चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ (लातेहार)। प्रखंड अंतर्गत धांधू पंचायत के हेमपुर गांव में शनिवार को उस समय तनाव का माहौल बन गया, जब एनएलसी इंडिया लिमिटेड कंपनी की धांधू नॉर्थ कोल परियोजना से जुड़ी एक टीम गांव में बिना किसी पूर्व सूचना और ग्रामसभा की स्वीकृति के पहुंच गई। टीम ने हेमपुर प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के बीच पानी की बोतलों का वितरण किया। जिसे लेकर ग्रामीणों में विरोध जाहिर की।

ग्रामीण बोले यह धोखा है : ग्रामीणों का कहना है कि एनएलसी कंपनी स्कूल में सामग्री वितरण के जरिए गांव में अपनी परियोजना को लेकर सकारात्मक माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। जबकि गांववासियों ने पहले ही कंपनी की किसी भी गतिविधि का विरोध किया है। उन्होंने इसे धोखे की साजिश करार देते हुए चेतावनी दी कि यदि भविष्य में ऐसी घटना दोहराई गई तो कंपनी के बिचौलियों को जन अदालत लगाकर दंडित किया जाएगा।

बिना ग्रामसभा की अनुमति कुछ भी स्वीकार्य नहीं : ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि किसी भी परियोजना संबंधी कार्य के लिए ग्रामसभा की स्वीकृति अनिवार्य है। एनएलसी को अगर गांव में कोई कार्य करना है, तो पहले ग्रामीणों की बैठक बुलाकर उनकी सहमति लेनी होगी। स्थानीय ग्राम प्रधान ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मुझे इस कार्यक्रम की कोई जानकारी नहीं दी गई थी। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने फोन कर बुलाया, तब मुझे पता चला कि बच्चों के बीच पानी की बोतलें बांटी जा रही हैं। मैं ग्रामीणों द्वारा लिया गया निर्णय के साथ हूं। धांधू पंचायत की मुखिया कुंआरी भगवती ने भी इस मामला पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, मुझे भी इस कार्यक्रम की कोई जानकारी नहीं थी। कुछ ग्रामीणों ने फोन कर इस मामले से अवगत कराया है। ग्रामीणों का निर्णय सर्वोपरि है और मैं उनके साथ हूं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से गुहार लगाते हुए कहा कि इस तरह की कंपनी द्वारा की गई गतिविधियों पर तुरंत रोक लगाने और भविष्य में ग्रामसभा की अनुमति के बिना कोई कार्य न होने देने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि अनदेखी हुई, तो वे आंदोलन के रास्ते अपनाएंगे।

अंग्रेजी सप्ताह समापन समारोह

अंग्रेजी भाषा में आत्मविश्वास बढ़ाना उद्देश्य : उत्तम कुमार

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिला मुख्यालय के धर्मपुर रोड स्थित सरस्वती विद्या मंदिर लातेहार में शनिवार को अंग्रेजी सप्ताह दो चरणों में संपन्न हुआ। 6 जुलाई से चल रहे अंग्रेजी सप्ताह का आज अंतिम दिन विद्यालय के विशाल सभागार कृष्ण चंद्र गांधी ऑडिटोरियम में दो चरणों में पूरा किया गया। प्रथम चरण में कक्षा सह विभिन्न विषयों पर भैया बहनों के द्वारा तैयारी पूरी की गई एवं कक्षा सह प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले भैया बहनों की अंग्रेजी प्रतियोगिताएं दूसरे चरण में विद्यालय स्तर पर कराया गया। दशम कक्षा से दो मित्रों की बातचीत व लाइब्रेरी जैसे विषयों पर प्रशांत गुप्ता बंसीलाल कुजूर ज्योतिका कुमारी एवं स्वाति कुमारी ने अपना प्रथम स्थान बनाया। वही नवम कक्षा में अंग्रेजी वाक्य की शुद्धि अशुद्धि में लक्ष्मी और पीहू कुमारी, अष्टम कक्षा में कैफे विषय पर दिव्यांशी और काजल कुमारी, 6 कक्षा से अंग्रेजी वाक्य लेखन में राजलक्ष्मी और ज्योतिका प्रथम स्थान हासिल किया। इसी प्रकार पंचम कक्षा से प्रथम कक्षा तक अंग्रेजी विषय की विभिन्न प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सभी भैया बहनों को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार भेंट किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी ने भैया बहनों को संबोधित करते हुए बताया कि अंग्रेजी सप्ताह मनाने का उद्देश्य है कि भैया बहनों को अंग्रेजी भाषा में आत्मविश्वास बढ़ाने, संचार कौशल में सुधार करने और विभिन्न सांस्कृतिक पहलुओं को सिखाने में मदद करना है। इस तरह के कार्यक्रम अंग्रेजी भाषा का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है और उन्हें अंग्रेजी बोलने वालों के साथ संवाद करने के लिए तैयार करता हैं। इस कार्यक्रम में मंच संचालन अंग्रेजी प्रमुख सलमान होजाई एवं सह प्रमुख धर्म प्रकाश प्रसाद ने किया। इसके साथ ही वंदना सह अग्निहोत्र कार्यक्रम में प्रभात कक्षा के भैया अंश शर्मा की माताजी स्नेहा देवी उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यालय में हो रहे इस तरह के कार्यक्रम की बहुत सराहना की तथा उन्होंने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमो से बच्चों में संस्कार की भावना आती है और बच्चे अपनी संस्कृति के बारे में भी जानते हैं। अग्निहोत्र कार्यक्रम से वातावरण शुद्ध होता है और भैया बहनों में सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है साथ ही अग्निहोत्र से शारीरिक और मानसिक बल प्रदान होता है। वही विद्यालय के प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी अग्निहोत्र कार्यक्रम से मन की शांति, वातावरण का शुद्धिकरण, और स्वास्थ्य लाभ बताएं। इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी आचार्य दीदी उपस्थित रहे।

मगध सीसीएल एरिया में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ (लातेहार)। पुलिस अनुमंडल क्षेत्र के मगध संघमित्रा क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय आरा ग्राम में शनिवार को महाप्रबंधक नृपेन्द्रनाथ के निदेर्शानुसार स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जहां मुख्यतः उच्च रक्तचाप, एनीमिया रोगी, त्वचा रोग आदि रोगों का सीसीएल के विशेष डॉक्टर द्वारा कुल 122 ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांच कर उचित परामर्श दिया गया और संबंधित रोग के निवारण के लिए मुफ्त दवा भी वितरण की गई। वहीं महिला एवं किशोरी बालिकाओं के बीच स्वास्थ्य लाभ एवं स्वास्थ्य सुरक्षा एवं स्वास्थ्य जागरूकता की दृष्टिकोण से किशोरी बालिकाओं में मुफ्त सेनिटरी नैपकिन वितरण और 50 जरूरतमंद महिलाओं को पोषण आहार की टोकरिया वितरण की गई। मगध संघमित्रा क्षेत्र के महाप्रबंधक नृपेन्द्र नाथ ने कहा कि मगध विस्थापित क्षेत्र के ग्रामीणों का स्वास्थ्य लाभ एवं विस्थापित एरिया के पूर्ण विकास के लिए सीसीएल गंभीर है। आने वाले दिनों में मगध विस्थापित एरिया में स्कूल एवं सड़क बिजली पानी बाजार खेल मैदान आदि बनाई जाएगी जिसका प्रोजेक्ट पूरी तरह तैयार कर सीसीएल सीएमडी कार्यालय भेज दिया गया है। कुछ विस्थापित एरिया में विकास का कार्य भी प्रगति पर है। इस दौरान शिविर में कई डॉक्टर एवं स्वास्थ्य कर्मी के अलावे सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

झारखण्ड स्टेट फौरेस्ट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लि0

Jharkhand State Forest Development Corporation Ltd.

(A Govt. of Jharkhand undertaking)E-mail ID dm.daltan_jsfdc@yahoo.co.in

कार्यालयः प्रमण्डलीय प्रबंधक,लघु वन पदार्थ परियोजना प्रमण्डल डालटनगंज,पलामू।

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वन निगम मुख्यालय राँची के निदेशानुसार लघु वन पदार्थ परियोजना प्रमण्डल, डालटनगंज अन्तर्गत डालटनगंज स्थित चैनपुर वनागार, चैनपुर में भण्डारित विभिन्न प्रजाति के प्रकाष्ठ एवं जलावन की बिक्री आम नीलामी द्वारा की जायेगी। नीलामी में रखे गये प्रकाष्ठ प्रचयों की सूची प्रमण्डलीय कार्यालय, डालटनगंज से प्राप्त कर अवलोकन किया जा सकता हैं। वनागार में आम नीलामी की तिथि निम्नवत् हैः–

वनागार का नाम	समय	जुलाई– 2025
1	2	3
चैनपुर वनागार चैनपुर	प्रारम्भ 11:00 बजे पूर्वाह्न से 1:00बजे अपराह्न तक।	23-07-2025

नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति/व्यक्तियों/कम्पनियों को गेट मनी के रूप में 5000.00 रू0 (पॉच हजार) रूपया नगद नीलामी में भाग लेने के पूर्व गेट पर जमा करना होगा । नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति/व्यक्तियों/कम्पनियों को पैन कार्ड,जी0एस0टी0 एवं आधार कार्ड की छाया प्रति जमा करना होगा।

ह0/
प्रमण्डलीय प्रबन्धक
लघु वन पदार्थ परियोजना प्रमण्डल,
डालटनगंज।

PR 357127 Forest, Environment and Climate Changes(25-26)D

कार्यालय : वन प्रमण्डल पदाधिकारी-सह-समाहर्त्ता, लातेहार वन प्रमण्डल

-: आवश्यक सूचना :-

बिहार पब्लिक लैण्ड इन्क्रौचमेन्ट एक्ट, 1956 (Bihar Act XV 1956) की धारा-2(3) के अंतर्गत बी0पी0एल0ई0 मुकदमा वादों की सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि लातेहार वन प्रमण्डल, लातेहार अन्तर्गत बी0पी0एल0ई0 मुकदमा से संबंधित सुनवाई हेतु तिथि 06.08.2025 को निर्धारित की जाती है :–

क्र0 स0	शिकायत वाद संख्या	बी0पी0एल0 ई0 मुकदमा सं0	अभियुक्त का नाम एवं पता	अतिक्रमित रकबा (एकड़ में)	पी0एफ0 का नाम	प्लॉट सं0
01	242/2020	01/2025	झाबर सिंह, पिता–चमन सिंह, ग्राम–चुरिया, पो0–लेधपा	1.00	बेन्दी	52
02	183/2020	02/2025	कबुतरी देवी, पति–तेतरा भुईया, महेन्द्र यादव, पिता–रामजीत यादव, राजु उरांव, पिता–सुकन राम, सभी ग्राम–हेरहंज	0.20	हेरहंज	565
03	195/2023	03/2025	प्रसाद भुईयां, पिता–माधे भुईयां, प्रेम भुईयां, पिता–भुनेश्वर भुईयां, राजेश भुईयां, पिता–सुधीर भुईयां, जगेसर भुईयां, पिता–बिकु भुईयां, राजबली यादव, पिता–चुटर यादव सभी ग्राम हेरहंज	5.00	हेरहंज	548, 549
04	422/2023	04/2025	रमन गंझू, पिता–हरखू गंझू, धनेश्वर पासवान, पिता–सुखदेव पासवान दोनो ग्राम बरवाडीह	0.40	बरवाडीह	11
05	227/2023	05/2025	राजू सिंह, पिता–नन्हकू सिंह, सुखारी सिंह, पिता–नन्हकू सिंह, दोनो ग्राम–हेसातु	0.80	हेसातु	48
06	168/2020	06/2025	श्यामलाल उरांव, पिता–बालमोहन उरांव, ग्राम–बेन्दी	0.50	बेन्दी	47
07	162/2020	09/2025	बालेश्वर उरांव, पिता–स्व0 दुखी उरांव, ग्राम–सीरम, बालूमाथ, लातेहार	0.02	सीरम	526
08	16/2020	07/2025	दशरथ गंझू, पिता–महेश्वर गंझू, नन्दकिशोर गंझू, पिता–जगेश्वर गंझू, दोनों ग्राम–डडेया, चंदवा, लातेहार	0.05	डडेया	142
09	94/2020	08/2025	मधुसुदन दुबे, पिता–स्व0 अर्जून दुबे, ग्राम–पथरही, थाना–लेस्लीगंज, जिला–पलामू, नन्दलाल सिंह, पिता–सुर्यदेव सिंह, ग्राम–तुलबुल, लातेहार	0.05	डुडंगी कला	239
10	53/2023	10/2025	अवधेश यादव, पिता–बैजू यादव, पिन्टू यादव, पिता–बैजू यादव, दोनों ग्राम–सीरम, टोला–पण्डरिया, थाना–बालूमाथ लातेहार	0.03	सीरम	03
11	380/2023	11/2025	घनश्याम राम, पिता–मुन्नी लाल मोची, ग्राम–डुडंगी कला, लातेहार	0.03	डुडंगी कला	341
12	229/2020	12/2025	ब्रजेश सारंगी, पिता–बमदेव सारंगी, सुरेश सारंगी, पिता–बमदेव सारंगी, जिबेश सारंगी, बमदेव सारंगी सभी ग्राम–बरवाटोली, थाना–चंदवा, लातेहार	2.25	बरवाटोली	34
13	199/2020	13/2025	विष्णु महतो, पिता–अगुवा महतो, ग्राम–बरवाटोली, थाना–चंदवा, लातेहार	1.10	बरवाटोली	16
14	207/2020	14/2025	मोहन महतो, पिता–महबल महतो, ग्राम–बरवाटोली, थाना–चंदवा, लातेहार	0.90	बरवाटोली	16

समाचार पत्र के माध्यम से उपर्युक्त अभियुक्तों को सूचित किया जाता है कि निर्धारित सुनवाई की तिथि 06.08.2025 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में समाहर्त्ता–सह–वन प्रमण्डल पदाधिकारी लातेहार वन प्रमण्डल के न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करेंगे, अन्यथा यह समझा जायेगा कि आपको इस विषय में कुछ नहीं कहना है तथा एकपक्षीय उचित आदेश पारित कर दी जायेगी।

समाहर्त्ता –सह– वन प्रमण्डल पदाधिकारी,
लातेहार वन प्रमण्डल

PR 357132 Forest, Environment and Climate Changes (25-26)_D

आस्था

इटखोरी स्थित मां भद्रकाली मंदिर का अनूठा चमत्कार

सहस्त्र शिवलिंग: एक लोटा जल से 1008 शिवलिंग का जलाभिषेक

महेश कुमार प्रजापति

श्रावण मास में लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं

श्रावण मास में यहां लाखों श्रद्धालु और कांवरिया पहुंचते हैं। बोल बम के जयघोष के साथ वे उत्तरवाहिनी मुहाने नदी से पवित्र जल लेकर यहां पहुंचते हैं और सहस्त्र शिवलिंग पर जलाभिषेक कर अपने को धन्य मानते हैं। यह धार्मिक यात्रा पूरे वातावरण को भक्ति और आस्था से ओतप्रोत कर देती है। मां भद्रकाली मंदिर शाक्त और शैव परंपराओं का अद्भुत संगम है और ऐतिहासिक व पुरातात्विक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

इटखोरी (चतरा)। चतरा जिले के इटखोरी स्थित मां भद्रकाली मंदिर परिसर में बना सहस्त्र शिवलिंग श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बन चुका है। इस अनोखी संरचना में एक बार जल चढ़ाने पर 1008 शिवलिंगों का एक साथ जलाभिषेक होता है, जो इसे देशभर में विशेष और चमत्कारी बनाता है। विशेष रूप से निर्मित इस शिवलिंग समूह की रचना ऐसी है कि जब कोई भक्त मुख्य शिवलिंग पर जल अर्पित करता है, 1008 शिवलिंगों तक स्वतः ही प्रवाहित हो जाता है। यह दृश्य न केवल भावनात्मक रूप से मन को छूता है, बल्कि वहां की आध्यात्मिक ऊर्जा को भी जीवंत कर देता है। मंदिर के पुजारी दीपक गिरी और राजा गिरी के अनुसार, सहस्त्र शिवलिंग पर जल चढ़ाने से सहस्त्रगुणा पुण्य की प्राप्ति होती है और श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं शीघ्र पूर्ण होती हैं। श्रावण मेले के दौरान स्थानीय प्रशासन और मंदिर समिति द्वारा व्यापक प्रबंध किए जाते हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। यह धार्मिक स्थल आज न केवल चतरा, बल्कि पूरे झारखंड और भारतवर्ष में श्रद्धा, अध्यात्म और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बन चुका है।

त्रैमासिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राएं हुए सम्मानित

लोहरदगा। मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में त्रैमासिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राएं को सम्मानित किया गया। 12वीं विज्ञान वर्ग में कुमारी अंतरा ने प्रथम, हेमा उरांव ने द्वितीय और प्रीति कुमारी साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 12वीं कला वर्ग में रूपरानी कुमारी ने प्रथम, अनुराधा कुमारी व आकांशा लकड़ा ने द्वितीय और पूनम उरांव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी मेधावी छात्र-छात्राएं को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य बिपिन कुमार दास ने छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और उन्हें अपनी मंजिल को हासिल करने के लिए सार्थक प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रीति कुमारी गुप्ता, नीतू कुमारी, रेणु कुमारी, रश्मि साहू, यशोदा कुमारी, कविता कुमारी, सनोज कुमार साहू, रितेश कुमार पाठक,आरती भगत सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

राष्ट्र सेविका समिति द्वारा गुरु दक्षिणा कार्यक्रम मनाया गया

लोहरदगा। मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती प्लस-टू विद्या मंदिर लोहरदगा में राष्ट्र सेविका समिति द्वारा गुरु दक्षिणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य बालिकाओं को समर्पण की भावना के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम प्रांतीय बौद्धिक प्रमुख जामवंती मिश्रा ने राष्ट्र सेविका समिति की संस्थापिका लक्ष्मीबाई केलकर के साहस के विषय में सभी बालिकाओं को बताया। उन्होंने कहा कि वह नारी जागरण की अग्रदूत थी। देश भक्ति की प्रेरणा स्रोत थी।

लोहरदगा उपायुक्त ने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में दिए कई निर्देश, कहा-

गर्भवती महिलाओं की देखरेख के लिए समिति गठित करें

- बच्चों को मध्याह्न भोजन के बाद आयरन व फोलिक एसिड की गोली का सेवन कराना करें सुनिश्चित

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ तारांचद की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में सर्वप्रथम उपायुक्त द्वारा स्वास्थ्य व पोषण से जुड़ी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए समन्वय बनाकर कार्य करने के लिए सभी प्रखण्डों में एएनएम, सहिया, आंगनवाड़ी सेविका व सहायिका की टीम का गठन करने का निर्देश दिया गया ताकि जिला में पोषण एवं स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सुविधाओं को आमजनों तक सुलभ पहुंचाया जा सके। एनीमिया मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान उपायुक्त द्वारा विद्यालयों द्वारा बच्चों में एनीमिया के स्तर को कम करने के लिए उठाए जा रहे कदमो पर बिंदुवार चर्चा की गई। साथ ही आयरन व फोलिक एसीड की दवा बच्चों को निर्धारित खुराक के अनुसार सेवन नहीं कराये जाने पर संबंधित विद्यालयों के जिम्मेवार सीआरपी व बीआरपी को कारण बताओ नोटिस देकर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश

पहली तिमाही में अधिकतम एएनसी सुनिश्चित करें

उपायुक्त डॉ ताराचंद ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया है कि जिले के सभी पोषक क्षेत्रों के पहली तिमाही में गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) आवश्यक रूप से करना सुनिश्चित करें। प्रसव के तीन सप्ताह पूर्व से ही गर्भवती महिलाओं की मॉनिटरिंग हो ताकि हर गर्भवती को उचित पोषण और दवा देते हुए उनका संस्थागत सुरक्षित प्रसव हो सके। साथ ही गर्भवती महिला व उनके परिजनों को एएनसी की महत्ता के बारे में भी बतलाया जाय। उपायुक्त ने कहा कि जिले के हर गर्भवती का शत प्रतिशत एएनसी हो यह सुनिश्चित करें और एक भी गर्भवती इससे न छूटे। उपायुक्त ने एएनसी के साथ-साथ महिलाओं का हीमोग्लोबीन का स्तर भी जांचने का निर्देश दिया है ताकि ससमय उसका निदान के आवश्यक कारवाई की जा सके।

निर्माण कार्य में अनियमितता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी : उपायुक्त

लोहरदगा। उपायुक्त के संज्ञान में आते ही उन्होंने त्वरित कारवाई करते हुए लोहरदगा जिला के कुडू प्रखंड के मदरसा चौक से एड़ादोन तक पथ सुदृढ़ीकरण योजना के तहत नाली निर्माण का कार्य रोकते हुए उसे पुनः उसे मानक के अनुरुप कराने का आदेश दिया है। विदित हो कि उपायुक्त को उक्त स्थान पर नाली निर्माण में निर्धारित मानक का अनुपालन नहीं किये जाने की शिकायत प्राप्त हुई थी जिसके उपरांत उपायुक्त ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और नाली का निर्माण कार्य पुनः निर्धारित मापदण्ड के अनुसार किये जाने का आदेश दिया है। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा है कि भविष्य में जिला अंतर्गत अन्य सरकारी निर्माण कार्यों में अनियमितता या मानक के अनुरूप सामग्री का उपयोग नहीं किए जाने की शिकायत आती है तो उस पर कड़ी से कड़ी कारवाई की जाएगी।

योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर स्वास्थ्य व पोषण के इंडिकेटर को सुधारें

उपायुक्त ने कहा कि प्रखण्डों में स्वास्थ्य व पोषण के इंडिकेटर्स की स्थिति को बेहतर करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाय। इसके लिए स्वास्थ्य, समाज कल्याण और शिक्षा विभाग को एकसाथ आकर बेहतर तालमेल के साथ कार्य करने की आवश्यकता है।

उपायुक्त द्वारा दिया गया बैठक में एमटीसी केंद्रों में बच्चों की स्थिति, टीबी, मलेरिया, कुष्ठ रोग, बच्चों का टीकाकरण आदि की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, सिविल सर्जन डॉ राजू कच्छप, जिला शिक्षा अधीक्षक अभिजीत कुमार, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

ब्लूमिंग बड्र्स पब्लिक स्कूल में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

लोहरदगा। लोपामुद्रा एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा संचालित ब्लूमिंग बड्र्स पब्लिक स्कूल में शनिवार को एक जागरूकता गतिविधि विद्यालय के कक्षा 6 के बच्चों के द्वारा नाटक के माध्यम से आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को जंक फूड और पैकेट के सामान से होने वाले नुकसान और हेल्दी फूड के फायदे के बारे में जानकारी देना था। विद्यालय के संचालक मुकेश कुमार गुप्ता ने बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि पैकेट में बिकने वाले चीज़ों और जंक फूड में बहुत अधिक तेल, नमक, चीनी और केमिकल मिलाए जाते हैं, जो बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। इससे मोटापा, बीमारियां और कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। उन्होंने बच्चों को ताज़े फल, सब्जियां, दाल, दूध और घर का बना पौष्टिक भोजन खाने की सलाह दी। बच्चों ने भी इस जागरूकता कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और हेल्दी फूड से जुड़े स्लोगन बोले।

बीएलओ के लिए नेशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी-सह-सचिव, मंत्रिमण्डल (निर्वाचन) विभाग, झारखण्ड रांची के निर्देश पर लोहरदगा जिला में 07-16 जुलाई 2025 तक सभी बीएलओ के लिए नेशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें पांचवें दिन भी जिला परिषद लोहरदगा में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने प्रशिक्षण की महत्ता बताई और प्रशिक्षण के बाद किये जाने वाले कार्यों की जानकारी ली। निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, संबंधित सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी आशुतोश कुमार, मास्टर ट्रेनर उदय कुमार महतो और रऊफ अंसारी द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 से संबंधित प्रशिक्षण मतदान केंद्र संख्या 201 से 250 तक को दिया गया। सभी बीएलओ के को 10-10 के समूह में क्षेत्र भ्रमण करते हुए निर्वाचन से संबंधित विषयों पर संवाद स्थापित कराते हुए प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर सभी हेल्प डेस्क मैनेजर एवं निर्वाचन कार्यालय के कर्मी उपस्थित थे।

छह माह से खाद्यान्न नहीं उठाने वालों का रद्द होगा राशन कार्ड

लोहरदगा। जिला प्रशासन की ओर से जन वितरण प्रणाली के तहत लाभ प्राप्त कर रहे राशन कार्डधारियों के लिए एक महत्वपूर्ण नोटिस जारी किया गया है। जिला आपूर्ति शाखा, लोहरदगा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, जिले के कई राशन कार्डधारियों द्वारा बीते कुछ महीनों से न तो खाद्यान्न का उठाव किया जा रहा है और न ही ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूर्ण की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि "झारखंड लक्षित जन वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश, 2024" की कंडिका 6-(X)(ग) के अंतर्गत यदि कोई राशन कार्डधारी लगातार छह माह तक जन वितरण प्रणाली की दुकान से खाद्यान्न नहीं उठाता है, तो जांच के उपरांत उसका राशन कार्ड रद्द किया जा सकता है। लोहरदगा ने सभी संबंधित लाभुकों को अंतिम चेतावनी देते हुए कहा है कि नोटिस जारी होने की तिथि से एक सप्ताह के भीतर लाभुक संबंधित जन वितरण प्रणाली दुकानों से खाद्यान्न का उठाव करें।

पूर्व मंत्री ने जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा

मैं हमेशा जनता के बीच रहना चाहता हूं : डॉ. उरांव

- पेयजल, राशन, आवास, सड़क और पुल निर्माण को लेकर मिले आवेदन

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। पूर्व मंत्री सह स्थानीय विधायक एवं झारखंड विधानसभा की आंतरिक संसाधन एवं केंद्रीय सहायता समिति के सभापति डॉ. रामेश्वर उरांव आज लोहरदगा जिला के पेशरार प्रखंड मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों एवं कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं और कई मामलों में तत्काल आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने डॉ. उरांव के समक्ष पेयजल संकट, राशन कार्ड, पथ एवं पुलिया निर्माण, मैया सम्मान योजना, अबुवा आवास योजना, आधार कार्ड संबंधी दिक्कतों सहित कई मुद्दों पर आवेदन सौंपा। अधिकांश मामलों में उन्होंने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए।

डॉ. उरांव ने कहा कि पेशरार एक सुदूरवर्ती क्षेत्र है, जहाँ मुख्य रूप से आदिम जनजातियों की बसावट है। इन क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने में कई तरह की चुनौतियां आती हैं, लेकिन वे स्वयं प्रखंड तक पहुंचकर जनता की समस्याओं को जानना और समाधान करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, "जनसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से मैं हमेशा जनता के बीच रहना चाहता हूँ। यही लोकतंत्र की असली ताकत है।" उन्होंने बताया कि वर्तमान गठबंधन सरकार द्वारा चलाई जा रही मैया सम्मान योजना के तहत महिलाओं को सशक्त किया जा रहा है। साथ ही, सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच रही हैं। उन्होंने सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना के विस्तार पर भी बल दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और समाजसेवी उपस्थित थे। प्रमुख रूप से कार्यकारी जिलाध्यक्ष हाजी शकील अहमद, विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, विनोद सिंह खेरवार, रविंदर खेरवार, जिप सदस्य रूबी कुमारी, शामूल अंसारी, सदरुल अंसारी, विशाल डुंगडुंग, अरशद अयूब, अनिस अहमद, एनुल अंसारी, इकरामूल अंसारी, बहती भगत, कमला देवी, रौनक इकबाल, बिरजू उरांव, रेयाज अंसारी, संजू तुरी, मुजाहिर अंसारी, जयप्रकाश गुप्ता, जाहिद अंसारी, सरिता खलखो, छोटू उरांव, कुलेश्वर तुरी, बासु भगत, सोमनाथ पाहन, बंधनाअसुर, सुमेरा ठाकुर समेत अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

भारत को तेजस्वी राष्ट्र बनाना ही राष्ट्र सेविका समिति का उद्देश्य: जामवंती मिश्रा

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर महाविद्यालय लोहरदगा में गुरु दक्षिणा कार्यक्रम हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर की गई तत्पश्चात समिति प्रार्थना ध्वज पूजन में दक्षिणा अर्पण की गई तत्पश्चात शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर की बहन पीहू कुमारी के द्वारा श्लोक और अमृत वचन के पश्चात झारखंड प्रांत की बौद्धिक प्रमुख जामवंती मिश्रा द्वारा उनके उद्बोधन हुआ मुख्य रूप से बहनों का राष्ट्र सेविका समिति से परिचय कराया गया और उन्हें पांच परिवर्तन सहित मुख्य विषयों से अवगत कराकर राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा दी गई उन्होंने अपने उद्बोधन में बहनों को संबोधित करते हुए कहा तन समर्पित, मन समर्पित और यह जीवन समर्पित चाहती हूं देश की धरती तुझे कुछ और भी दूं। मंच संचालन महाविद्यालय की आचार्य नीतू कुमारी ने अतिथि परिचय तथा स्वागत मधुमिता कुमारी तथा धन्यवाद ज्ञापन मंजू कुमारी ने कराया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लोहरदगा जिला कार्यवाहिका सुनीता कुमारी, नगर समिति अध्यक्ष सुमन राय, नगर समिति सचिव, संगीता मित्तल,कलावती सिंह, नीरापति, रश्मि अग्रवाल, अमृता अग्रवाल, रीता अग्रवाल, रूपा अग्रवाल, लक्ष्मी कुमारी, पल्लवी दुबे, अर्चना, विद्यालय के आचार्य और बहन उपस्थित रहे ।

प्रिंस राज का आकांक्षा परीक्षा 2025 में चयन, राज्य के टॉप 50 में शामिल

कुड़ू-लोहरदगा। राजकीयकृत गांधी मेमोरियल प्लस टू उच्च विद्यालय, माराडीह के मेधावी छात्र प्रिंस राज ने आकांक्षा परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट कलेट की तैयारी के लिए राज्य भर से चयनित 50 छात्रों में अपना स्थान सुनिश्चित किया है। इस उपलब्धि से न सिर्फ विद्यालय परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र में हर्ष की लहर दौड़ गई है। आकांक्षा योजना के तहत झारखंड सरकार द्वारा मेडिकल, इंजीनियरिंग एवं लॉ कलेट की तैयारी के लिए चयनित छात्रों को दो वर्षों तक निःशुल्क कोचिंग एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा की पूर्ण व्यवस्था की जाती है। प्रिंस की इस सफलता पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक विजय कुमार साहू ने उन्हें सम्मानित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। चिकित्सा अवकाश पर रहीं प्रभारी प्रधानाध्यापिका पुष्प निहारी बाखला ने भी दूरभाष के माध्यम से बधाई संदेश भेजा। प्रिंस राज की सफलता पर प्रशांत मुंडा, रामजी साहू, मुकेश कुमार यादव, तथागत साकेत, वर्षा नाग, संजय साहू, रमेश कुमार साहू, श्वेता एक्का, मंजू कुमारी, एच. कुजूर, निशा कुमारी, शनि कुजूर, विपिन किशोर लकड़ा, संगीता बाला, किशोरी रानी कुजूर, रश्मि केरकेट्टा, रजनी खेस, ओम नारायण, देवकी देवी आदि ने शुभकामनाएं दी।

मुस्लिम यूथ वेलफेयर सोसायटी के पदाधिकारियों ने नव पदस्थापित सीएस को बुके देकर किया स्वागत

लोहरदगा। नव पदस्थापित सिविल सर्जन डॉ राजू कच्छप को मुस्लिम यूथ वेलफेयर सोसायटी के जिलाध्यक्ष मोहेमिन उर्फ बब्बन की अगुवाई में बुके देकर उनके कार्यालय कक्ष में गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। तत्पश्चात सीएस डॉ राजू कच्छप से सदर अस्पताल लोहरदगा के अलावा जिले के तमाम अस्पतालों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं बहाल कराए जाने, साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर कराए जाने, डाक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को जिम्मेदारियों के प्रति गंभीर रहते हुए दायित्वों का बखूबी निर्वहन कराए जाने, जिले के सभी अस्पतालों में शत-प्रतिशत मरीजों का इलाज कराए जाने, ब्लड डोनेशन कैंप को और भी मजबूती प्रदान कराए जाने आदि मांगें रखी गई।

कक्षा दशम का अभिभावक गोष्ठी का आयोजन

लोहरदगा। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा में कक्षा दशम के अभिभावक गोष्ठी आयोजित की गई। इस गोष्ठी का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन से हुआ। इस गोष्ठी का मंच संचालन प्रमेंद्र सिंह द्वारा किया गया। इस गोष्ठी की भूमिका पर मुकेश जी ने प्रकाश डाला। आचार्य राजीव कुमारसिंह के द्वारा शैक्षणिक पक्ष पर चर्चा हुई, जिसके अंतर्गत परीक्षाफल पर चर्चा , विद्यालय की क्रिया विधि पर चर्चा , शैक्षणिक विषय पर चर्चा एवं विद्यार्थियों के स्तर का वर्गीकरण इत्यादि विषयों पर चर्चा की गई। इसके बाद सभी अभिभावकों से सुझाव लिया गया, जिसमें देवेंद्र मंडल जी, आनंद कुमार पाठक, बृजेंद्र कुमार सिंह इत्यादि ने अपना विचार दिया।

असैनिक शल्य चिकित्सक
–सह–मुख्य चिकित्सापदाधिकारी, गढ़वा
(जिला यक्ष्माकार्यालय,गढ़वा)
Email Id: dtojhgrh@rntcp.org

(शुद्धि–पत्र)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय द्वारा प्रकाशित निविदा संख्या 01/2025 ज्ञापांक 564 दिनांक–01/07/2025 जिसका PR 356294 है को भरने की अंतिम तिथि 09-07-2025 से बढ़ाकर 25-07-2025 किया जाता है। शेष निविदा की सभी शर्ते एवं कंडिकायें पूर्ववत रहेंगी।

जिला यक्ष्मापदाधिकारी
जिला यक्ष्माकेन्द्र, गढ़वा

असैनिक शल्य चिकित्सक
–सह–मुख्य चिकित्सापदाधिकारी,
गढ़वा

PR 357130 (Health Med Edu and Family Welfare)25-26*D

अस्पताल परिसर में कीचड़ व बारिश के कारण वैक्सीनेशन केंद्र की स्थिति दयनीय

- परिसर में भारी कीचड़, मरीजों को आने-जाने में परेशानी
- वैक्सीनेशन रूम की छत से टपकता पानी
- बिजली की भी व्यवस्था खराब, फ्रीज में रखी वैक्सीन पर असर

नवीन मेल संवाददाता

क्या कहती हैं सीएचसी प्रभारी

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुडू की खस्ताहाल स्थिति पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुलामी होरो ने चिंता जताई है। उंन्होने बताया कि बीते 24 जून को असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी (सीएस) लोहरदगा को पत्र भेज कर मौजूदा हालात सर अवगत कराया गया है। उन्होंने बताया कि स्थापना कार्यालय, ओपीडी, लैब, नेत्र चिकित्सक का कक्ष, लेबर रूम एवं पर्ची काउंटर सभी पुराने और वर्षों पूर्व कंडम घोषित किये जा चुके भवन में संचालित हो रहे हैं। बारिश के मौसम में इन सभी जगहों पर लगातार पानी टपक रहा है। जिससे मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों दोनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। डॉ. होरो ने कहा कि स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है, लेकिन फिलहाल हमारे पास दूसरा कोई विकल्प नहीं है।

कुडू-लोहरदगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुडू परिसर में बने ट्रामा सेंटर की हालत इन दिनों अत्यंत दयनीय हो चुकी है। लगातार बारिश के कारण मुख्य द्वार से लेकर ऑपरेशन थिएटर (ओटी) भवन तक पूरा परिसर कीचड़ से सना हुआ है, जिससे मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों दोनों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे चिंताजनक स्थिति ट्रामा सेंटर के समीप स्थित पुराने भवन में बने वैक्सीनेशन रूम की है, जहां छत और दीवारों से लगातार पानी टपकने के कारण कमरा पूरी तरह भीग चुका है।

इससे वहां रखे कोल्ड चेन फ्रीजर और उनमें संग्रहित जीवनरक्षक वैक्सीन के नष्ट होने का खतरा मंडरा रहा है। कोल्ड चेन हैंडलर संध्या प्रतिमा लकड़ा ने बताया कि दीवार भीगी होने के कारण बिजली उपकरण के अलावा दीवारों में भी करंट का झटका लग रहा है।

इन सभी परेशानियों से प्रोग्राम मैनेजर को अवगत कराया गया हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कोल्ड चेन में थोड़ी सी भी बाधा टीकों की गुणवत्ता और प्रभावशीलता को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में यदि समय रहते इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला गया, तो लाखों रुपये की वैक्सीन बर्बाद हो जाएगी साथ ही, आमजन के स्वास्थ्य पर भी इसका सीधा और गंभीर असर पड़ेगा।

इस लिए स्वास्थ सेवाओं की निरंतरता और जीवनरक्षक टीकों की सुरक्षा के लिए तत्काल प्रशासनिक हस्तक्षेप और ठोस कार्रवाई करते हुए वैक्सीनेशन रूम की शीघ्र मरम्मत या फिर कोल्ड चेन प्रणाली को किसी सुरक्षित और सूखे स्थान पर स्थानांतरित करने एवं अस्पताल परिसर में जलभराव की रोकथाम हेतु प्रभावी जल निकासी की स्थायी व्यवस्था कीए जाने की आवश्यकता है।

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
उद्यान निदेशालय, झारखण्ड
कार्यालय जिला उद्यान पदाधिकारी, लोहरदगा

पौध प्रसारण अन्तर्गत ग्राफ्ट गुटी तैयार पौधों को विक्रय करने हेतु आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में विभागीय स्वीकृत्यादेश सं0– 40, दिनांक 16.07.2024 द्वारा स्वीकृत उद्यान विकास की योजनान्तर्गत कार्य अवयव ग्राफ्ट–गुटी उत्पादन के तहत् फलबाग के क्षेत्र विस्तार हेतु पौध प्रसारण अन्तर्गत विभागीय स्थापित प्रखण्ड उद्यान नर्सरियों में विभिन्न पौधे (आम, अमरुद, नीबूं, लीची, चीकू, नाशपाती) का ग्राफ्ट–गुटी जिला– लोहरदगा में कुल 25000 संख्या में गुणवत्तायुक्त पौधा तैयार किया गया है। जिसे न्यून्तम दर विभागीय RFE में निर्धारित दर का 80 % अनुदान पर लोहरदगा जिला के कृषकों को पौधों का विक्रय किया जायेगा।

उपरोक्त योजना के कार्यान्वयन हेतु लोहरदगा जिला के इच्छुक कृषक दिनांक 16.07.2025 से कार्यालय कार्य अवधि में उपर्युक्त पौधों का क्रय करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। कृषक आपने साथ आधार कार्ड, जमीन रशीद, फोटो आदि लेते आवे।

विशेष जानकारी हेतु कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला उद्यान पदाधिकारी,
लोहरदगा

PR 357165 Lohardaga(25-26).D

एक दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण संपन्न

गुमला। कृषि विज्ञान केंद्र गुमला (विकास भारती बिशुनपुर) द्वारा 12 जुलाई 2025 को सिसई प्रखंड के नगर पंचायत अंतर्गत "आदर्श दलहनी गांव" योजना के तहत एक दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत के मुखिया रवि उरांव ने की। मुख्य वक्ता श्रीदेवी उरांव ने कहा कि क्षेत्र में अरहर और उड़द की खेती व्यापक रूप से होती है, लेकिन पुराने बीज एवं पारंपरिक तकनीकों के कारण उत्पादन व उत्पादकता में कमी आ रही है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को नई तकनीकों से लैस करना है ताकि वे आने वाले समय में आत्मनिर्भर बन सकें। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक एनो राई ने जानकारी दी कि यह परियोजना भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही है, जिसके अंतर्गत गुमला जिले के नगर एवं फोरी पंचायतों में यह मॉडल परियोजना लागू की गई है। इसमें 100 हेक्टेयर में अरहर और 200 हेक्टेयर में उड़द की फसलों पर प्रत्यक्षण (डेमोंस्ट्रेशन) किया जाएगा। इसके साथ ही किसानों को बीज उत्पादन से जोड़ते हुए बीज की स्थानीय उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

सरस्वती विद्या मंदिर में संकुल स्तरीय मेधावी छात्र सम्मान समारोह संपन्न

गुमला। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, गुमला में विद्या विकास समिति, झारखंड के योजनानुसार संकुल स्तरीय मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन अत्यंत गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 33 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिनके चेहरे पर आत्मविश्वास और गर्व की चमक दिखाई दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुमला विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार ने की। अपने प्रेरक संबोधन में उन्होंने कहा, "सिर्फ सफल होना ही नहीं, जीवन का सार्थक होना भी आवश्यक है। विद्यार्थियों को हर क्षेत्र में कौशल विकसित करना चाहिए और जहां जाएं अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए।" सचिव विजय बहादुर सिंह ने छात्रों को सफलता के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की सलाह देते हुए कहा, "कोई भी कार्य अधूरा न छोड़ें, जब तक मंजिल ना मिले, प्रयास न रुकें। सफलता आपके कदम चूमेगी।" समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती, ओम व भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रामकिशोर रजक, उपाध्यक्ष अशोक मुकुल, प्रधानाचार्य संजीव कुमार सिन्हा, एकलव्य मॉडल विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार तथा सिसई विद्यालय के प्रधानाचार्य देवेंद्र कुमार वर्मा उपस्थित रहे। आचार्या आशा दीदी द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। समारोह के दौरान विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत गीत और नृत्य ने सभी को भावविभोर कर दिया। अभिभावकों ने विद्यार्थियों की सफलता का श्रेय विद्यालय के अनुशासन, शिक्षकों के मार्गदर्शन और सकारात्मक वातावरण को दिया। प्रधानाचार्य संजीव कुमार सिन्हा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय न केवल शिक्षा, बल्कि संस्कार, संस्कृति और समर्पण के मूल्यों पर आधारित निर्माण की दिशा में कार्यरत है।

भरनो के पास दो मालवाहक ट्रकों में जोरदार टक्कर, चालक घायल

भरनो (गुमला)। एनएच-23 रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर भरनो के पुराना थाना के समीप शनिवार को दो मालवाहक ट्रकों के बीच पीछे से जोरदार टक्कर हो गई। गुमला से रांची की ओर जा रहे एक ट्रक ने सामने चल रहे दूसरे ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे पीछे वाले ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में पीछे वाले ट्रक के चालक को मामूली चोटें आई हैं, जबकि सामने वाले ट्रक के चालक को किसी प्रकार की चोट नहीं लगी है। दुर्घटना के तुरंत बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त ट्रक को हाइड्रा वाहन की मदद से सड़क से हटवाया और यातायात को सामान्य कराया।

पौधरोपण पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है: सुदर्शन भगत

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड के वनटोली गांव स्थित राज विद्या केंद्र परिसर में शनिवार को वन महोत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस मौके पर पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, आजसू पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत, वन प्रमंडल पदाधिकारी बेलाल अहमद अनवर, प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारी आदर्श शरण, रेंजर जॉन रोबोट तिर्की, सहित राज विद्या केंद्र के सदस्यों ने मिलकर 200 से अधिक फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम की शुरुआत में उपस्थित अतिथियों ने राज विद्या केंद्र के प्रेरणास्रोत प्रेम रावत जी के जीवन परिचय और शांति संदेश को प्रोजेक्टर के माध्यम से देखा। पूर्व सांसद सुदर्शन भगत ने अपने संबोधन में कहा, "वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डीसी ने किया औचक निरीक्षण

पुस्तकालय, सीएचसी व आंगनबाड़ी केंद्र की व्यवस्थाओं पर उपायुक्त ने जताई चिंता

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। जिले की उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने आज घाघरा प्रखंड में संचालित महात्मा गांधी पुस्तकालय भवन, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) तथा टोंकाटोली आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सभी स्थलों की सुविधाओं, संसाधनों एवं सेवा गुणवत्ता का प्रत्यक्ष मूल्यांकन करते हुए आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत महात्मा गांधी पुस्तकालय से करते हुए उपायुक्त ने पुस्तकालय की व्यवस्थाएं देखीं और बच्चों से बातचीत कर उनकी आवश्यकताओं को समझा। विद्यार्थियों की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम पाए जाने पर उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष प्रचार-प्रसार कर पुस्तकालय उपयोगिता को बढ़ाया जाए ताकि अधिक से अधिक छात्र इसका लाभ उठा सकें। इसके बाद उपायुक्त घाघरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचीं, जहां उन्होंने लेबर रूम, डायलिसिस यूनिट, दवा भंडार और डॉक्टर कक्ष सहित विभिन्न इकाइयों का गहन निरीक्षण किया। गर्भवती महिलाओं से संवाद कर चिकित्सा सुविधाओं की स्थिति जानी और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरविंद कुशल एक्का को सेवाओं की सतत गुणवत्ता बनाए रखने हेतु निर्देशित किया। उपायुक्त ने डायलिसिस यूनिट की स्थिति, चिकित्सकों की उपलब्धता और 108 एम्बुलेंस सेवा के निष्क्रिय होने की जानकारी पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। सीएचसी परिसर में सीपेज और पीसीसी सड़क निर्माण की आवश्यकता पर शीघ्र प्रस्ताव भेजने का निर्देश भी दिया गया। निरीक्षण के अंतिम चरण में उपायुक्त टोंकाटोली आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचीं। उन्होंने बच्चों की उपस्थिति पंजिका, नामांकन रजिस्टर एवं भौतिक स्थिति का जायजा लिया। केंद्र की संरचनात्मक स्थिति को देखते हुए उन्होंने जिले के अन्य आंगनबाड़ी केंद्रों की भी शीघ्र मरम्मत सुनिश्चित करने की बात कही।

बाइक की जिद में नाबालिग ने की आत्महत्या की कोशिश

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड के तुरीअम्बा पंचायत अंतर्गत चेटो गांव निवासी 15 वर्षीय नाबालिग जीवन उरांव ने बाइक नहीं मिलने पर आवेश में आकर आत्महत्या का प्रयास किया, लेकिन समय रहते उसकी जान बच गई। जब जीवन उरांव ने अपने घर की छत में लगे बांस की बल्ली से दुपट्टा बांधकर फांसी लगाने का प्रयास किया। सौभाग्यवश, बांस की बल्ली अचानक टूट गई, जिससे वह नीचे गिर गया और उसकी जान बच गई। हालांकि, इस दौरान उसका एक पैर चोटिल हो गया।

सिविल सर्जन ने भरनो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर दिया जोर

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। जिले के सिविल सर्जन डॉ. शम्भूनाथ चौधरी ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरनो का अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की ओपीडी, लैब, कार्यालय व्यवस्था, एनसीडी यूनिट, कोल्ड चेन दवा भंडारण, डेंटल एवं आई क्लिनिक सहित विभिन्न विभागों का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की स्थिति को देखा और स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में सुधार के लिए डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। सिविल सर्जन ने कहा कि सुधार और पारदर्शिता के साथ स्वास्थ्य सुविधाओं की निरंतर निगरानी जरूरी है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। निरीक्षण के दौरान आरसीएचओ सुनील राम, डॉ. आशुतोष कुमार सिंह, जावेद अंसारी, राणा चंदन सिंह, फहीम चौधरी सहित अस्पताल के अन्य कर्मी उपस्थित थे। अधिकारियों की उपस्थिति में अस्पताल कर्मियों को समर्पण और अनुशासन के साथ कार्य करने की अपील की गई, ताकि भरनो स्वास्थ्य केंद्र जिले का एक आदर्श संस्थान बन सके।

निशा भगत के नेतृत्व में पेशा कानून लागू के लिए लिट्टा टोली से राजभवन तक पदयात्रा

सिसई (गुमला)। केन्द्रीय सरना समिति ने निशा भगत के नेतृत्व में पेशा कानून लागू कराने को लेकर लिट्टा टोली गुमला से राजभवन रांची तक के लिए पदयात्रा प्रारंभ किया। इसके पहले लिट्टा टोली में स्व कार्तिक उरांव व उनकी पत्नी स्व सुमति उरांव के समाधि स्थल पर पाहान पुजार के द्वारा पूजा अर्चना कराते हुए उनके समाधि पर निशा भगत, एंजेल लकड़ा, खुश्बू एवं केन्द्रीय सरना समिति के पदाधिकारियों के द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। और इसके साथ ही पदयात्रा का शुभारंभ किया गया। इस पदयात्रा के दौरान सिसई प्रखण्ड के रेड़वा में स्व तेलंगा खड़िया के प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए पदयात्री आगे बढ़े। सिसई कुम्हार मोड़ पहुंचने पर सरना समिति के केन्द्रीय अध्यक्ष जलेश्वर उरांव, सचिव रोपना उरांव, कोषाध्यक्ष गन्दूर भगत व आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष कैप्टन लोहरा उरांव, सचिव सच्चिदानंद उरांव संजय भगत, सोमेश उरांव, जगदेव उरांव, सुखदेव उरांव, रामनिवास उरांव एवं आदिवासी महिलाओं में बसंती देवी, सुधैन उरांव, ऐतवारी, रामरति, रितु, ललिता उरांव, स्वाति उरांव, उर्मिला उरांव ने माला पहना कर पदयात्रा में शामिल लोगों का भव्य स्वागत किया। तत्पश्चात केन्द्रीय सरना स्थल सिसई थाना चौक में पुनः स्वागत करते हुए आदिवासी कला सांस्कृतिक भवन विश्राम कराया गया। जहां उनके लिए जलपान का व्यवस्था किया गया था। निशा भगत ने सरना समाज के लोगों को संबोधित किया। उन्होंने राज्य सरकार के प्रति रोष प्रकट करते हुए कहा कि राज्य की वर्तमान सरकार हम आदिवासियों को छलने का काम कर रही है। हमलोगों सिर्फ वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करते आई है। हमें हमारे हक और अधिकार से वंचित किया जा रहा है। ये सरकार आदिवासी के ऊपर जुल्म कर रही है जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमारे जर जंगल को उजाड़ा जा रहा है इसे रोकना होगा। आज हम आदिवासियों को मकान बनाने के लिए नदी से बालू लाने पर सरकार को टैक्स देना पड़ता है। अपने हक अधिकार को लेने के लिए ही पेशा कानून लागू कराना होगा। उन्होंने ये भी कहा कि पेशा कानून के लागू हो जाने से जर, जंगल, जमीन, बालू उत्खनन और सभी प्रकार के खनिज संपदाओं में पूर्ण रूप से हम आदिवासियों का अधिकार होगा।

वाहन जांच अभियान के दौरान 25 वाहन चालकों पर लगा जुर्माना

पालकोट (गुमला)। सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन को जागरूक करने और यातायात नियमों के अनुपालन को सख्ती से लागू करने के उद्देश्य से उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक गुमला के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी राकेश कुमार गोप की अगुवाई में पालकोट थाना क्षेत्र अंतर्गत बघिमा चौक पर शनिवार को मोटरसाइकिल जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान नियमों के उल्लंघन पर चालान काटने के साथ-साथ लोगों को जागरूक भी किया गया। इस अभियान में बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 25 लोगों को रोका गया। इन सभी को यातायात नियमों की महत्ता, सड़क पर सतर्कता और सुरक्षा उपकरणों के उपयोग से जुड़ी विस्तृत जानकारी देते हुए रोड सेफ्टी काउंसलिंग दी गई। जिला परिवहन पदाधिकारी ने समझाया कि हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग न केवल कानूनी बाध्यता है, बल्कि इससे जीवन की सुरक्षा भी सुनिश्चित होती है।

कृषि विभाग ने किया बीज का वितरण

गुमला। जिले के प्रवासी श्रमिकों को आर्थिक पुनर्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण राहत मिली है। उपायुक्त श्रीमती प्रेरणा दीक्षित के निर्देश पर कृषि विभाग द्वारा 32 श्रमिकों को निःशुल्क बीज और शत-प्रतिशत अनुदान पर कृषि यंत्र प्रदान किए गए। यह पहल गुमला जिले में पलायन की समस्या को नियंत्रित करने और श्रमिकों को स्थायी आजीविका से जोड़ने की दिशा में मील का पत्थर मानी जा रही है। हाल ही में रांची के एक ईंट भट्ठे से उचित मजदूरी नहीं मिलने के कारण 32 प्रवासी श्रमिक अपने गृह जिला गुमला लौटे थे। उन्होंने उपायुक्त महोदया से मिलकर अपनी समस्याएं साझा कीं।

न्यूज बॉक्स

स्कूली बच्चों ने किया सरकारी कार्यालयों का भ्रमण, जानी कार्यप्रणाली

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड के स्कूली बच्चों ने शुक्रवार को अपने शिक्षकों और शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में स्थानीय सरकारी कार्यालयों का शैक्षिक भ्रमण किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बच्चों को सरकारी कार्यालयों की कार्यप्रणाली और उनके महत्व से परिचित कराना था।भ्रमण के दौरान, बच्चों ने प्रखंड कार्यालय, अंचल कार्यालय, चैनपुर थाना परिसर, और पोस्ट कार्यालय का दौरा किया। शिक्षकों ने प्रत्येक कार्यालय के कार्यों और वहां कार्यरत अधिकारियों की भूमिकाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ सभी कार्यालयों का अवलोकन किया और अपनी जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए उत्सुकता से प्रश्न भी पूछे।इस भ्रमण से बच्चों को यह समझने में मदद मिली कि ये कार्यालय किस प्रकार आम जनता के लिए महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान करते हैं। यह शैक्षिक अनुभव बच्चों के लिए अविस्मरणीय रहा, जिससे उन्हें अपनी स्थानीय प्रशासन प्रणाली को करीब से जानने और समझने का अवसर मिला। इस तरह की गतिविधियाँ बच्चों में नागरिक चेतना और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में सहायक होती हैं।

पीडीएस डीलरों की समीक्षा बैठक में ई-केवाईसी और वितरण में तेजी लाने का निर्देश

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा ने शनिवार को प्रखंड कार्यालय सभागार में जन वितरण प्रणाली दुकानदारों के साथ एक समीक्षा बैठक की। यह बैठक उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देशानुसार आयोजित की गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य पीडीएस दुकानों के संचालन में पारदर्शिता और सुविधा लाना था।बैठक में बीडीओ यादव बैठा ने सभी पीडीएस दुकानदारों से गहनतापूर्वक विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा की। इसमें राशन कार्ड में लाभार्थियों के ई-केवाईसी की अद्यतन स्थिति, पीएचएच और एएवाई राशन कार्ड के वितरण प्रतिशत, ग्रीन राशन कार्ड के वितरण प्रतिशत, तथा चीनी, नमक, सोना सोबरन धोती, साड़ी और लुंगी के वितरण की स्थिति शामिल थी। जिन पीडीएस दुकानदारों का वितरण प्रतिशत कम पाया गया, उन्हें सख्त निर्देश दिए गए कि वे इसमें सुधार करें और वितरण प्रतिशत बढ़ाएं। श्री बैठा ने सभी दुकानदारों को समय पर खाद्यान्न का उठाव और वितरण करने के साथ-साथ ई-केवाईसी को शत-प्रतिशत पूरा करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की अनियमितता की शिकायत मिलने पर संबंधित दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।इस मौके पर सहायक गोदाम प्रबंधक संदीप टेटे, कंप्यूटर ऑपरेटर मनीष भगत सहित प्रखंड के सभी जन वितरण दुकानदार उपस्थित थे। इस बैठक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लाभार्थियों तक राशन और अन्य आवश्यक वस्तुएं समय पर और बिना किसी बाधा के पहुंच सकें, जिससे पीडीएस प्रणाली में अधिक जवाबदेही और दक्षता लाई जा सके।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल लातेहार

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0– : 11/2025–26
दिनांक– 11.07.2025

1. विभाग का नाम :– भवन निर्माण विभाग
2. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंड़ल, लातेहार
3. परिमाण विपत्र प्राप्ति हेतु आवेदन की अंतिम तिथि एवं समय :– 18.07.2025 के 1.00 बजे अपराह्ण तक ।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 19.07.2025 के 3.00 बजे अपराह्ण तक ।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 19.07.2025 के 3.30 बजे अपराह्ण तक ।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– 1.अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–02 रॉंची के द्वारा प्राधिकृत स्थान एवं प्रतिनिधि के द्वारा। 2. पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, लातेहार। 3. सहायक अभियंता भवन अवर प्रमंड़ल, लातेहार के द्वारा प्राधिकृत स्थान पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, लातेहार एवं प्रतिनिधि के द्वारा।
7 .निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– 1. पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, लातेहार।
कार्य का नाम एवं अन्य सूचना :–

क्र. सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि रु0	अग्रधन राशि रु0	परिमाण विपत्र का मूल्य रु0	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1	Renovation of DDC Residence at Latehar Under Latehar District.	4198500/-	84000 /-	5000/-	02 (Two) Month s

नियम एवं शर्त कार्यालय के सूचना पट्ट या www.jharkhand.gov.in पर देखें ।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमंड़ल, लातेहार

PR 357137 Building(25-26).D

आंजन धाम टोल प्लाजा में स्थानीय को शुल्क में छूट नहीं मिलने से बवाल

जनप्रतिनिधियों ने जताई कड़ी आपत्ति, कहा- स्थानीय जनता के साथ हो रहा अन्याय

नवीन मेल संवाददाता

सिसई (गुमला)। गुमला से पलमा तक के एनएच-23 फोरलेन के अंतर्गत 63 किलोमीटर लंबी सड़क में से 61 किमी मार्ग का निर्माण पूरा कर लिया गया है। इसी क्रम में सिसई प्रखंड के नागफेनी में बनाए गए नवनिर्मित टोल प्लाजा "आंजन धाम" का 11 जुलाई 2025 को उद्घाटन कर दिया गया। हालांकि, टोल प्लाजा के चालू होते ही स्थानीय नागरिकों में शुल्क छूट नहीं दिए जाने को लेकर भारी नाराजगी देखी जा रही है। अमृतपाल सिंह टोल शुल्क वसूली एजेंसी द्वारा स्थानीय लोगों से मासिक पास शुल्क 360 की मांग की जा रही है। जबकि, स्थानीय लोग बार-बार आने-जाने की मजबूरी और आर्थिक सीमितता के कारण पूर्ण छूट की मांग कर रहे हैं। एजेंसी के इस निर्णय और व्यवहार से आक्रोशित लोगों ने बवाल किया। शनिवार को इस मुद्दे को लेकर प्रखंड कार्यालय सभागार में विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें कई प्रमुख जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।

बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष किरण माला बाड़ा, जिप सदस्य विजयलक्ष्मी कुमारी, एसडीओ राजीव नीरज, एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव, प्रखंड प्रमुख मीना देवी, बीडीओ रमेश कुमार यादव, सीओ नितेश रोशन खलखो,थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह,विधायक प्रतिनिधि प्रकाश उरांव, एनएचएआई प्रोजेक्ट निदेशक राजीव रंजन, टोल एजेंसी के प्रबंधक जेएमएम नेता उमर फारूक अंसारी शामिल रहे। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष किरण माला बाड़ा ने सवाल उठाते हुए कहा की टोल प्लाजा का उद्घाटन बिना सूचना के गुप्त रूप से कर देना अत्यंत आपत्तिजनक है। न जनप्रतिनिधियों को बुलाया गया, न प्रशासन को। यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया की अवहेलना है।" साथ ही उन्होंने टोलकर्मियों के अमर्यादित व्यवहार पर भी नाराजगी जताई।

● **स्थानीय लोगों को मिले पूर्ण छूट जनप्रतिनिधियों की मांग**

जेएमएम नेता उमर फारूक अंसारी ने कहा की सिसई, गुमला और भरनो प्रखंड के सभी स्थानीय लोगों को पूर्ण छूट मिलनी चाहिए, अन्यथा आंदोलन और सड़क जाम होगा।" उन्होंने स्थानीयों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए मासिक पास को भी अनुचित बताया। विधायक प्रतिनिधि प्रकाश उरांव ने कहा की स्थानीयों की जमीन सड़क निर्माण में ली गई है, ऐसे में उन्हें टोल प्लाजा में रोजगार भी दिया जाना चाहिए। बाहरी लोगों की नियुक्ति से विवाद की आशंका बनी रहेगी।" इसपर जिला परिषद अध्यक्ष ने बीडीओ और सीओ को ऐसे 10 स्थानीय लोगों की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। एजेंसी प्रबंधक ने स्थानीय रोजगार पर भी सहमति जताई है और जनप्रतिनिधियों से 10 लोगों की सूची मांगी है जिनकी भूमि सड़क निर्माण में अधिग्रहित की गई थी। बैठक के अंत में स्थानीय मुखिया बंदीराम उरांव, शोभा देवी, अलबिना देवी, सुनीता कुमारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रशासन से आग्रह किया कि इस अस्थायी राहत को स्थायी रूप दिया जाए और टोल प्लाजा के व्यवहार पर निगरानी रखी जाए।

चैंबर ऑफ कॉमर्स ने जताया कड़ा विरोध

गुमला। नागफेनी फोरलेन टोल प्लाजा की मनमानी व अव्यवस्था को लेकर गुमला चेंबर ऑफ कॉमर्स ने कड़ा विरोध जताया है। चेंबर अध्यक्ष राजेश सिंह ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि अधूरी सड़क पर बिना पूर्व सूचना के टोल वसूली शुरू किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने बताया कि एनएच 23 पर अब भी निर्माण कार्य अधूरा है, इसके बावजूद टोल प्लाजा को चालू कर देना समझ से परे है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि 20 किलोमीटर के दायरे में आने वाले स्थानीय वाहनों से भी मनमाने ढंग से शुल्क वसूला जा रहा है, जो नियमों के विपरीत है। राजेश सिंह ने कहा कि स्थानीय लोग जब इस विषय पर अपनी बात रखने या विरोध जताने का प्रयास करते हैं, तो टोल कर्मियों द्वारा उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है, जो निंदनीय है।

कार्यालय समेकित जनजाति विकास अभिकरण, लोहरदगा

वित्तीय वर्ष 2024–25 में पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृति भुगतान से संबंधित आवश्यक सूचना।

पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृति हेतु वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार के ekalyan (ekalyan.cgg.gov.in) पोर्टल पर लोहरदगा जिला अन्तर्गत जिन छात्र–छात्राओं का ऑनलाईन आवेदन वर्ष 2024–25 का Status "Approved by DLC Officer" (Student Login में "Pending by DLC Officer") है वे आवेदन में दिये गये आधार संख्या को अपने बैंक खाता के साथ दिनांक **15 जुलाई 2025** तक निश्चित रूप से लिंक करा ले। कुछ आवेदन से संबंधित आधार असक्रिय (Inactive) होने के कारण भी भुगतान नहीं हो पा रहा है। ऐसे आवेदक अपना आधार को दिनांक **15 जुलाई 2025** तक सक्रिय (Active) करा लें। **पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृति का भुगतान PFMS के माध्यम से Aadhar Enabled DBT द्वारा ही करने का विभागीय निदेश प्राप्त है।**

उक्त तिथि के पश्चात् Mapping / आधार Active कराने वाले छात्रों को वर्ष 2024–25 का छात्रवृति राशि का भुगतान करना सम्भव नहीं होगा। चूँकी 15 जुलाई 2025 के बाद ई–कल्याण पोर्टल बंद हो जायेगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेवारी आवेदक की होगी। आधार लिंक एवं NPCI में Mapping की जानकारी आधार की वेबसाईट से (https://myaadhaar.uidai.gov.in→ Login पर क्लिक करना होगा। जिसके बाद आधार न0 एवं Captcha Enter करके Send OTP करना है। Send OTP करने के पश्चात आपके आधार से रजिस्टर्ड मोबाईन न0 पर 6 अंको का OTP प्राप्त होगा, OTP Enter कर Login करना है। Login करने के बाद Bank Seeding Status पर क्लिक करके) प्राप्त किया जा सकता है। अथवा ई–कल्याण पोर्टल में (Services & Schedule→ Student Services & Schedule (Post-Matric) → Check status of your AADHAAR linked bank account number Click Here) लिंक के माध्यम से ऑनलाईन प्राप्त की जा सकती है।

ह0/–
जिला कल्याण पदाधिकारी,
लोहरदगा।

PR.NO.357186 Lohardaga(25-26):D

दिल से बजाना

ऋषभ अब आठवीं में आ चुका था। वह बहुत अच्छा वायलिन बजाता था। इसी उम्र में वह इतनी प्रवीणता प्राप्त कर चुका था, जिसे कई वर्षों तक अभ्यास करने के बाद भी लोग नहीं प्राप्त कर पाए थे। वह हर दिन अपने गुरु जी से वायलिन सीखने जाता था। घर में वह सीखे हुए पाठ का दो घंटे अभ्यास करता। उसके बाद ही वह अपने पाठ्यक्रम की पुस्तकों को पढ़ने बैठता। यही क्रम कई वर्षों से चल रहा था। आखिर वह दिन आ ही गया जिसका उसे इंतज़ार था। एक दिन बाद शहर के सबसे बड़े हॉल में उसका वादन आयोजित किया गया था। देश के प्रसिद्ध वायलिन वादक इस बालक की प्रतिभा के साक्षी बनने वाले थे। वह अपने गुरु जी से आशीर्वाद प्राप्त करने गया। गुरु जी ने आशीर्वाद देते हुए कहा था कि दिल से वायलिन बजाना। उसके हाथों में एक कागज का टुकड़ा थमाते हुए कहा कि इसे वायलिन बजाने के पहले खोलना और अपने सामने रख लेना। वह बहुत असमंजस में था। वह तो हाथों और उँगलियों की मदद से वायलिन बजाना जानता था। दिल से कैसे बजा सकता था। दिल को तो निकालना मुश्किल था। अगर दिल निकाल भी लिया जाय, तो उसके हाथ और उंगलियाँ तो होती नहीं। उससे कैसे वायलिन बजेगा। उसकी समझ में नहीं आ रहा था, वह क्या करे? इसी उधेड़बुन में आज उसने अभ्यास भी नहीं किया था।

ब्रजेन्द्र नाथ मिश्र

पूरा हॉल दर्शकों से भर चुका था। बड़े से मंच के बीच में एक और छोटा मंच बनाया हुआ था। प्रसिद्ध वायलिन वादक हॉल के आगे की प्रथम पंक्ति में बैठे थे। उसका नाम पुकारा गया था। वह उदास और थके कदमों से छोटे से मंच की ओर बढ़ रहा था। उसे गुरु जी याद आ रहे थे। उनकी बात "दिल से बजाना।" उसके कानों में गूंज रहे थे। वह मंच पर चढ़कर निर्धारित स्थान पर बैठ गया। वह गुरु जी के दिये हुए कागज के टुकड़े को सामने खोलकर बैठ गया। कागज के टुकड़े में एक तितली की तस्वीर बनाई हुई थी। उसके हाथ कांप रहे थे। उसकी उंगलियाँ सुन्न हो रही थी। उसने वायलिन को अपनी ठुड्डी के नीचे टिकाया ही था कि एक तितली उड़ती हुई आयी और उसके कंधे पर आकर बैठ गयी। उसके हाथों और उँगलियों में ऊर्जा आ गयी। उसने बो को हाथ में लिया उसकी उंगलियाँ तारों पर चलने लगी थी। तितली धुन गुनगुना रही थी। उसके संकेत गुरुजी के दिये हुए कागज पर उभर रहे थे। तितली की धुन पर वायलिन से निःसृत संगीत लहरियों से हॉल गूंज रहा था। लोग स्तब्ध थे। पूरे सभागार में वायलिन के तारों से निकले स्वर थे और श्रोताओं की सांसें थी। एक घंटे से अधिक तक स्वरों और सुरों की गंगा बहती रही और लोग उसमें अवगाहन करते रहे, डूबते-उतराते रहे। उसने वायलिन वादन को विराम दिया। सभागार में स्तब्धता छायी थी। लग रहा था कि वायलिन की ध्वनि अभी भी गूंज रही हो। जब आमंत्रित प्रासिद्ध वायलिन वादक मंच पर आ गए तब ऋषभ ने उनके चरणों में झुककर प्रणाम किया। उन्होंने उसे हृदय से लगा लिया। अपने घुटनों पर बैठे हुए और उसको हृदय से लगाये हुए ही उन्होंने माइक पर कुछ कहा था। लेकिन उसे तीन ही शब्द याद रहे। "आज ऋषभ ने 'दिल से बजाया' है।" हॉल में तालियां बजती रहीं। अब उसे गुरुजी के सूत्र – वाक्य "दिल से बजाना" का अर्थ समझ में आ गया था।

तुलसीकृत श्रीरामचरितमानस में वर्षाकाल

गीता सिन्हा 'गीतांजलि'

रामचरितमानस के "किष्किंधा काण्ड"में तुलसी ने वर्षा-काल का अद्भुत चित्रण किया है। जब राम अनुज लक्ष्मण के साथ मनोहर और अनुपम पर्वत को देखकर, वहीं किष्किंधा में रह गए। तब देवता, सिद्ध, मुनि, भौंरा का, पंक्षियों का, पशुओं का, रूप धरकर प्रभु की सेवा करने लगे।

"लछिमन देखु मोर गन नाचत बारिद पेखि।
गृही बिरति रत हरष जस बिष्णु भगत कहुँ देखि।।"

हे लक्ष्मण !देखो मोरों के झुंड बादलों को देखकर नाच रहे हैं। जैसे वैराग्य में अनुरक्त गृहस्थ किसी विष्णुभक्त को देखकर हर्षित होते हैं।

"घन घंमड नभ गरजत घोरा, प्रिया हीन डरपत मन मोरा । दामिनि दमक रह न घन माहीं,
खल कै प्रीति जथा थिर नाहीं ।।"

आकाश में मेघ उमड़ घुमड़कर बरस रहे हैं। सीता के बिना मेरा मन भयभीत हो रहा है। बिजली की चमक बादलों में ठहरती नहीं।जैसे दुष्ट की प्रीति थिर नहीं रहती।

"बरसहिं जलद भूमि निअराएँ, जथा नवहिं बुध बिद्या पाएँ, बूंद अघात सहहिं गिरि कैसे, खल के बचन संत सह जैसे।"

बादल पृथ्वी के समीप आकर बरस रहे हैं, जैसे विद्या पाकर विद्वान नम्र हो जाते हैं। बूंदों की चोट पर्वत कैसे सहते हैं, जैसे दुष्टों के वचन संत सहते हैं।

महाकवि तुलसीदास बर्षा-काल के वर्णन में कैसे, माया, जीव, ब्रह्म को समझाते हैं ? देखें --

"क्षुद्र नदी भरि चलीं तोराई, जस थोरेहुँ धन खल इतराई। भूमि परत भा ढाबर पानी, जनु जीवहि माया लिपटानी।।"

छोटी नदियाँ भरकर किनारे को तोड़ती बह चलीं, जैसे थोड़े धन पाकर दुष्ट इतरा जाते हैं। पृथ्वी पर पड़ते पानी गंदला हो गया जैसे शुद्ध जीव माया से लिपट गई हो।

"समिटि समिटि जल भरहिं तलावा, जिमि सदगुन सज्जन पहिं आवा, सरिता जल जलनिधि महुँ जाई, होइ अचल जिमि जीव हरि पाई।"

जल एकत्र हो होकर तालाबों में भर रहा है। जैसे सदगुण एक एककर सज्जन के पास चले आते हैं। नदी का जल समुद्र में जाकर एकत्र हो जाता है, जैसे जीव श्री हरि को पाकर आवागमन से मुक्त हो जाता है।

"हरित भूमि तृन संकुल, समुझि परहिं नहिं पंथ। जिमि पाखंडवाद तें, गुप्त होहिं सदग्रंथ।।"

पृथ्वी घास से परिपूर्ण होकर हरी हो गई है, जिससे पंथ समझ नहीं पड़ते। जैसे पाखंडवाद के प्रचार से सदग्रंथ लुप्त हो जाते हैं।

"दादुर धुनि चहु दिसा सुहाई, बेद पढ़हिं जनु बटु समुदाई, नव पल्लव भए बिटप अनेका, साधक मन जस मिलें बिबेका।"

चारों दिशाओं से मेढ़कों की आवाज ऐसी सुनाई पड़ती है जैसे विद्यार्थी वेद का अध्ययन कर रहे हों। वृक्षों में नव पल्लव आ लगे हैं, जैसे साधक के मन में विवेक प्राप्त हो गया हो।

आगे श्रीराम कहते हैं कि वायु कभी बड़े तेजी से चलने लगती है और बादल जहाँ तहाँ गायब हो जाते हैं। जिस तरह कुल में कुपुत्र के जन्म लेते ही, सद्कर्मों का उत्तम धर्म नष्ट हो जाता है।

"कबहुँ प्रबल बह मारूत, जहँ तहँ मेघ बिलाहिं। जिमि कपूत के उपजें, कुल सद्धर्म नसाहिं।।"

"कबहुँ दिवस महँ निबिड़, तम कबहुँक प्रगट पतंग। बिनसइ उपजइ ग्यान जिमि, पाइ कुसंग सुसंग।"

कभी दिन में घोर अंधकार छा जाता है, कभी सूर्य प्रकट हो जाते हैं। जैसे कुसंग पाकर ज्ञान नष्ट हो जाता है तथा सुसंग पाकर प्रकट हो जाता है।

"बरषा बिगत सरद रितु आई, लछिमन देखहु परम सुहाई। फूलें कास सकल महि छाई, जनु बरषाँ कृत प्रगट बुढ़ाई।"

वर्षा काल बीत चुका है।

शरद ऋतु आ गई है। हे लक्ष्मण, देखो, प्रकृति कितनी सुन्दर लग रही है। कास के फूल सम्पूर्ण पृथ्वी पर फूल गए हैं। जैसे यह वर्षा - काल बूढ़ा हो गया है। इस ऋतु की बुढ़ापा प्रकट हो गई है।

अब निर्मल आकाश ऐसा शोभित हो रहा है जैसे भगवत-भक्त सभी आशाओं को छोड़कर सुशोभित होते हैं। शरद काल में कहीं कहीं थोड़ी थोड़ी बर्षा होती है। जैसे विरले ही लोग भगवान की भक्ति पाते हैं।

"बिनु घन निर्मल सोह अकासा। हरिजन इव परिहरि सब आसा।। कहुँ कहुँ बृष्टि सारदी थोरी, कोउ एक पाव भगति जिमि मोरी।"

राम के इन कथनों में जिसे वे प्रकृति के सहारे लक्ष्मण को समझाते हैं, कितनी सत्यता है यह विज्ञ पाठक स्वयं जानते हैं। जी तो चाहता है तुलसी के कलम को बारम्बार प्रणाम करूँ।

कलयुग का राम

अरे सुमित्रा! तू यहाँ अपने काम में व्यस्त है, और देख तेरे रोशन को पुलिस पकड़ कर ले गयी ।"

"दीदी क्या कह रही हो ! मेरे इतने सीधे-साधे बच्चे को पुलिस क्यों पकड़ कर ले जाएगी!"

"यह तो मैं भी नहीं जानती हुआ क्या था, सुना है उसने किसी बड़े गुंडे को मार-मार कर घायल कर दिया। वह गुंडा अस्पताल में पड़ा जीवन मौत की घड़ियाँ गिन रहा है, इसलिए पुलिस हमारे रोशन को पकड़ कर ले गई है।"

बदहवास सी सुमित्रा कुछ पैसे निकालकर घर को ताला बंद कर जल्दी-जल्दी भाग चली पुलिस स्टेशन की ओर। चलते-चलते रोशन का पूरा बचपन उसकी आँखों के समक्ष चलचित्र के समान घूम गया।

एक सड़क दुर्घटना में पति को खोने के बाद लोगों के कपड़ों की सिलाई के साथ-साथ अनेक छोटे-छोटे काम कर अकेले माता-पिता बनकर सुमित्रा ने अपने रोशन का पालन पोषण किया था। रोशन भी अत्यंत मेधावी था साथ ही माता के द्वारा दिए गए संस्कार के कारण वह सभी का सम्मान भी करता था। उसके पड़ोसी हमेशा कहते –

निर्मला कर्ण

"तुमने इसका नाम रोशन क्यों रखा है, इसका नाम तुम्हें राम रखना चाहिए था।" वह हँसकर कहती –यह मेरे अंधेरे जीवन की रोशनी है।" थाने के लॉकअप में बंद बेटे को देखते ही उसकी आँखें आँसुओं से सराबोर हो गईं । " यह क्या किया तूने रोशन ! तूने उस गुंडे से मारपीट क्यों किया, तेरा भविष्य बर्बाद हो गया। एक बार भी मेरे लिए नहीं सोचा उस गुंडे को इस बुरी तरह मारते हुए ?"

"मैं क्या करता माँ ! वह एक लड़की का अपहरण करके ले जा रहा था, और वह लड़की बचाओ-बचाओ चिल्ला रही थी। क्या मैं उसे बचाता नहीं ? उसे बचाने के लिए ही मैंने गुंडे को मारना शुरू किया। यदि मैं उसे नहीं मारता तो लड़की को कैसे बचाता ! वह बहुत करुणा भरी आँखों से मुझे देखते हुए कह रही थी –'भैया मुझे बचा लो'।" "तूने एक लड़की को बचाते हुए उसे घायल किया है?'' "हाँ माँ !" "मुझे तुझ पर गर्व है, आज सच में मेरा बेटा राम हो गया! बेटा! यह राम-राज्य नहीं है इसलिए तू जेल में है।"

सावन की संपूर्णता

सावन महीने का नाम सुनते ही मन में हरियाली छा जाती है। शीतल मंद पवन के साथ हल्की फुहारें और चारों तरफ हरीतिमा ही हरीतिमा, ऐसा ही कुछ दृश्य नैनों में उभर कर आता है। कविताओं और कहानियों के माध्यम से सावन को मनभावन बताते हुए उसका इतना मनमोहक वर्णन प्रस्तुत किया गया है कि लगता है इस पावन मास में पृथ्वी की जो सुंदरता होती है, उसके सम्मुख तो शायद स्वर्ग की छवि भी फीकी पड़ जाए। बारिश की फुहारों में भीगते हुए, सखियों के साथ खेलना, हँसी-ठिठोली करते हुए झूले झूलना आदि अनेकों कल्पनाएँ मन में उभर कर आती हैं। श्रृंगार रस के लिए तो यह महीना जैसे सर्वाधिक उपयुक्त ही माना जाता है। मिलन ही नहीं विरह के श्रृंगार के लिए भी इस मास में लिखी गई कविताएँ मन को मोह लेती हैं। "कोयल की कूक के साथ विरहन के दिल की हूक", "बूंदों के जलतरंग के साथ हृदय के झंकृत तार", "सावन के झूले और राधे-श्याम के हिंडोले" ..... आदि अनेकों वर्णन मिल जाते हैं हिंदी साहित्य की काव्य परंपराओं में जहाँ सावन अपने रूप-लावण्य के साथ सभी के मन को लुभाते हुए पूर्णतया साकार हो उठता है। लेकिन अब शायद भूमंडलीय उष्मीकरण (ग्लोबल वार्मिंग) का प्रभाव कहें या कुछ और, सावन की यह काल्पनिक तस्वीर सच्चाई से अत्यधिक भिन्न प्रतीत होने लगी है। रवि किरणों का तेज तो जैसे कम होने का नाम ही नहीं लेता है। बारिश होती जरूर है लेकिन एक हठीले और शरारती बच्चे की तरह ही ग्रीष्म ऋतु विदा होने से जैसे मना कर रही हो। या फिर शायद ग्रीष्म ऋतु को भी यह सावन मास अत्यधिक प्रिय लगने लगा है इसीलिए वर्षा ऋतु के साथ शायद उसकी प्रतिस्पर्धा चल रही है कि इस पावन मास का आनंद कौन लेगा?

रुणा रश्मि 'दीप्त'

लेकिन ऋतुओं की इस प्रतिस्पर्धा में मानव मन और तन अवश्य ही विकल हो जाता है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो सदियों से चली आ रही है इस मास की जो मनमोहक छवि है, वह शायद धूमिल ही हो जाएगी।

अगर इस मास का आनंद इसकी संपूर्णता के साथ लेना है तो हम मनुष्यों को ही इसके लिए प्रयास करना होगा। अपनी महत्वाकांक्षाओं पर थोड़ा सा अंकुश लगाते हुए अपनी आदतों में कुछ परिवर्तन लाने होंगे जिससे प्रकृति खुशहाल हो सके और हमें हर ऋतु का आनंद उसकी संपूर्णता के साथ मिल सके, जैसा कि उस विशेष ऋतु का चित्र साहित्यकार प्रस्तुत करते आ रहे हैं।

रिश्तों की खुशबू

दादी सुबह से ही अपनी भौजाई का बेसब्री के साथ इंतजार कर रही थी। हमेशा आराम से रहने वाली दादी, सुबह से ही अपनी भौजाई के स्वागत की तैयारी में लगी हुई थी । नंदिनी की भी उत्सुकता बढ़ती जा रही थी कि कैसी है दादी की भौजाई और कैसा है उनका ननद-भाभी का रिश्ता ? थोड़ी देर में आखिर दादी की भाभी का पदार्पण हो ही गया। अपने बेटे का सहारा लिए उन्होंने घर में प्रवेश किया। उम्रदराज दादी की भाभी के बाल चाँदी जैसे चमक रहे थे। चेहरे पर झुर्रियों का सम्राज्य था और उनकी साड़ी को देखकर प्रतीत हो रहा था कि उन्होंने कितना यत्नपूर्वक उसको पहना होगा ।

रंजना वर्मा उन्मुक्त

चरण स्पर्श करने के लिए जब नंदिनी उनके निकट गयी तो उनके शरीर से आती हुई अप्रिय बदबू तन की समुचित सफाई न होने की गवाही दे रहे थे । लेकिन दादी पर इन सब बातों का कोई असर नहीं हो रहा था। वह अपनी भाभी के स्नेह में सराबोर हो रही थी। भाभी भी अपनी प्यारी ननद पर अपने वात्सल्य की बौछार कर रही थी। दादी भी भाभी के शरीर से आ रही दुर्गंध और उससे सब के चेहरे के बदलते रंग से अनभिज्ञ न थी। थोड़ी देर बाद ,सफर की थकान उतर जाने पर वह खुद अपनी भाभी को फ्रेश कराने के लिए बाथरूम में ले गई । उनके बालों में शैंपू कर ,पूरे शरीर में साबुन मलकर उन्हें नहलाया। फिर जैसे गुड़िया को साड़ी पहनाया जाता है वैसे उन्हें साड़ी पहनाकर, बालों में कंघी करके उन्हें बड़े प्रेम से कुर्सी पर बिठा दिया। महारानी सी बैठी भाभी का चेहरा खुशियों से चमक रहा था । वह अपने नैनों से अपनी ननद पर स्नेह की बरसात कर रही थी और दादी आग्रह कर कर के उन्हें प्यार से खाना खिला रही थी। ननद- भाभी के प्रेम का नजारा नंदनी अभी और देखना था । भाभी अपना बक्सा खोले बैठी थी । उसमें जो साड़ियाँ थोड़ी सी भी चटक थीं, उन्हें वह निकालती जा रही थी। उन साड़ियों को दादी के हाथ में देकर वह बोली ,"यह सब साड़ियाँ अब इस उम्र में मुझ पर शोभा नहीं देती। इसे तुम ही पहनो।" 'दादी की भी तो उम्र कम नहीं।'... नंदिनी के चेहरे पे स्मित मुस्कान आ गई । वह सोच में पड़ गई...'रिश्तों की ऐसी खुशबू आजकल कहाँ खो गई है ?'

बुरा सपना

सरिता सिंह

मैं देख रही हूँ...
सदियों पुरानी इमारतों को
खामोशी से ढहते दरकते हुए
छायादार दरख़्तों
को
ज़मीदोज़ होते हुए
और जिस जगह में
खड़ी हूँ
महसूस कर रही हूँ
पाँव के नीचे की
उस जमीन को
धीरे-धीरे गर्म लावे में पिघलते हुए!
मैं देख रही हूँ...
उन परिंदो को
जिन्हें अपनी उड़ान से गान से
अब विरक्ति सी होने लगी है
अपने ही चोंच से वो
अपने परों को कतरने में व्यस्त हैं
मैं देख रही हूँ
उनके नीले आसमान को
सुनहरे पिंजड़े में बदलते हुए!
मैं महसूस रही हूँ...
खिले हुए फूलों में से
खुशबू की जगह धुँए की गंध
हवा में भी राख की खुशबू है
जैसे..जलाए गए हों
कहीं कागज के पन्ने
और देख रही हूँ पहली बार
शमा की आग में परवानों को नहीं
बल्कि जिंदा इंसानों को जलते हुए..!
आसमान सिमटा
परिंदे...परिंदे न रहे
हवा जहरीली हुई
फूल...फूल न रहे
इंसान भी कहाँ अब इंसान रहे...
मैं देख रही हूँ...
वक्त के साथ-साथ तेजी से
सबको अपनी परिभाषा बदलते हुए..!
या फिर शायद...
मैं देख रही हूँ कोई बुरा सपना..!

गजल

अभिनव अरुण

बहुत होने पे भी कुछ भी यहाँ हासिल नहीं होता।
अगर इंसान में इंसान जैसा दिल नहीं होता।
ये रुतबा रौब माल-ओ-ज़र धरे रह जाते सबके सब,
मियाँ सामान कम हो तो सफ़र मुश्किल नहीं होता।
अगर मीज़ान पे बैठे हो तो गहरी नज़र रखना,
लहू के छींटे होने से कोई क़ातिल नहीं होता।
बहुत गहरा समंदर है सफर में ने किया रखना,
बदी की नाव का अक्सर कोई साहिल नहीं होता।
जलाता कौन अपना दिल पिघलते मोम से यारो,
अगरचे इश्क़ के अंजाम से ग़ाफ़िल नहीं होता।
ख़ुदा की नेमतें होती हैं तो इक शेर होता है,
कोई शाइर किसी के हुस्न का बिस्मिल नहीं होता।
मगर इक शेर जो हर बार उद्धृत आप करते हैं,
न होता उनके गालों पर अगर वो तिल नहीं होता।
अगर हर आदमी जुगनू बने तो,
यहाँ कण कण में उजियारे मिलेंगे।
जो जंगल से हुए थे बेदखल कल,
शहर में आज बंजारे मिलेंगे।

काव्य कोना

क्यों नींद से जगा दिया?

किसी चिर-परिचित आवाज ने
क्यों नींद से जगा दिया?
छवियों के घेरे में चुप थी जिन्दगी
यादों के साये में गुम थी जिन्दगी
हल्के झोंकों ने और भी ठहरा दिया
फिर आवाज दे,
क्यूँ दिल में हलचल मचा दिया?
क्यों नींद से जगा दिया?
चलो, अच्छा किया जगा दिया
अतीत से निकाल कर
वर्तमान और भविष्य से सामना करवा दिया
यत्न और प्रयत्न के बीच ला दिया
यथार्थ का आईना दिखला दिया
किसी चिर-परिचित आवाज ने
क्यों नींद से जगा दिया?

नाग मणि

डंके की चोट पर .... कुआँ चला प्यासे के पास

मनीषा सहाय सुमन

व्यंग्य वचन

यह कहावत तो आपने सुनी होगी कि प्यासा कुँए के पास जाता है, कुआँ प्यासे के पास नही !

पर भैया इस कलियुग में कुछ भी हो सकता है। और ऐसा ही कुछ हिंदी साहित्य के इस छपास युग में संभव हो रहा है। अब हमारी हिंदी इतनी सरल सफल भाषा है कि मुझे यह पढ़ने से ज्यादा लिखने में रूचिकर लगती है और लगे भी क्यों नही मातृभाषा जो ठहरी । माँ की तरह जो चाहो जैसा चाहो व्यवहार करो, मातृत्व के आँचल की छाया का सुख और साथ ही भूख मिटाने का उपाय तो इसकी प्रवृति में ही रचा बसा है। बाकी भाषाओं के बारे में कुछ कहने से बचते हुए मैं हिंदी पर एकाधिकार जमाते हुए,मैं भी छपास समर में कूद पड़ी हूँ ।

व्यंग्य लेखन में वैसे आधी आबादी की स्थिती थोड़ी तंग है क्योंकि उसके अपने हजारों दुखड़े व सुख है बयाँ करने के लिये तो इसमे हाथ आजमाने की कोशिश करना मतलब सीधे एक और पुरुष प्रधान क्षेत्र में घुसपैठ करना है! अब हमारी आदते भी शुरु से कुछ ऐसी ही है कि बिना पंगा लिये चैन भी नही मिलता है!

तो क्या आइये प्रचलित छपासों के मिथक से दो दो हाथ करते हैं ।

ऐसा कई बार कहते सुना गया है कि "आजकल पाठकीय वर्ग का ह्रास देखने को मिलता है । यह वही कहते है जिनके झोली में करीबन दस बीस isbn तो जरूर होगा। लिखने का शौक इस कदर सवार है कि पढ़ना की जरूरत क्या??

और किसी निम्न या नवांकुर रचनाकार को पढ़े इसकी जरूरत भी क्या???

आज फेसबुक के जमाने में बड़े छोटे हो चुके हैं और छोटे रचनाकार बड़प्पन दिखा रहें है। यही कारण है कि वह पढ़ भी रहें हैं और बढ़िया लिख भी पा रहें है। आज पाठक का एक बड़ा वर्ग लेखक वर्ग में बदल चुका है । आज दुनिया में किसी भी युग से ज्यादा पुस्तके छप रहीं हैं और बट भी रहीं हैं। जब लोग लिख ज्यादा रहें है तो बेशक वह कहीं न कहीं तो पढ़ भी रहें होंगे! क्योकि बिना पढ़े लेखन असंभव है!

गुगल महाराज की कृपा सभी पर बनी रहे और हाँ सारी दुविधा का एक हल मोबाइल पर हाथ का अँगूठा अपना कमाल दिखाता रहे, छापने के लिये संपादक के साथ पत्र पत्रिकाएँ खुद ब खुद अब प्यासे के पास आ पहुँचती हैं और यदि आप अब भी इनकी पहुँच से दूर हैं तो एक सरल छपास उपाय अपना लिखा मुखपोथी अथार्त फेसबुक पर एक जबरदस्त तस्वीर के साथ चिपका दें ! छपास का यह हठधर्मी तरीका व्यवहारिक रूप से सफल है। जहाँ कभी कविता तो कभी वनिता की तस्वीर अपना कमाल दिखा ही देती है। अब एक अन्य मिथक "रचना चोरी" का कोहराम फेसबुक पर मचता है ! पर आज के युग में मौलिकता का दावा कहाँ तक उचित है यह प्रश्न खुद से पूछना ही ठीक है। और चलिए किसी नें चुरा भी लिया तो क्या? लेखक तो समाजिक सरोकार बदलाव के लिये एक गंभीर लड़ाई लड़ता रहता है फिर उसकी लेखनी प्रेरणा बन रूप बदल कर दिखे तो चोरी का सवाल नही उठता है। हमसे उपर वाले अपने उपर वाले से प्रेरणा लेते हैं और हम उनसे।

भलाई इसी में है कि चुपचाप से मंचो पर बने रहो , लिखने के शौकीन तरह - तरह की रचना प्रस्तुत करेंगे बस पकापकाया माल तैयार मिल जाएगा , शब्दों की हेरा फेरी या कहें की विषय वस्तु को थोड़ा तोड़ - मरोड़ अपनी कविता कहानी तैयार करो । जहाँ जैसी उपयेगिता दिखाई दे वहाँ उसका प्रयोग कर लो और बस वाहवाही हर तरफ से झोली में । सीखना और सिखाना बहुत दूर की बात , लेखन छिप- छिपाकर करों , पेपर व पत्रिका तक दौड़ो और देखन मंचों पर सुबह- सुबह फेंक मारो कि मैं छप गई ! मै छप गया! अतः यहाँ का माल वहाँ और वहाँ का माल यहाँ ! बड़ी महिमा है इस युग की ,पर इन सभी खींचतान में अपनी हिंदी सरल सीधी बड़ी प्रसन्न नजर आ रही है । हर वर्ग हर क्षेत्र के लोग इसमें पहचान बना रहें है निःसंदेह पत्रकार और साहित्यकार के पंजों में छटपटाती हिंदी अब खुलकर साँस ले पा रही है।

संयोजक : नरेश अग्रवाल

मन के रिश्ते

जाने कितने प्यारे रिश्ते -साथ हमारे
चलते हैं, खुशियों के कुछ पल अपने हों,
दिल से प्यारे लगते हैं
सुख दु:ख के कोमल धागों में ,मन बंधता
है, जाने क्यों, अनजाने पथ के राही भी ,
स्नेह-सहारे लगते हैं।
फुरसत में रहकर भी हम
स्वप्न सृजन के बुनते हैं,
मिट जाते मन के अंधियारे,
सब उजियारे लगते हैं।
तुम हो साथ अगर मेरे तो
,काँटों से भी प्यार करूँ ,
एकाकी चलना भी जैसे -सब
अनियारे लगते हैं, सरल हृदय बुनता
रहता है,कोई सपना पलकों पर ,
आंसू से भींगे गीतों में -भाव तुम्हारे सजते
हैं , मन-दर्पण में देखा तुमको , जाने
कितने रूपों में, मोहक है हर रूप तुम्हारा,
चाँद-सितारे कहते हैं।

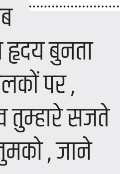
पद्मा मिश्र

आज का दोहा

मेघा बरसे हैं मगर, बहुत दिनों के बाद।
धरती हरियायी वहीं, जहाँ वृक्ष आबाद।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

अमरनाथ यात्रा : 1.63 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

एजेंसी। श्रीनगर

अमरनाथ यात्रा ने आस्था और भक्ति का एक नया इतिहास रच दिया है। 3 जुलाई से शुरू हुई इस पवित्र यात्रा में अब तक 1.63 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं। इसके साथ ही शनिवार को जम्मू से 6,639 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था कश्मीर के लिए रवाना हुआ।

इस साल की अमरनाथ यात्रा के लिए प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। यह यात्रा पहलगाम हमले के बाद हो रही है, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी। 180 अतिरिक्त सीएपीएफ कंपनियों को सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत बढ़ाने के लिए लाया गया है। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से गुफा मंदिर तक के पूरे रास्ते और दोनों आधार शिविरों के रास्ते में सभी पारगमन शिविरों को सुरक्षा बलों ने सुरक्षित कर लिया है। सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत को बढ़ाने के लिए सीएपीएफ की 180 अतिरिक्त कंपनियां लाई गई हैं। पूरे मार्ग को सुरक्षा बलों द्वारा सुरक्षित कर लिया गया है। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वाले लोग चंदनवाड़ी, शेषनाग और पंचतरणी से होकर गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं और 46 किलोमीटर की पैदल दूरी तय करते हैं।तीर्थयात्रियों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं। वहीं, छोटे बालटाल मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए 14 किलोमीटर की पैदल यात्रा करनी पड़ती है और यात्रा पूरी करने के बाद उसी दिन आधार शिविर लौटना पड़ता है।

3 जुलाई से यात्रा शुरू तीर्थयात्रा के लिए सख्त सुरक्षा इंतजाम

अधिकारियों ने बताया कि 3 जुलाई से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा में अब तक **1.63** लाख लोग बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। आज **6,639** तीर्थयात्रियों का एक और समूह जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से दो सुरक्षा काफिलों के साथ कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा कि **2,337** यात्रियों को लेकर **116** वाहनों का पहला सुरक्षा काफिला तड़के **2.50** बजे बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ, जबकि **4,302** यात्रियों को लेकर **161** वाहनों का दूसरा सुरक्षा काफिला तड़के **3.55** बजे नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। पहलगाम में गुरुवार को 'छड़ी मुबारक' (भगवान शिव की पवित्र गदा) का भूमि पूजन किया गया।

कांवड़ यात्रा के लिए व्यापक इंतजाम, पुलिस ने बनाए 5 कंट्रोल रूम और 10,000 'कांवड़ मित्र'

गाजियाबाद। सावन का पवित्र महीना शुरू हो चुका है और गाजियाबाद में कांवड़ यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए पुलिस प्रशासन ने व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि जिले में 85 किलोमीटर लंबे कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा और सुविधा के लिए चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं। पुलिस ने कांवड़ मार्ग को 124 बीट में विभाजित किया है, प्रत्येक बीट की लंबाई 700-800 मीटर है। हर बीट में एक सब-इंस्पेक्टर की अगुवाई में चार पुलिसकर्मी तैनात हैं, जो दिन-रात ड्यूटी पर रहकर समस्याओं का तुरंत समाधान करेंगे। इसके अलावा, 10,000 कांवड़ मित्र नियुक्त किए गए हैं, जो पुलिस के साथ मिलकर कांवड़ियों की मदद करेंगे। ये कांवड़ मित्र कांवड़ियों की सुविधा और यात्रा को निर्बाध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।कांवड़ मार्ग की निगरानी के लिए गाजियाबाद में पांच मुख्य कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं, जिनमें मेरठ तिराहा और तीनों जोनल कंट्रोल रूम शामिल हैं। इनके अधीन अस्थायी उप-कंट्रोल रूम भी बनाए गए हैं, जैसे राज चौपला, निवाड़ी रोड और एनएच-9 चौराहा। इन कंट्रोल रूम से सीसीटीवी के माध्यम से पूरे मार्ग पर नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके। दूधेश्वर नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।

राहुल गांधी को ज्ञान नहीं, जो उन्हें लिखकर दिया जाता है, वही बोलते हैं : धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी। भुवनेश्वर

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर ओडिशा की संस्कृति का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राहुल गांधी को कोई ज्ञान नहीं है। वह आमतौर पर जनसभा में वही बोलते हैं, जो उन्हें लिखकर दिया जाता है। उन्हें उस विषय वस्तु के बारे में तनिक भी जानकारी नहीं होती है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राहुल गांधी ने ओडिशा की जनता और उनकी पार्टी द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अपमान के लिए माफी मांगने की बजाय अहंकार दिखाया।उन्होंने कहा, "राहुल गांधी को ओडिशा की संस्कृति और परंपराओं का कोई ज्ञान नहीं है। ओडिशा में जब कोई बड़ा नेता या राष्ट्रपति जैसे सम्मानित व्यक्ति आते हैं, तो उन्हें भगवान जगन्नाथ का पवित्र वस्त्र भेंट किया जाता है। यह हमारी परंपरा है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, रामनाथ कोविंद और गृहमंत्री अमित शाह ने सम्मान दिया। लेकिन, राहुल गांधी ने इस परंपरा का अपमान किया।" उन्होंने कहा, "राहुल गांधी को ओडिशा की भाषा, साहित्य और सभ्यता की कोई समझ नहीं है। वे सिर्फ नाटक करते हैं। उनकी बातों में कोई दम नहीं है।"उन्होंने राहुल गांधी की तुलना एक ऐसे व्यक्ति से की, जिसकी "पढ़ाई कम, लेकिन स्कूल बैग बड़ा" है,।

राधिका यादव हत्याकांड

पिता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया, पूर्व कोच से बातचीत सामने आई

एजेंसी। नई दिल्ली

राधिका हत्याकांड में एक नए घटनाक्रम में, आरोपी पिता दीपक यादव को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह घटना गुरुग्राम के सेक्टर 57 स्थित सुशांत लोक स्थित परिवार के दोमंजिला घर में हुई, जहाँ 25 वर्षीय राधिका की उसके 49 वर्षीय पिता ने कथित तौर पर नजदीक से गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस के अनुसार, राधिका एक टेनिस अकादमी चलाती थी, जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। जांचकर्ताओं ने पहले कहा था कि दीपक अपनी बेटी की कमाई पर पलने-बढ़ने के कारण उपहास किए जाने से शर्मिंदा और परेशान था, जिसकी वजह से घर में तनाव बढ़ सकता है। पुलिस के अनुसार, कई संपत्तियों से स्थिर किराये की आय होने और राधिका पर आर्थिक रूप से निर्भर न होने के बावजूद, दीपक पिछले कुछ हफ़्तों से अवसादग्रस्त था। माना जा रहा है कि अपनी बेटी की सफलता को लेकर चल रहे भावनात्मक तनाव और कथित तानों ने इस दुखद घटना में भूमिका निभाई।

आज का राशिफल

मेष : आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा।

वृष : सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे।

मिथुन : नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा।

कर्क : ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ।

सिंह : आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं।

कन्या : 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें।

तुला : जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा।

वृश्चिक : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी।

धनु : अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

मकर : कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा।

कुंभ : होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं।

मीन : राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है।

एयरलाइन पायलट एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने एएआईबी रिपोर्ट पर उठाये सवाल, कहा-

रिपोर्ट हुई लीक, जांच में पारदर्शिता नहीं

एजेंसी। अहमदाबाद

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने शनिवार आधी रात के कुछ ही देर बाद एयर इंडिया फ्लाइट 171 दुर्घटना की अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की। जाँच ब्यूरो ने एयर इंडिया B787-8 विमान दुर्घटना पर एक प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा है कि जेट ईंधन स्विच 'हवा में 1 सेकंड के अंतराल पर बंद हो गए', एक पायलट को यह कहते हुए सुना गया कि 'मैंने ईंधन बंद नहीं किया'। नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने ज़ोर देकर कहा है कि 12 जून को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे की जाँच रिपोर्ट में केवल प्रारंभिक निष्कर्ष हैं। मुझे नहीं लगता कि हमें इस पर जल्दबाज़ी में कोई निष्कर्ष निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि जाँच दल ने सराहनीय काम किया है। हम एआईबीबी (विमान दुर्घटना जाँच ब्यूरो) के साथ समन्वय कर रहे हैं ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता हो। हमें उम्मीद है कि अंतिम रिपोर्ट जल्द ही आ जाएगी ताकि हम किसी निष्कर्ष पर पहुँच सकें। वहीं अब जांच ब्यूरो की प्रारंभिक रिपोर्ट पर, एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने भी अपना बयान जारी किया है जिसमें उन्होंने कहा, "जांच का लहजा और दिशा पायलट की गलती की ओर झुकाव का संकेत देती है। हम इस धारणा को पूरी तरह से खारिज करते हैं और निष्पक्ष, तथ्य-आधारित जांच पर ज़ोर देते हैं।"रिपोर्ट बिना किसी ज़िम्मेदार अधिकारी के हस्ताक्षर या जानकारी के मीडिया में लीक कर दी गई।

जांच ब्यूरो की प्रारंभिक रिपोर्ट कई संदेह छोड़ती है

जांच ब्यूरो की प्रारंभिक रिपोर्ट पर, एयर मार्शल संजीव कपूर (सेवानिवृत्त) कहते हैं, 'कल रात आई प्रारंभिक रिपोर्ट, मेरी राय में, कई संदेह छोड़ती है। इंजन क्यों फेल हुए? पायलट ने मेडे कॉल दिया है, जो पायलट द्वारा गंभीर आपात स्थिति में दिया जाता है। आरएटी (रैम एयर टर्बाइन) इंगित करता है कि संपूर्ण विद्युत और संपूर्ण इंजन दोनों फेल हो गए हैं। 787 मैनुअल की समीक्षा करने पर, मैंने देखा कि जब दोनों इंजन बंद हो गए हैं, तो लीवर को पुन: आरंभ करने के लिए मैन्युअल रूप से हिलाना होगा। मेरी राय में, पायलट उड़ान भर रहे हैं और इंजन फेल हो गए हैं, और मेडे कॉल देने के बाद इस छोटी अवधि में, उन्होंने इंजन को पुन: आरंभ करने का प्रयास किया है'

अहमदाबाद एयर इंडिया विमान दुर्घटना पर एएआईबी की जांच रिपोर्ट

पायलटों की आखिरी बातचीत ने दिया नया मोड़

अहमदाबाद। विमान दुर्घटना जाँच ब्यूरो (एएआईबी) ने शनिवार आधी रात के कुछ देर बाद एयर इंडिया फ़्लाइट 171 दुर्घटना की अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट में कॉकपिट की नाटकीय आवाज़ों की रिकॉर्डिंग सामने आई है जिसमें एक पायलट को एहसास हुआ कि उड़ान भरते समय दोनों इंजनों का ईंधन बंद हो गया था, जबकि उसके सहयोगी ने इस बात से इनकार किया कि उसने ऐसा किया था। 260 लोगों की जान लेने वाली इस दुर्घटना के ठीक एक महीने बाद प्रकाशित 15-पृष्ठों की यह रिपोर्ट, दशकों में भारत की सबसे भीषण विमानन दुर्घटना के अंतिम क्षणों का पहला आधिकारिक विवरण प्रस्तुत करती है और एक साथ दो इंजनों के फेल होने के कारणों को लेकर नए सवाल खड़े करती है।

जांच में पारदर्शिता का अभाव है

जांच ब्यूरो की प्रारंभिक रिपोर्ट पर, एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कहा, 'जांच का लहजा और दिशा पायलट की गलती की ओर झुकाव का संकेत देती है। हम इस धारणा को पूरी तरह से खारिज करते हैं और निष्पक्ष, तथ्य-आधारित जांच पर ज़ोर देते हैं।' रिपोर्ट बिना किसी ज़िम्मेदार अधिकारी के हस्ताक्षर या जानकारी के मीडिया में लीक कर दी गई। जांच में पारदर्शिता का अभाव है क्योंकि जांच गोपनीयता में लिपटी हुई है, जिससे विश्वसनीयता और जनता का विश्वास कम हो रहा है। योग्य, अनुभवी कर्मियों, खासकर लाइन पायलटों को अभी भी जांच दल में शामिल नहीं किया जा रहा है।

रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि दोनों इंजन बंद हो गए

रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद दोनों इंजन बंद हो गए और इंजन 1 और इंजन 2 के ईंधन कटऑफ स्विच एक सेकंड के भीतर ही RUN से CUTOFF में बदल गए। एएआईबी के अनुसार, दुर्भाग्यपूर्ण विमान के दोनों इंजनों में शुरुआती गतिरोध के बाद क्षणिक सुधार हुआ, लेकिन अंतत: वे स्थिर नहीं हो पाए। इस दुर्घटना में अंतत: 260 लोगों की मौत हो गई।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना पर प्रारंभिक रिपोर्ट जारी

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (AAIB) ने 12 जून 2025 को अहमदाबाद में हुई एयर इंडिया B787-8 विमान दुर्घटना पर प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की। प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया, 'ड्रोन फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी सहित मलबा स्थल की गतिविधियां पूरी हो चुकी हैं और मलबे को हवाई अड्डे के पास एक सुरक्षित क्षेत्र में ले जाया गया है। दोनों इंजनों को मलबा स्थल से निकालकर हवाई अड्डे के एक हैंगर में अलग रखा गया है। आगे की जांच के लिए आवश्यक घटकों की पहचान कर उन्हें अलग रखा गया है। विमान में ईंधन भरने के लिए इस्तेमाल किए गए बोसर और टैंकों से लिए गए ईंधन के नमूनों का DGCA की प्रयोगशाला में परीक्षण किया गया और वे संतोषजनक पाए गए। एपीयू फ़िल्टर और बाएं पंख के रिफ्यूल/जेटसन वाल्व से बहुत सीमित मात्रा में ईंधन के नमूने प्राप्त किए जा सके। इन नमूनों का परीक्षण एक उपयुक्त सुविधा में किया जाएगा।

एयर इंडिया हादसे की रिपोर्ट प्रारंभिक, जल्दबाज़ी न करें: उड्डयन मंत्री

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने ज़ोर देकर कहा है कि 12 जून को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे की जाँच रिपोर्ट में केवल प्रारंभिक निष्कर्ष हैं। शनिवार को आई रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने विशाखापत्तनम में पत्रकारों से कहा कि मुझे नहीं लगता कि हमें इस पर जल्दबाज़ी में कोई निष्कर्ष निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि जाँच दल ने सराहनीय काम किया है। हम एआईबीबी (विमान दुर्घटना जाँच ब्यूरो) के साथ समन्वय कर रहे हैं ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता हो। हमें उम्मीद है कि अंतिम रिपोर्ट जल्द ही आ जाएगी ताकि हम किसी निष्कर्ष पर पहुँच सकें। राम मोहन नायडू ने कहा कि मैं सचमुच मानता हूं कि पायलटों और चालक दल के मामले में हमारे पास पूरी दुनिया में सबसे शानदार कार्यबल है। एअर इंडिया की उड़ान एआई-171 के दोनों इंजन में ईंधन पहुंचाने वाले स्विच बंद हो गए थे और इसके बाद पायलटों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई, जिसके कुछ ही सेकंड बाद विमान अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि उसने ईंधन क्यों बंद किया, तो जवाब मिला कि उसने ऐसा नहीं किया। इसी वर्ष 12 जून को बोइंग 787 विमान से जुड़ी इस दुर्घटना में 260 लोगों की मौत हो गई थी। विमान में सवार 242 व्यक्तियों में से केवल एक ही जीवित बचा था। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा शनिवार को जारी प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया कि विमान के ऑपरेटरों के लिए फिलहाल कार्रवाई की कोई सिफारिश नहीं की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, जब विमान ने उड़ान भरी, उस समय सह-पायलट विमान उड़ा रहा था और कप्तान निगरानी कर रहा था। रिपोर्ट में कहा गया है, "विमान ने भारतीय समयानुसार अपराह्न एक बजकर 38 मिनट 42 सेकंड पर अधिकतम दर्ज की गई गति 180 नॉट्स आईएएस हासिल की और एक सेकेंड बाद ही इंजन-1 और इंजन-2 के ईंधन 'कटऑफ स्विच' क्रमश: रन' से कटऑफ' स्थिति में चले गए।

उत्तराखंड में फर्जी साधुओं पर शिकंजा

देहरादून-हरिद्वार में पकड़े गए 30 से ज्यादा ढोंगी, एक बांग्लादेशी भी शामिल

एजेंसी। उत्तराखंड

उत्तराखंड में ढोंगी साधुओं के खिलाफ अभियान ऑपरेशन कालनेमि जोर-शोर से चल रहा है। शुक्रवार को देहरादून में एक बांग्लादेशी समेत 25 ढोंगी बाबाओं को पकड़ा गया। हरिद्वार पुलिस ने इसी अभियान को आगे बढ़ाते हुए धर्मनगरी में 13 फर्जी बाबाओं को पकड़ा। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने ऑपरेशन कालनेमि का स्वागत किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर उत्तराखंड में ऑपरेशन कालनेमि के आदेश दिए। राजधानी देहरादून में ऑपरेशन कालनेमि के पहले दिन 25 फर्जी बाबाओं को पकड़ा गया।

एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने कहा कि ऑपरेशन 'कालनेमि' के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। अब तक 50 से ज़्यादा ऐसे कालनेमि (फर्जी बाबा) गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनमें 7-8 ऐसे लोग भी हैं जो बाबा का वेश धारण किए दूसरे धर्मों के हैं। ऐसे लोगों की पहचान की जा रही है और कार्रवाई की जा रही है। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने इस अखबार को बताया कि इस अभियान में विभिन्न थाना क्षेत्रों में साधुओं और संतों के वेश में घूम रहे संदिग्धों की पहचान की गई। एसएसपी सिंह ने कहा कि मैं खुद नेहरू कॉलोनी गया और इन लोगों से पूछताछ की। चूँकि उनके पास ज्योतिष या आध्यात्मिक मार्गदर्शन का कोई प्रमाण पत्र नहीं था, इसलिए उन्हें जनता को धोखा देने का दोषी माना गया और बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

वन विभाग का लिपिक 50 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया

मथुरा। उत्तर प्रदेश पुलिस के भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एसीओ) ने मथुरा में शुक्रवार को वन विभाग के प्रधान लिपिक को पेट्रोल पंप लगाने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने के नाम पर कथित रूप से पचास हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आगरा से आई एसीओ की टीम ने आरोपी के खिलाफ जमुना पार थाने में प्राथमिकी दर्ज कराकर उसे अपने साथ ले गई है। उसे शनिवार को मेरठ में भ्रष्टाचार निरोधक मामलों की सुनवाई के लिए अदालत में पेश किया जाएगा।

पीर पंजाल में 50 आतंकियों की तलाश अमरनाथ यात्रा हेतु 'ऑपरेशन शिव' शुरू

एजेंसी। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के पीर पंजाल पर्वतीय क्षेत्र और इसके दक्षिणी भागों में सुरक्षा बलों ने एक व्यापक और सुनियोजित आतंकवाद-विरोधी अभियान शुरू कर रखा है।इस अभियान का उद्देश्य, लगभग 40–50 आतंकवादियों का पता लगाना और उन्हें निष्क्रिय करना है, जो कि क्षेत्र में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े हैं। हम आपको बता दें कि उधमपुर, रेयासी, डोडा और किश्तवाड़ जिलों में करीब 30 जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी सक्रिय बताए जा रहे हैं। राजौरी और पुंछ जिलों में 15–20 अन्य आतंकी मौजूद हैं। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, इन आतंकवादियों में से 80–85% पाकिस्तानी नागरिक हैं, जो घाटी में घुसपैठ कर छिपे हुए हैं। सुरक्षा बलों ने इन आतंकियों को पकड़ने और उनके ठिकानों को खत्म करने के लिए बहु-स्तरीय रणनीति अपनाई है। आतंकियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन और निगरानी विमान तैनात किए गए हैं। इसके अलावा, आतंकियों को सीमा पार से मिलने वाली हथियार और सामान की हवाई आपूर्ति को रोकने के लिए एंटी-ड्रोन तकनीक सक्रिय की गई है।

विधानसभा चुनाव | चुनाव से पहले नीतीश सरकार का मास्टरस्ट्रोक

बिहार में अब 100 यूनिट मुफ्त बिजली देने की तैयारी

- ऊर्जा विभाग के प्रस्ताव को वित्त विभाग से मंजूरी मिल चुकी है

एजेंसी। पटना

बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव से पहले, नीतीश सरकार मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए नई-नई योजनाओं का ऐलान कर रही है। पिछले दिनों पेंशन में बढ़ोतरी की गई थी। अब, बिहार सरकार ने मुफ्त बिजली देने की तैयारी में है। यह फैसला सीधे तौर पर आम लोगों की जेब पर असर डालेगा, पैसों की बचत होगी। इसके साथ ही कहा जा रहा है कि यह सुविधा केवल घरेलू उपभोक्ताओं को दी जाएगी। चुनाव से पहले इसे नीतीश कुमार का मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है।

बिहार सरकार ने हर परिवार को 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की योजना तैयार की है। ऊर्जा विभाग के प्रस्ताव को वित्त विभाग से मंजूरी मिल गई है। उम्मीद है कि जल्द ही यह प्रस्ताव कैबिनेट के समक्ष लाया जाएगा। इस चुनावी साल में नीतीश सरकार बिहार के बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देने की तैयारी में है। राज्य सरकार 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की योजना पर विचार कर रही है, जिसका सीधा फायदा लाखों परिवारों को होगा। इससे उपभोक्ताओं को हर महीने सैकड़ों रुपये की बचत होगी और उनकी जेब पर महंगाई का बोझ भी कम होगा। इस योजना पर अंतिम फैसला कैबिनेट की बैठक में लिया जाएगा। अगर इस योजना को मंजूरी मिल जाती है, तो जल्द ही राज्य में इसकी घोषणा की जा सकती है। माना जा रहा है कि इस योजना से उन गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी, जिन्हें हर महीने बिजली का बिल चुकाना मुश्किल होता है। उल्लेखनीय है कि बिहार में 2025 में विधानसभा चुनाव होने हैं और राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं।

पेंशनधारियों के खातों में पहुंचे पैसे

भागलपुर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत 1,11,19,949 पेंशनधारियों के खातों में 12,27,27.38 लाख रुपए का हस्तांतरण डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर भागलपुर के टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार के श्रम संसाधन मंत्री सह भागलपुर के प्रभारी मंत्री संतोष कुमार सिंह ने किया। जिसे अब बढ़ाकर 1100 रुपए कर दिया गया है। यह बढ़ी हुई राशि जून 2025 से प्रभावी होगी।

आईआईएम कलकत्ता की सेकेंड ईयर की लड़की के साथ बॉयज हॉस्टल में रेप

ब्यूरो। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आ रहा है। ऐसा आरोप लगा है एक सेकेंड ईयर की लड़की के साथ बॉयज हॉस्टल में रेप किया गया। इस मामले की जांच पुलिस ने शुरू कर दी है और एक संदिग्ध को गिरफ्तार भी किया है। अपनी शिकायत में पीड़िता ने बताया है कि काउंसलिंग सेशन के नाम पर उसे बॉयज हॉस्टल में बुलाया गया था। वहां पर फिर उसे कुछ चीज खाने की दी गई और पीने के लिए ड्रिंक भी मिली। उसके बाद वो बेहोश हो गई और जब होश में आई तो उसने खुद को हॉस्टल में पाया और उसे पता चला कि उसके साथ रेप हुआ है।पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी थी। लेकिन बिना घबराए पीड़िता ने पास के ही पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई। इसके बाद पुलिस ने एक युवक को डिटेन भी किया, लेकिन अभी तक साफ नहीं है वो शख्स ही असल मास्टरमाइंड है या नहीं। शुरुआती जानकारी के बाद ऐसा भी पता चला है कि पीड़िता और आरोपी सबसे पहले सोशल मीडिया के जरिए एक दूसरे से मिले थे। लेकिन लड़की का किसी दूसरे शख्स के साथ किसी बात को लेकर तनाव था, इस वजह से उसने आरोपी से मदद मांगी और फिर इस आरोपी ने लड़की को अपने कैंपस पर बुलाया। उस समय दोनों का एक कॉमन दोस्त भी उस हॉस्टल में साथ पहुंचा था। लेकिन बाद में आरोपी ने लड़की से अकेले में बात करने की बात कर दी। इस समय पुलिस सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है और कैंपस के छात्रों से भी लगातार पूछताछ हो रही है। एक हैरानी वाली बात यह भी सामने आई है कि लड़की से विजिटिंग रजिस्टर पर कोई साइन नहीं करवाया गया था। समझने वाली बात यह है कि कैंपस नियमों के मुताबिक अगर कोई बॉयज हॉस्टल में आएगा तो सबसे पहले उसे रजिस्टर में साइन करना जरूरी है, लेकिन यहां पर ऐसा कुछ नहीं हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक जिस समय पीड़िता बॉयज हॉस्टल में पहुंची, वहां उसे सबसे पहले पिज्जा और सॉफ्ट ड्रिंक दी गई। कुछ देर बाद ही वो बेहोश हो गई।कॉलेज कैंपस से इस मामले का सामने आना चिंता का विषय बन चुका है। इससे पहले कोलकाता ला कॉलेज से भी एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया था जहां पर पीड़िता के साथ गैंगरेप किया गया। उस मामले में भी पुलिस ने तेज कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

केंद्र व दिल्ली ने बनाया 'क्लीन यमुना' प्लान, खर्च होंगे 9000 करोड़ रुपए

ब्यूरो। नई दिल्ली

केंद्र में तो भाजपानीत सरकार का तीसरा टर्म है, लेकिन न दिल्ली में हाल ही में भाजपा की सरकार बनी है। इसके पहले आम आदमी पार्टी की सरकार थी। आम आदमी पार्टी की सरकार ने यमुना क्लीन योजना के लिए केन्द्र की मोदी सरकार से लगातार धन की मांग करती रही , इसी तरह अन्य कई महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए धन की मांग करती रही। लेकिन केन्द्र सरकार ने धन नहीं दिया। अब दिल्ली राज्य में भाजपा की सरकार आ गई है तो यमुना के साफ करने के लिए 9000 करोड़ रुपये महा बजट वाला प्लान बन गया। इस के लिए कहा जा रहा है कि इस अभियान का उद्देश्य देश की राजधानी को स्वच्छ जल व प्रदूषण मुक्त यमुना उपलब्ध कराना है। राज्य की मुख्यमंत्री इस नदी पुनरुद्धार प्रयासों का नेतृत्व कर रही हैं, और इसकी निगरानी उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना व लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा कर रहे हैं।देखिए कितने माह में ये परियोजना पूरा होती है और 9000 करोड़ रुपये खर्चने के बाद कितना साफ होती है?वैसे तो कहा जा रहा है कि दिल्ली जल बोर्ड ने राजधानी के जल बुनियादी ढांचे में सुधार, सीवरेज नेटवर्क को उन्नत करने, टैंकर सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ाने और अत्यधिक प्रदूषित यमुना नदी को पुनर्जीवित करने के लिए 45-सूत्री कार्य योजना शुरू की है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, 9,000 करोड़ रुपये के बजट से समर्थित इस व्यापक योजना के अगले वर्ष तक पूरा होने की उम्मीद है। इस अभियान का उद्देश्य राजधानी को स्वच्छ जल और प्रदूषण मुक्त यमुना उपलब्ध कराना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) शहर के कुल 360 छोटे-बड़े नालों का पुनर्मूल्यांकन करेगा और नदी में गिरने वाले 22 बड़े नालों का ड्रोन सर्वेक्षण किया जाएगा। यमुना नदी में प्रदूषण निगरानी के लिए कुल 67 स्थानों की पहचान की गई है। जुलाई तक एक सर्वेक्षण किया जाएगा और रिपोर्ट दिल्ली जल बोर्ड को सौंपी जाएगी।

'बोल्सोनारो इफैक्ट टैरिफ' पर ब्राजील के राष्ट्रपति लूला द सिल्वा ने कहा

डोनाल्ड ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ वाले पत्र को रिसीव नहीं करेंगे

ब्रासीलिया/वाशिंगटन (हि.स.)

ब्राजील का राष्ट्रपति कार्यालय अमेरिका से भौतिक रूप से आने वाले डोनाल्ड ट्रंप के 50 प्रतिशत वाले पत्र 'बोल्सोनारो इफैक्ट टैरिफ' को रिसीव नहीं करेगा। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला द सिल्वा ने अपने राजनयिकों को इस आशय का आदेश दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस कदम से ब्राजील के राष्ट्रपति भड़के हुए हैं। अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, लुईज इनासियो लूला द सिल्वा ने आरोप लगाया कि ट्रंप की ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो से मित्रता है। इसलिए वह जेयर के खिलाफ चल रहे आपराधिक मुकदमे को खत्म करने का दबाव बनाने के लिए आयात करों में 50 फीसद की वृद्धि करने के वादे पर आमादा हैं। उन्होंने कहा कि अगर डोनाल्ड ट्रंप यह टैरिफ ब्राजील पर लगाते हैं, तो वह अमेरिका पर जवाबी शुल्क लगाएंगे। लूला ने कहा कि अगर अमेरिका के साथ बातचीत विफल हो जाती है, तो वे इस साल की शुरुआत में कांग्रेस से मंजूर किए गए ब्राजील के पारस्परिकता कानून को लागू कर देंगे। सीबीएस का मानना है कि लूला की टिप्पणियों से दोनों देशों के बीच टैरिफ युद्ध छिड़ने का खतरा बढ़ गया है। ऐसा इसलिए कि ट्रंप की जिद है कि अगर कोई देश अपने टैरिफ लगाकर अमेरिका को दंडित करने की कोशिश करेगा, तो वह इसका कड़ा जवाब देंगे। ब्राजील के राष्ट्रपति का मानना है कि ट्रंप बोल्सोनारो के आपराधिक मुकदमे के नतीजे को तय करने की कोशिश कर रहे हैं। बोल्सोनारो ने 2022 में चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए ट्रंप जैसा काम किया। उधर, बोल्सोनारो का कहना है कि ब्राजील का सर्वोच्च न्यायालय उन्हें राजनीतिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है। साओ पाउलो स्थित इंस्पर विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर कार्लोस मेलो का मानना है कि बोल्सोनारो के मुकदमे के बारे में लूला या ब्राजील कुछ नहीं कर सकते। इसमें कोई भी बदलाव ब्राजील के लिए आत्मसमर्पण जैसा होगा। इस बीच, लूला ने अपने राजनयिकों को आदेश दिया कि अगर ट्रंप का पत्र ब्रासीलिया स्थित राष्ट्रपति भवन में भौतिक रूप से पहुंचता है, तो उसे वापस कर दिया जाए।

1 अगस्त की समय सीमा से पहले देश टैरिफ वार्ता के लिए कड़ी मेहनत करते रहें : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रशासन के साथ चल रही व्यापार वार्ता में शामिल देशों को 1 अगस्त की वार्ता की समयसीमा से पहले कड़ी मेहनत करते रहने की सलाह दी है। उन्होंने अपना यह दावा भी दोहराया है कि दोस्त और दुश्मन दोनों ने अमेरिका का कई वर्षों से फायदा उठाया है। ट्रंप ने यह टिप्पणी टेक्सास के बाढ़ प्रभावित इलाके के लिए रवाना होने से पहले की। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया, जापान और अन्य देश 1 अगस्त से लागू होने वाले रेसिप्रोकल टैरिफ के प्रभाव से बचने या उसे कम करने के लिए अमेरिका के साथ समझौते करने की कोशिश कर रहे हैं। व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा, "मेरा मानना है कि कड़ी मेहनत करते रहना चाहिए। आप जानते हैं, कई वर्षों से दोस्त और दुश्मन, दोनों देशों ने हमारा फायदा उठाया है और सच कहूं तो कई मामलों में दोस्त दुश्मनों से भी बदतर रहे हैं।" उन्होंने आगे कहा, "मैं कहूंगा, बस मेहनत करते रहो। सब ठीक हो जाएगा।" ट्रंप ने सोमवार को दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग को एक पत्र भेजा, जिसमें कहा गया कि अमेरिका 1 अगस्त से दक्षिण कोरियाई उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाना शुरू करेगा। उन्होंने अमेरिकी वस्तुओं के लिए व्यापार बाधाओं को दूर करने, अमेरिकी व्यापार घाटे को कम करने और अमेरिकी विनिर्माण के पुनर्निर्माण के अभियान के तहत अप्रैल में नई टैरिफ योजना की घोषणा की थी।

आयुष में एआई समावेश पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट ऐतिहासिक

डब्ल्यूएचओ ने किया भारत के अग्रणी प्रयासों को स्वीकार

- **डब्ल्यूएचओ ने पारंपरिक चिकित्सा में एआई के अनुप्रयोग के लिए तैयार किया है पहला रोडमैप**

नई दिल्ली (आईएएनएस)

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों, विशेष रूप से आयुष (आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी) में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को एकीकृत करने में भारत के अग्रणी प्रयासों को स्वीकार किया है। इसकी जानकारी आयुष मंत्रालय ने दी।

डब्ल्यूएचओ ने अपने तकनीकी विवरण 'पारंपरिक चिकित्सा में एआई' में भारत के इन प्रयासों को प्रमुखता से उजागर किया है, जो पारंपरिक चिकित्सा में डिजिटल तकनीकों के उपयोग को दर्शाता है। आयुष मंत्रालय ने बताया कि भारत की ओर से मिले प्रस्ताव के बाद हमारे प्रयासों को सराहा गया है। हमारे प्रस्ताव के परिणामस्वरूप डब्ल्यूएचओ ने पारंपरिक चिकित्सा में एआई के अनुप्रयोग के लिए पहला रोडमैप तैयार किया। मंत्रालय ने इस मान्यता को 'पारंपरिक चिकित्सा के लिए मजबूत वैज्ञानिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में भारत के नेतृत्व का प्रमाण' करार दिया।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने कहा, डब्ल्यूएचओ के तकनीकी विवरण में भारत की एआई-आधारित पहल हमारी प्राचीन चिकित्सा प्रणालियों को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने की दिशा में भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। इसके अंतर्गत आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी में एआई-संचालित अनुप्रयोग शामिल हैं, जैसे नाड़ी रीडिंग, जीभ परीक्षण और प्रकृति मूल्यांकन को मशीन लर्निंग और डीप न्यूरल नेटवर्क के साथ जोड़ने वाली निदान सहायता प्रणालियां।

जाधव ने आगे कहा, एसएएचआई पोर्टल, नमस्ते पोर्टल और आयुष अनुसंधान पोर्टल जैसे डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से भारत न केवल अपनी सदियों पुरानी चिकित्सा विरासत को संरक्षित कर रहा है, बल्कि व्यक्तिगत, साक्ष्य-आधारित और वैश्विक स्तर पर सुलभ स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को भी आकार दे रहा है।

डब्ल्यूएचओ के विवरण में आयुजीनोमिक्स पर भी प्रकाश डाला गया है, जो जीनोमिक्स को आयुर्वेदिक सिद्धांतों के साथ जोड़ने वाली एक वैज्ञानिक उपलब्धि है। यह पहल आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के तहत एआई-आधारित विश्लेषण से रोगों के पूवार्नुमानित संकेतों की पहचान कर वैयक्तिक परामर्श प्रदान करती है। इससे आधुनिक रोगों के लिए हर्बल योगों के जीनोमिक और आणविक आधार को समझने के प्रयासों को भी मान्यता मिली है।

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा, ये एआई-सक्षम प्लेटफॉर्म भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को संरक्षित और सत्यापित करने के साथ-साथ उन्हें वैश्विक साक्ष्य-आधारित डिजिटल स्वास्थ्य ढांचे में एकीकृत कर रहे हैं।

डब्ल्यूएचओ ने की टीकेडीएल की प्रशंसा

डब्ल्यूएचओ ने पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल) की भी प्रशंसा की, जो स्वदेशी चिकित्सा विरासत के संरक्षण और जिम्मेदार उपयोग के लिए वैश्विक मॉडल बन चुकी है। इसके अतिरिक्त, डब्ल्यूएचओ ने ऑनलाइन परामर्श के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म, आयुष चिकित्सकों में डिजिटल साक्षरता बढ़ाने और पारंपरिक चिकित्सा को मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा के साथ जोड़ने के लिए भारत के प्रयासों की सराहना की।

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ व पूर्व सीजेआई केयर ने कहा-

चुनाव आयोग को बेलगाम ताकत नहीं दी जानी चाहिए

ब्यूरो। नई दिल्ली

एक देश एक चुनाव को लेकर जेपीसी का गठन किया गया है, जिसकी बैठक शुक्रवार को हुई थी। चुनावी प्रक्रिया में कथित सुधारों को लेकर हुई इस बैठक में देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जे.एस. खेहर और डीवाई चंद्रचूड़ ने अपने-अपने सुझाव दिए। दोनों ने ही इस बात पर सहमति जताई कि एक देश एक चुनाव का ये विधेयक सिद्धांतों के आधार पर संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं करता है लेकिन चुनाव आयोग को बेलगाम ताकत नहीं दी जा सकती है। इस विधेयक को लेकर पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने कहा है कि चुनाव आयोग की भूमिका गहन जांच के दायरे में आ गई है, क्योंकि उसे अत्यधिक शक्तियां प्रदान करने के प्रस्ताव पर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं और इस धारा के पुनर्मूल्यांकन के लिए राष्ट्रीय बहस की आवश्यकता है। इसलिए इस पर सभी से चर्चा की जानी चाहिए।पूर्व सीजेआई जेएस खेहर हों या फिर डीवाई चंद्रचूड़ दोनों ने ही जेपीसी की मीटिंग में यह सुझाव भी दिया है कि चुनाव आयोग को इतनी ज्यादा बेलगाम ताकत नहीं दी जानी चाहिए, जितनी संविधान संशोधन बिल में प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि इसके लिए नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने के लिए एक सिस्टम होना चाहिए। इतना ही नहीं, दोनों ही पूर्व न्यायाधीशों ने यह भी कहा कि एक देश एक चुनाव के नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने के लिए एक सिस्टम बनाया जाना चाहिए। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, एक देश एक चुनाव के विधेयक को लेकर पूर्व सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने तीन अहम सुझाव दिए हैं। उन्होंने कथित तौर पर चेतावनी दी कि इन सुरक्षा उपायों के बिना, प्रस्ताव के परिणामस्वरूप आयोग के हाथों में सत्ता का गैर-जवाबदेह नियंत्रण हो सकता है-

1- भारत निर्वाचन आयोग को केवल राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित स्थितियों में ही चुनाव स्थगित करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

ऐसी किसी भी सिफारिश को संसद के दोनों सदनों द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए। स्थगन की अनुमति केवल एक निश्चित, सीमित अवधि के लिए दी जानी चाहिए।

वहीं बैठक के दौरान भाजपा सांसद व जेपीसी के चेयरमैन पीपी चौधरी ने कहा कि जेपीसी की बैठक में पूर्व मुख्य न्यायाधीश जे. एस. खेहर व न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड शामिल हुए। उनसे हमनें वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर जो संवैधानिक सवाल हैं, उनको लेकर उनकी राय जानी है। मालूम हो कि बीते वर्ष दिसंबर में 'एक देश एक चुनाव' का बिल संसद में पास हो गया था। सरकार इसे 2029 से लागू करने की तैयारी कर रही है।

'भारतीय न्याय व्यवस्था में सुधार की सख्त जरूरत': सीजेआई बीआर गवई

- **छात्र अपने परिवारों पर आर्थिक बोझ डालने के बजाय छात्रवृत्ति पर विदेश में आगे की पढ़ाई करें**

ब्यूरो। नई दिल्ली

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने हैदराबाद स्थित नालसार विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय न्याय प्रणाली में सुधार की सख्त जरूरत है। यह अनूठी चुनौतियों का सामना कर रहा है। जिसमें अक्सर दशकों तक चलने वाले मुकदमे भी शामिल हैं।मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हालांकि मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि हमारी न्याय प्रणाली में सुधार की सख्त जरूरत है, फिर भी मैं आशावादी हूं कि मेरे साथी नागरिक चुनौतियों का सामना करेंगे।व्यवस्थागत मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि मुकदमों में देरी कभी-कभी दशकों तक चल सकती है। हमने ऐसे मामले देखे हैं जहां विचाराधीन कैदी के रूप में वर्षों जेल में बिताने के बाद भी कोई निर्दोष पाया गया है। हमारी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं उन समस्याओं को सुलझाने में हमारी मदद कर सकती हैं जिनका हम सामना कर रहे हैं।स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए सीजेआई ने भारतीय न्यायिक प्रणाली के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने में आने वाली पीढ़ी पर विश्वास जताया और उन्हें अपने परिवारों पर आर्थिक बोझ डालने के बजाय छात्रवृत्ति पर विदेश में आगे की पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दीक्षांत समारोह में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी,सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और तेलंगाना हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल ने भाग लिया।

टीवी और मोबाइल से पहले सिनेमा हॉल में देखी फिल्में दिलो दिमाग पर छा जाती थीं : काजोल

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री काजोल 'बाजीगर', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'गुप्त', 'इश्क', 'दुश्मन', और 'कुछ कुछ होता है' जैसी यादगार फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। अपनी पुरानी फिल्मों को लेकर उन्होंने कहा कि पहले के जमाने में फिल्मों का असर लोगों पर ज्यादा होता था, क्योंकि सिनेमा हॉल ही एकमात्र जगह होती थी जहां लोग अपने पसंदीदा सितारों को देख सकते थे। उस वक्त टीवी या मोबाइल पर फिल्में आसानी से नहीं मिलती थीं, इसलिए लोग फिल्मों को बहुत खास मानते थे और उनकी यादें भी लंबे समय तक बनी रहती थीं। उन्होंने आगे कहा कि आजकल सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म के बढ़ते चलन से फिल्मों को लेकर उत्साह और याददाश्त पहले के मुकाबले काफी कम हो गई हैं। जब काजोल से पूछा गया कि आज रिलीज हुई फिल्मों की याददाश्त पहले वाली फिल्मों जैसी क्यों नहीं है, इस पर काजोल ने आईएएनएस से कहा, "मुझे लगता है कि आज भी कुछ फिल्में अच्छी और याद रखने लायक होती हैं, लेकिन शायद उनकी संख्या कम है। मैं ये नहीं कहूंगी कि आज ऐसी कोई फिल्म नहीं है।" उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि पहले समय में सिर्फ सिनेमा हॉल ही एकमात्र तरीका था अपने पसंदीदा सितारों को देखने का। अगर किसी को शाहरुख खान को देखना होता था, तो उसे थिएटर जाना पड़ता था। अगर कोई अजय देवगन का फैन होता था, तो वो भी उन्हें देखने सिनेमा हॉल जाता था।"अभिनेत्री ने कहा, "उस समय न सोशल मीडिया था, न ओटीटी। कुछ भी नहीं था। अगर किसी को अपने पसंदीदा अभिनेता या अभिनेत्री को देखना होता था, तो उन्हें सिनेमा हॉल जाना होता था। जब किसी चीज को देखने या अनुभव करने का सिर्फ एक ही तरीका होता है, तो वही अनुभव सबसे गहरी याद बन जाता है।"उन्होंने कहा, "जब किसी चीज को देखने के लिए 15 अलग-अलग तरीके होते हैं, तो शायद वो उतनी गहराई से आपके दिल में नहीं बसती।"वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही कायोज ईरानी की फिल्म 'सरजमीन' में नजर आने वाली हैं।

बीएयू ने कांके के चामगुरु गांव में राष्ट्रीय बकरी दिवस पर कार्यक्रम का किया आयोजन

बकरी प्रजनन, पोषण एवं स्वास्थ्य प्रबंधन में वैज्ञानिक तकनीक अपनाएं : डॉ दुबे

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) ने रांची जिला के कांके प्रखंड के चामगुरू गांव में शनिवार को राष्ट्रीय बकरी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें प्रमुख संक्रामक रोग पीपीआर से बकरियों के बचाव के लिए 71 किसानों की कुल 593 बकरियों का टीकाकरण किया गया।

किसानों को संबोधित करते हुए बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने बेहतर उत्पादकता और लाभ के लिए बकरियों के प्रजनन, पोषण एवं स्वास्थ्य प्रबंधन में वैज्ञानिक तकनीक अपनाने पर बल दिया। उन्होंने पशुओं की पोषण आवश्यकता की पूर्ति के लिए हरा चारा उगाने तथा आधुनिक बकरीपालन संबंधी आवश्यक परामर्श प्राप्त करने के लिए रांची पशु चिकित्सा महाविद्यालय के सतत संपर्क में रहने का सुझाव पशुपालकों को दिया।

निदेशक अनुसंधान डॉ पीके सिंह, अधिष्ठाता पशुचिकित्सा संकाय डॉ एमपी गुप्त, प्रसार शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ अलोक कुमार पांडेय, झारखंड सरकार के पशुपालन अधिकारी डॉ सरोज कुमार ठाकुर तथा बकरी परियोजना की प्रधान अन्वेषक डॉ नंदनी कुमारी ने भी किसानों को संबोधित किया। विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा वैज्ञानिक डॉ दिनेश कुमार, डॉ शैलेंद्र कुमार रजक तथा डॉ दिलीप कुमार यादव के मार्गदर्शन में वेटनरी विद्यार्थियों ने टीकाकरण कार्यक्रम चलाया।

राष्ट्रीय बकरी दिवस प र कार्यक्रम का आयोजन आईसीएआर की अखिल भारतीय बकरी सुधार अनुसंधान परियोजना के तहत किया गया था। दो दवा कंपनियों- जेन एक्स और न्यूट्रीवेट - द्वारा 60 किसानों को पशुओं के लिए उपयोगी दवाएं निःशुल्क वितरिक की गइं।

प्रौद्योगिकी आधारित बकरीपालन विषय पर विद्यार्थियों के लिए आयोजित भाषण प्रतियोगिता में आरवीसी के राजदीप, निहाल श्रीवास्तव तथा राहुल शर्मा को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। स्थानीय महिला कृषकों- बचिया देवी, पौंडो देवी तथा रिशा उरांव को बकरीपालन में विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन निहाल श्रीवास्तव ने किया।

बकरी भारत के पशुपालन क्षेत्र के महत्वपूर्ण घटक

पंद्रह करोड़ से अधिक की आबादी के साथ बकरी भारत के पशुपालन क्षेत्र का महत्वपूर्ण घटक है, जो भूमिहीन, सीमांत और छोटे किसानों को आजीविका का साधन प्रदान करता है। कम विनियोग आवश्यकताओं, छोटी पीढ़ी अंतराल, कठोर कृषि-जलवायु परिस्थितियों के प्रति अनुकूलता के कारण बकरी पालन मांस, दूध, खाद, फाइबर और रोजगार का अनुकूल स्रोत है। उत्पादन एवं लाभ बढ़ाने के उद्देश्य से हाल के वर्षों में युवा और उद्यमी काफी संख्या में देश की श्रेष्ठ प्रजातियों और ग्रेडेड अप स्थानीय नस्लों से युक्त व्यावसायिक बकरी फार्म स्थापित करने की और आकर्षित हुए हैं।

आर्थिक-पोषण महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है बकरी दिवस का मुख्य उद्देश्य

राष्ट्रीय बकरी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य बकरी के आर्थिक एवं पोषण महत्व, बकरी दूध और मांस के पोषक तत्वों और इनके मूल्य संवर्धन तथा प्रसंस्करण के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। आईसीएआर के केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मथुरा के निदेशक डॉ मनीष कुमार चाटली ने बकरी अनुसंधान संबंधी सभी केंद्रों एवं राज्य कृषि विश्वविद्यालयों को प्रस्ताव दिया था कि बकरीपालन को लोकप्रिय बनाने तथा भविष्य के पशु के रूप में बकरी की ब्रांडिंग करने के उद्देश्य से संस्थान के स्थापना दिवस (12 जुलाई) को राष्ट्रीय बकरी दिवस के रूप में मनाया जाए।

गंदे पानी की जलापूर्ति की शिकायत पर सैंपल कलेक्शन का दिया गया था आश्वासन

गंदे पानी की बोतल को जांच का है इंतजार

उठते सवाल:-
शिकायतकर्ता से रूखा व्यवहार तो कौन करे शिकायत

मनोज मिश्रा। रांची

राजधानी की बड़ी आबादी सहदेव नगर, पंचशील नगर में बसती है। लगभग सभी घरों ने जलापूर्ति का कनेक्शन लिया हुआ है। बढ़ती आबादी और घटती जलस्तर के कारण अधिकांश घर पीने के पानी के लिए सरकार की जलापूर्ति पर आश्रित रहती है। नागरिकों के घरों में पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अरबों रुपए खर्च किए जाते हैं, इसके बावजूद पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा सप्लाई की गई पानी गंदा हो, गटर के पानी जैसी बदबू आए तो हाहाकार मचेगा ही। अमूमन होता यह है कि आम आदमी टोले मोहल्लों में आपस में बात कर ही जलापूर्ति को कोसकर शांत हो जाते हैं मगर कुछ ऐसे जागरूक नागरिक भी हैं जो इसकी शिकायत करते हैं और कार्रवाई होने की उम्मीद रखते हैं।

जिन पदाधिकारी के कंधे में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की जिम्मेवारी होती है वे जिम्मेवारियों से मुंह मोड़कर अपनी व्यस्तता बताते हुए शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं करते हैं। हमेशा पदाधिकारी यही कहते आते हैं कि उन्हें कोई शिकायत नहीं करता। लेकिन शिकायत करने वालों पर विभाग कैसा सलूक करता है यह पेयजल एवं स्वच्छता गोंदा प्रमंडल में देखने को मिलता है।

सूत्रों से जानकारी मिली है कि सहदेव नगर के किसी व्यक्ति ने घर में आ रहे गंदे पानी की शिकायत पेयजल एवं स्वच्छता विभाग गोंदा प्रमंडल के एसडीओ शुभम उपाध्याय से की थी। साहब यह स्वीकार करने को तैयार ही नहीं थे कि गंदे पानी की सप्लाई हो रही है। इस पर जागरूक नागरिक अमित कुमार (बदला हुआ नाम) ने कहा कि आप सैंपल कलेक्शन करिए देखिए की पानी में कितनी दुर्गंध है। उन्होंने कहा कि सैंपल कलेक्शन के लिए आदमी भेजते हैं, मगर जब दो-तीन दिन बीत गए और श्री कुमार ने कहा कि कोई भी सैंपल कलेक्शन जांच करने को नहीं आया है शुभम उपाध्याय ने कहा कि सारा फोर्स को आपके पीछे ही लगा दे क्या।

रोजमर्रा की जिंदगी के लिए जहां पानी की आवश्यकता होती है वहां 2 दिन इंतजार करके कोई कहे की पानी का सैंपल कलेक्शन के लिए कोई नहीं आया है और पदाधिकारी शिकायतकर्ता से रूखा बर्ताव करें तो इससे क्या समझे कि अंग्रेज चले गए लेकिन अंग्रेजियत के बाबू को छोड़ गए हैं। शिकायतकर्ता से इतना रूखा व्यवहार होगा तो कोई विभाग में शिकायत क्यों करेगा जबकि आज तक कोई सैंपल जांच करने नहीं आया। शिकायतकर्ता से पल्ला झाड़ते हुए कहा कि हम लोग जलापूर्ति पाइप की मरम्मत करते हैं पानी क्या सप्लाई हो रहा है। साफ है या गंदा यह देखना मेरा काम नहीं है, देखेंगे भी कैसे अपने ऑफिस में आरो जो लगाए हैं, खुद आरो का पानी पीते हैं जनता क्या पिए इससे क्या मतलब।

नदी नालों की जमीन का अतिक्रमण कर बनाए गए घरों पर गिर सकती है गाज

पंचशील नगर के पांच लोगों को भेजा गया अंतिम नोटिस

रांची। पंचशील नगर चौक में बनहोरा नाले की जमीन का अतिक्रमण कर पक्के मकान दुकान बनाए गए हैं। अतिक्रमण की वजह से एनएच 75 में भारी जल जमाव होता है और नेशनल हाईवे राजधानी से कट जाता है। डाल्टनगंज और लोहरदगा से आने वाली एम्बुलेंस हमेशा जल जमाव में फंस जाती है। वही राधा नगर, शांति नगर, पंचशील नगर, सहदेव नगर पानी में डूब जाते हैं। गलियों में तीन से चार फीट पानी जमा होता है, और बहुत लोगो के घर में तो पानी घुस जाता है। चारों तरफ पानी पानी और बीच में जिंदगानी कितनी मुश्किल है या वही समझ सकता है जो यहां रहता हूं। इन मुश्किल हालातो को राष्ट्रीय नवीन मेल दैनिक समाचार पत्र लगातार खबरें छपता आ रहा है जिसका परिणाम हुआ है कि जिले के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने रात्रि में अतिक्रमण स्थल का दौरा कर पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि नदी नालों की जमीन का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जिन्होंने अतिक्रमण किया है उस पर कड़ी करवाई करें। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के आदेश पर विभागीय सक्रियता बढ़ गई और एक सप्ताह पहले हेहल अंचल सीओ घनश्याम कुमार ने पांच अतिक्रमणकारियों को नोटिस भेजा था और अपना पक्ष रखने को कहा था। दस्तावेज की जांच में पाया गया कि नाले की जमीन का अतिक्रमण हुआ। अब फिर एक बार पांच अतिक्रमणकारियों को अंतिम नोटिस जारी किया गया है जिसमें बताया गया है कि नाले की जमीन का अतिक्रमण कर मकान बनाए गए हैं। इसलिए नदी नालों के अतिक्रमण के सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी, जिसमें मकान तोड़े जाएंगे।

राज्यपाल गंगवार ने 'रांची कैंसर समिट 2025' का किया उद्घाटन, कहा

कैंसर की लड़ाई में अपनत्व और औषधि दोनों आवश्यक

बोल गवर्नर

- यह लड़ाई केवल चिकित्सा की नहीं, संवेदना और सामूहिक उत्तरदायित्व की भी है
- कैंसर केवल पीड़ित को ही नहीं, पूरे परिवार को गहराई से करती है प्रभावित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार को रांची के एक स्थानीय होटल में 'रांची कैंसर समिट 2025' का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कैंसर की लड़ाई केवल चिकित्सा की नहीं, संवेदना और सामूहिक उत्तरदायित्व की भी है।

राज्यपाल गंगवार ने कहा कि कैंसर एक ऐसी जटिल बीमारी है, जो न केवल व्यक्ति के शरीर को, बल्कि पूरे परिवार की मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक स्थिरता को भी गहराई से प्रभावित करती है। ऐसे में इसकी चिकित्सा में मानवीय संवेदना, भरोसा और अपनत्व भी उतने ही आवश्यक हैं जितनी औषधियां।

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड जैसे राज्य में जहां दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं अब भी एक बड़ी चुनौती हैं, वहां कैंसर जैसी बीमारियों की समय पर पहचान और समुचित उपचार के लिए समर्पित प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि 'आयुष्मान भारत' योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक क्रांतिकारी पहल है, जिससे गरीब एवं वंचित वर्ग को निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। लेकिन, इस योजना की पूर्ण सफलता तभी संभव है, जब चिकित्सक, अस्पताल, राज्य सरकारें और समाज मिलकर सामूहिक उत्तरदायित्व के साथ कार्य करें। राज्यपाल गंगवार ने चिकित्सकों को 'वैद्य नारायणो हरिः' कहते हुए उन्हें जीवनदाता बताया। उन्होंने कहा कि सेवा, करुणा और समर्पण को मूल में रखकर यदि चिकित्सा कार्य हो, तो हर कैंसर पीड़ित के जीवन में आशा की किरण जाग सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि वे बरेली में अनेक लोगों को वहां के एक विशेषज्ञ चिकित्सक के पास उपचार के लिए भेजते हैं और वहां के उपचार से लोगों को संतोषजनक परिणाम मिलते हैं।

अपनी पीड़ा समझ कैंसर पीड़ित को जीवन की राह पर लाने का प्रयास करें

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आशा जताई कि 'रांची कैंसर समिट 2025' के माध्यम से झारखंड में कैंसर उपचार और जन-जागरूकता को एक नई दिशा मिलेगी। राज्यपाल ने सभी प्रतिभागियों से आह्वान किया कि कोई भी कैंसर पीड़ित अकेला न रहे, हम सब उसकी पीड़ा को अपनी पीड़ा समझकर जीवन की राह पर लौटाने के लिए समर्पित प्रयास करें।

विवि में 'एक व्यक्ति, एक पद' का सिद्धांत अविलंब लागू हो : अभिषेक झा

- अबुआ अधिकार मंच ने कहा, यह सुधार विश्वविद्यालय प्रशासन को अधिक पारदर्शी बनाएगा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अबुआ अधिकार मंच के प्रतिनिधि और छात्र नेता अभिषेक झा ने शनिवार को मांग की कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में 'एक व्यक्ति, एक पद' की नीति को अविलंब और प्रभावी रूप से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि झारखंड की उच्च शिक्षा प्रणाली इस समय एक गंभीर मोड़ पर खड़ी है, जहां कुछ शिक्षकों द्वारा अनेक प्रशासनिक पदों पर एकाधिकार स्थापित किया जा रहा है। यह प्रवृत्ति न केवल संस्थानों में प्रशासनिक असंतुलन को जन्म दे रही है, बल्कि शिक्षण, शोध एवं नवाचार जैसे शैक्षणिक मूल्यों को भी प्रभावित कर रही है। अभिषेक झा ने कहा कि यह कोई व्यक्ति विरोधी मांग नहीं है, बल्कि यह व्यवस्था को सुचारु, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में एक आवश्यक कदम है। जब किसी एक शिक्षक के पास अनेक प्रशासनिक जिम्मेदारियां होती हैं, तो इसका सीधा प्रभाव संस्थागत कार्य-प्रणाली, निर्णय क्षमता और शैक्षणिक गुणवत्ता पर पड़ता है, जिससे अंततः छात्र सबसे अधिक प्रभावित होते हैं।

छात्र नेता अभिषेक झा ने कहा कि जब एक व्यक्ति स्वयं या व्यवस्था द्वारा अनेक पदों पर बना रहता है, तो यह न केवल प्रतिभाशाली शिक्षकों के लिए अवसरों को सीमित करता है, बल्कि विश्वविद्यालय की गति और साख को भी नुकसान पहुंचाता है। छात्रों के हित में यह आवश्यक है कि जिम्मेदारियों का समुचित और न्यायपूर्ण वितरण हो। उन्होंने कहा कि झारखंड के कई विश्वविद्यालयों में ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जहां एक ही व्यक्ति कई वर्षों से अनेक प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभा रहा है, जिससे योग्य और कर्मठ शिक्षकों को आगे बढ़ने का अवसर नहीं मिल रहा।

उन्होंने कहा, अबुआ अधिकार मंच मांग करती है कि झारखंड के सभी विश्वविद्यालयों में 'एक व्यक्ति, एक पद' की नीति को बिना किसी देरी के प्रभावी रूप से लागू किया जाए, ताकि वर्तमान में जिन शिक्षकों के पास एक से अधिक प्रशासनिक जिम्मेदारियां हैं, उन्हें केवल एक पद तक सीमित किया जा सके और भविष्य में भी प्रशासनिक नियुक्तियां इसी नीति के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं। यह सुधार न केवल शिक्षकों को उनके अकादमिक कर्तव्यों के प्रति समर्पित करेगा, बल्कि विश्वविद्यालय प्रशासन को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और संतुलित भी बनाएगा, जिससे अंततः छात्र हितों की रक्षा होगी और संस्थानों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार आएगा।

अस्पतालों में शव नहीं रोकने के फैसले को असम ने अपनाया : मंत्री

रांची। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि अस्पताल, चाहे सरकारी हो या निजी, किसी मृत व्यक्ति के शव को बिल के नाम पर रोकना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके इस फैसले को अब असम राज्य ने अपनाया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय को पूरे भारत में लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने इसके लिए असम सरकार का आभार जताया है। मंत्री ने आगे कहा कि यह देखकर संतोष होता है कि अब भाजपा शासित राज्य भी जनकल्याण की दिशा में वही कदम उठा रहे हैं, जो हमारी सरकार ने सुधार के कार्य किए हैं। मंत्री ने कहा कि यह फैसला मानवीय संवेदना और मृतकों के परिजनों की भावनाओं का सम्मान करते हुए लिया गया है। इस फैसले का पूरे राज्य में सराहना हो रही है। मंत्री ने कहा कि उन्होंने ऐसे निजी अस्पतालों पर सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं जो शव रोकने जैसी अमानवीय हरकतें करते हैं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को दैनिक समाचारपत्र प्रभात खबर के प्रधान संपादक आशुतोष चतुर्वेदी से उनके आवास पर मुलाकात की तथा उनकी दिवंगत माता के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मरांडी ने संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली के तत्वावधान में आयकर विभाग द्वारा रांची में आयोजित ह्यटैक्सपेयर्स हबह्ण के समापन समारोह में पद्मश्री अशोक भगत बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। आयकर विभाग के इस तीन दिवसीय जागरुकता कार्यक्रम में बिहार एवं झारखंड क्षेत्र के करदाताओं ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में जयंत मिश्रा, प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, बिहार-झारखंड, सैयद नासीर अली, सेवानिवृत्त प्रधान आयकर महानिदेशक, रंजन कुमार, मुख्य आयकर आयुक्त, रांची सहित आयकर विभाग के कई अधिकारी व करदाता उपस्थित थे।

मंईयां सम्मान राशि का रांची में हुआ भुगतान 3 लाख से ज्यादा महिलाओं को मिला 2500

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत रांची जिले की लाखों महिलाओं को मई महीने की सम्मान राशि 2500 रुपये का भुगतान कर दिया गया है। इस योजना के पहले चरण में रांची जिले की 3 लाख 25 हजार 51 महिलाओं को उनके बैंक खातों में कुल 81 करोड़ 26 लाख 27 हजार 500 की राशि भेजी गई है। यह भुगतान पूरी तरह आधार-आधारित है, यानी जिनका आधार बैंक से लिंक था, उन्हें सीधे पैसा मिल गया।

अब भी बाकी हैं कई महिलाएं

जिन महिलाओं का आवेदन पहले ही मंजूर हो चुका है, लेकिन जिनके बैंक खाते आधार से लिंक नहीं हैं, उन्हें अभी भुगतान नहीं हुआ है। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने अपील की है कि सभी लाभुक जल्दी से जल्दी आधार सीडिंग करवा लें, ताकि अगली किस्त में उन्हें भी फायदा मिल सके। साथ ही जिनका भौतिक सत्यापन अभी बाकी है, वे अपनी नजदीकी आंगनबाड़ी सेविका से संपर्क करें, सत्यापन फॉर्म लें और प्रक्रिया पूरी करें। सत्यापन पूरा होने के बाद उन्हें भी योजना का लाभ मिलेगा।

एनएचएम झारखंड और झारखंड सांख्यिकी सोसाइटी ने किया सेमिनार का आयोजन

बिना डाटा गतिविधियों का सही आकलन मुश्किल : शशि झा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड एवं झारखंड सांख्यिकी सोसाइटी के सामूहिक सहयोग से आरसीएच सभागार, नामकुम में शनिवार को सेमिनार का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का आयोजन शशि प्रकाश झा, अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) झारखंड की अध्यक्षता में किया गया। डॉ रंजीत प्रसाद, नोडल पदाधिकारी, डाटा कोषांग द्वारा अंगवस्त्र एवं पौधा देकर अभियान निदेशक का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में शशि प्रकाश झा (भाप्रसे) ने दीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम की शुरुआत की।

शशि प्रकाश झा, अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड ने सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि सांख्यिकी को जो लोग भूलते जा रहे हैं, वे लोग चाह कर भी इसे भूल नहीं पाएंगे। केवल लोग संख्यिकी को उस रूप में याद नही करते हैं कि सांख्यिकी की क्या जरूरत है। उन्होंने सांख्यिकी की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि कहा कि बिना डाटा के सारी गतिविधियों को सही रूप से आकलन करना मुश्किल है। लोग सांख्यिकी को गणित का सिर्फ एक अंग समझते है, लेकिन मेरा मानना है की गणित ही सांख्यिकी का एक भाग है।

अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा कि अगर संभव हो, तो सांख्यिकी पर माह में कम से कम एक बार सेमिनार जरूर आयोजित करें। उन्होंने जिला डाटा प्रबंधक को निदेश देते हुए कहा कि सभी आंकड़े के महत्व को समझें एवं गलत डाटा की जानकारी किसी को न दें, क्योंकि पूरी दुनिया आज डाटा पर निर्भर हैं, और इसका महत्व बहुत है।

झारखंड सांख्यिकी सोसाइटी के सचिव, प्रो डॉ एसबी सिंह ने कहा कि शशि प्रकाश झा एक प्रतिष्ठित भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं और वर्तमान में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के मिशन निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। प्रशासनिक सेवा में उनके उत्कृष्ट अनुभव और समर्पण ने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होने कहा कि पद्म विभूषण से सम्मानित प्रो डॉ प्रशांत चंद्र महालनोबिस ने भारत में आधुनिक सांख्यिकी प्रणाली की नींव रखी थी।

झारखंड सांख्यिकी सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो डॉ सौभिक चक्रवर्ती ने कहा कि आज हम इस अवसर को 'राष्ट्रीय सैंपल सर्वे के 75 वर्ष' विषय पर आधारित संगोष्ठी के रूप में मना रहे हैं। प्रो महालनोबिस के प्रमुख योगदानों में इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट की स्थापना, बड़े पैमाने पर सैंपल सर्वे का प्रारंभ, और 'महालनोबिस दूरी' का विकास शामिल है। उन्हें भारत में आधुनिक सांख्यिकी का जनक माना जाता है।

नोडल पदाधिकारी डाटा, डॉ रंजीत प्रसाद ने स्वागत संबोधन करते हुए कहा कि आप लोग उपस्थित हुए है, इसके लिए मैं आप सभी को धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

इस मौके पर डॉ रंजीत प्रसाद, नोडल पदाधिकारी, डाटा, डॉ लाल माझी, नोडल पदाधिकारी आईईसी, राज्य कार्यक्रम प्रबंधक अनिमा किस्कू, राज्य डाटा प्रबंधक, सुबोध कुमार, जिला से सभी जिला डाटा प्रबंधक सहित विभाग के तमाम कर्मचारी एवं अधिकारी के साथ-साथ झारखंड सांख्यिकी सोसाइटी से प्रो डॉ सौभिक चक्रवर्ती, अध्यक्ष, प्रो डॉ एसबी सिंह, डॉ राजेश कुमार, एम्स देवघर, रंधीर कुमार उपस्थित थे।

पृष्ठ एक के शेष

खटोले पर लदी प्रसूता पहुंची अस्पताल...

एनटीपीसी बिजली परियोजना और सीसीएल की मगध कोल परियोजना संचालित हैं। इन परियोजनाओं द्वारा सीएसआर मद से अरबों रुपये खर्च करने का दावा किया जाता है, लेकिन हकीकत यह है कि गांवों में न सड़क है, न पीने का पानी, न शौचालय और न हीं स्वास्थ्य सेवा की न्यूनतम व्यवस्था। ग्रामीणों का आरोप है कि सीएसआर योजनाएं सिर्फ कागजों में ही सिमट कर रह गई हैं और व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पा रहा है। वे उच्चस्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं।

पेशरार में छापेमारी, छह साल से...

सीआरपीएफ के साथ हुई मुठभेड़ में शामिल था। उसके खिलाफ कांड संख्या 14/2020 के तहत गंभीर आपराधिक मामला दर्ज है। साथ ही, 17 सीएलए एक्ट के तहत भी उसके विरुद्ध मामला लंबित है। सूत्रों के अनुसार, वह सीपीआई (माओवादी) के कुख्यात दस्ते सदस्य नुकुल यादव के साथ वर्षों तक सक्रिय रहा है। पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए उसे उसके घर से गिरफ्तार किया। एसपी सादिक अनवर रिजवी ने इस गिरफ्तारी को नक्सल उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है और कहा कि इस प्रकार की कार्रवाइयाँ आगे भी जारी रहेंगी।

केएल राहुल का शतक भारत का स्कोर- 254/4

लॉर्ड्स, ।इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन के प्रथम सत्र की समाप्ति पर भारतीय टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 248 रन बना लिए हैं। केएल राहुल ने धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी करते हुए अपना शतक लगा दिया है। भारतीय टीम ने तीसरे दिन का खेल तीन विकेट पर 145 रन से शुरू किया। राहुल और पंत ने पहला सत्र बेहतरीन तरीके से खेला। दोनों ने रन भी बनाए और विकेट भी बचाया। लेकिन सत्र के आखिरी ओवर में दोनों बल्लेबाजों के बीच गलतफहमी हो गई, जिसका खामियाजा पंत को रन आउट के रूप में भुगतना पड़ा। अंगुली की चोट से जूझ रहे पंत ने इस बार भी बढ़िया पारी खेली। उन्होंने 112 गेंद में 2 छक्के और 8 चौके की मदद से 74 रन बनाए। पंत ने चौथे विकेट के लिए राहुल के साथ 141 रन की अहम साझेदारी की। लंच तक केएल राहुल 171 गेंद पर 98 रन बनाकर नाबाद थे। उन्होंने दूसरे सेशन की शुरुआत में आर्चर की गेंद पर अपना शतक पूरा किया। राहुल ने 176 गेंदों पर 13 चौकों की मदद से यह पारी खेली। यह टेस्ट क्रिकेट में राहुल का 10वां और इस दौरे का दूसरा शतक है। राहुल दूसरे दिन के आखिरी सत्र से बल्लेबाजी कर रहे हैं। अपनी बल्लेबाजी के दौरान राहुल ने धैर्य और संयम का परिचय दिया है और एक छोर को मजबूती से संभालकर रखा है। भारत को अगर पहली पारी में इंग्लैंड पर बढ़त बनानी है, तो राहुल बड़ी शतकीय पारी खेलनी होगी।

जोटा के निधन से दुखी हुए मोहम्मद सिराज

लंदन। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पुर्तगाल और लिवरपूल के फॉरवर्ड डियोगा जोटा के निधन से बेहद दुखी हैं। मोहम्मद सिराज मानते हैं कि जिंदगी की कोई गारंटी नहीं होती। हमें यह नहीं पता होता कि कल क्या होने वाला है। शुक्रवार को तीसरे टेस्ट मैच के दौरान जब लंच के बाद सिराज ने इंग्लैंड के बल्लेबाज जेमी स्मिथ को आउट किया, तो अपने हाथों से नंबर-20 का इशारा किया। यह जोटा की लिवरपूल जर्सी का नंबर है। जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा गुरुवार को कार हादसे में अपनी जान गंवा बैठे थे। यह दुर्घटना स्पेन के जमोरा प्रांत में हुई। बीसीसीआई ने 'एक्स' पर सिराज का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा, "डियोगा जोटा के निधन के बारे में जानकर मैं भावुक हो गया।

न्यूज बॉक्स

लिवरपूल ने डियोगो जोटा की 'जर्सी नंबर 20' को रिटायर किया

लिवरपूल। लिवरपूल ने डियोगो जोटा के सम्मान में सभी स्तरों पर 'जर्सी नंबर 20' को रिटायर करने का ऐलान किया है। 28 वर्षीय डियोगो जोटा ने तीन जुलाई को कार दुर्घटना में अपनी जान गंवाई थी। प्रीमियर लीग चैंपियन ने बयान में कहा, "इस जर्सी नंबर को उन्होंने गर्व के साथ पहनकर हमें अनगिनत जीत दिलाईं। डियोगो जोटा हमेशा लिवरपूल फुटबॉल क्लब के 'नंबर 20' रहेंगे। यह कदम न केवल बीते पांच वर्षों में रेड्स की मैदान पर सफलताओं में पुर्तगाल के हमारे इस खिलाड़ी के अथाह योगदान को दर्शाता है, बल्कि साथियों, सहकर्मियों और समर्थकों पर उनके गहरे प्रभाव को भी साबित करता है।" स्पेन के जमोरा प्रांत में हुए कार हादसे में जोटा के साथ उनके भाई आंद्रे सिल्वा भी अपनी जान गंवा बैठे थे। स्पेनिश पुलिस के अनुसार, तेज गति से गाड़ी चलाते समय जोटा की कार सड़क से उतर गई और टायर फटने के बाद गाड़ी में आग लग गई। एफएसजी फुटबॉल के सीईओ माइकल एडवर्ड्स ने कहा, "एक क्लब के रूप में हम सभी अपने समर्थकों की भावनाओं से अच्छी तरह वाकिफ थे। हमने भी बिल्कुल वैसा ही महसूस किया।

ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज

सीरीज गंवाने के बाद सम्मान बचाने उतरेगी कैरेबियाई टीम

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच शनिवार देर रात तीसरे टेस्ट मैच की शुरुआत होने जा रही है। ऑस्ट्रेलिया तीन मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना चुका है। ऐसे में जमैका में खेला जाने वाला सीरीज का यह अंतिम टेस्ट मैच मेजबान टीम के लिए सम्मान की लड़ाई होगा। यह 'पिंक बॉल टेस्ट' मैच है, जो भारतीय समयानुसार शनिवार देर रात शुरू होगा। गुलाबी गेंद टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहा है। ऐसे में कैरेबियाई टीम के सामने बड़ी चुनौती है। इससे पहले, ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बारबाडोस में खेले गए पहले टेस्ट को 159 रन से अपने नाम किया था। ग्रेनेडा में खेले गए दूसरे मुकाबले को 133 रन से जीतकर सीरीज पर कब्जा कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से इस सीरीज में ट्रेविस हेड ने चमक बिखेरी है, जिन्होंने चार पारियों में 47 की औसत के साथ 188 रन बनाए हैं। हेड सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

टीम इंडिया के खिलाफ अपने ही घर पर सम्मान की लड़ाई लड़ेगी इंग्लिश महिला टीम

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच शनिवार को एजबेस्टन में टी20 सीरीज का पांचवां मैच खेला जाएगा। टीम इंडिया पांच मुकाबलों की इस सीरीज में 3-1 से अजेय बढ़त बना चुकी है। ऐसे में मेहमान टीम इस मुकाबले में अपनी बेंच स्ट्रेंथ को परख सकती है। टीम इंडिया ने सीरीज का पहला मैच 97 रन से जीता था, जिसके बाद अगले मुकाबले को 24 रन से अपने नाम किया। इंग्लैंड की टीम ने लंदन में खेले गए सीरीज के तीसरे मैच को पांच रन से जीतकर इंग्लिश फैंस की उम्मीदों को जरूर जगाया, लेकिन अगले मैच को छह विकेट से गंवाकर मेजबान टीम सीरीज से हाथ धो बैठी। भारत को इस मुकाबले में कप्तान हरमनप्रीत कौर के अलावा स्मृति मंधाना, अमनजोत कौर, हरलीन देओल से बल्लेबाजी में खासा उम्मीदें होंगी, जबकि गेंदबाजी में श्री चरणी, दीप्ति शर्मा और राधा यादव मैच को पलटने का माद्दा रखती हैं। वहीं, इंग्लैंड की टीम को टैमी ब्यूमोंट, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन बेल और लॉरेन फाइलर से खासा उम्मीदें होंगी। भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच साल 2006 से अब तक कुल 34 टी20 मैच खेले गए हैं, जिसमें इंग्लैंड ने 23 मुकाबले अपने नाम किए, जबकि 11 मैच भारतीय टीम जीत चुकी है। भारत-इंग्लैंड के बीच पांचवें टी20 मैच की शुरुआत भारतीय समय के अनुसार रात 11 बजकर पांच मिनट से होगी।

फाइनल में पहुंचे कार्लोस अल्काराज

पुरुष सिंगल्स का फाइनल रविवार को होगा

लंदन। कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज को चार सेटों तक चले रोमांचक मुकाबले में 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। स्पेन के कार्लोस अल्काराज को पांचवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी फ्रिट्ज ने कड़ी टक्कर दी। लेकिन, अंत में अल्काराज ने मैच अपने नाम कर लिया। हार के साथ ही फ्रिट्ज का विंबलडन फाइनल खेलने का सपना टूट गया। 2009 में एंडी रोडिक आखिरी अमेरिकी खिलाड़ी थे, जो इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे थे। दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराया। यह उनकी लगातार 24वीं जीत है। पहला सेट अल्काराज ने जीता, और दूसरा सेट फ्रिट्ज ने जीतकर बराबरी की कोशिश की। लेकिन, तीसरा सेट जीतकर अल्काराज ने फिर से बढ़त बना ली। चौथा सेट सबसे रोमांचक साबित हुआ, जिसका समापन टाई-ब्रेक में हुआ, जहां फ्रिट्ज ने 6/4 की बढ़त बना ली। दो सेट पॉइंट के बाद निर्णायक सेट हुआ।

ओवरों की सीरीज से बाहर पैट कमिंस

किंग्स्टन। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज में नहीं खेलेंगे। तेज गेंदबाज का फोकस इस साल के अंत में होने वाली एशेज सीरीज की तैयारी पर है। पैट कमिंस को पहले ही मिचेल स्टार्क और ट्रेविस हेड के साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में आराम दिया गया था। कमिंस गर्मियों में घरेलू मुकाबलों की तैयारी के लिए फिटनेस पर फोकस करेंगे। वहीं, जोश हेजलवुड पहले टीम में शामिल थे, लेकिन अब वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद वह स्वदेश लौटेंगे। उनकी जगह जेवियर बार्टलेट को टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, जोश हेजलवुड अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में खेलने के लिए तैयार हैं।

फाइनल में एमआई न्यूयॉर्क

नई दिल्ली। एमआई न्यूयॉर्क ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के फाइनल में जगह बना ली है। टीम ने शनिवार को क्वालीफायर-2 में टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ सात विकेट से दमदार जीत दर्ज की। अब खिताबी मैच में एमआई न्यूयॉर्क का सामना वाशिंगटन फ्रीडम से होगा। यह मैच 14 जुलाई को खेला जाना है। डलास में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टेक्सास सुपर किंग्स ने पांच विकेट खोकर 166 रन बनाए। टीम ने 29 के स्कोर पर समित पटेल (9) के रूप में अपना अहम विकेट गंवा दिया। इसके बाद कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने मोर्चा संभाला।

क्राइस्टचर्च में सर्जरी के बाद मयंक यादव जल्द शुरू करेंगे रिहैब

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च में अपनी पीठ की समस्या के सफल ऑपरेशन के बाद तेज गेंदबाज मयंक यादव जल्द बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब शुरू कर सकते हैं। आईएएनएस को मिली जानकारी के मुताबिक, मयंक पिछले सप्ताह न्यूजीलैंड में सर्जरी कराकर भारत वापस आ गए हैं। डॉ. स्काउटन के नेतृत्व में सर्जरी एल5 वर्टिब्रा, बाएं और दाएं दोनों तरफ की गई। बुनियादी उपचार चरण पूरा होने के बाद, मयंक आने वाले हफ्तों में सीओई में व्यापक पुनर्वास शुरू कर सकते हैं। उनके ठीक होने और पुनर्वास के लिए कोई समय-सीमा तय नहीं की गई है। बीसीसीआई उनके मामले में कोई जल्दीबाजी नहीं करना चाहती। स्काउटन ने इससे पहले 2023 में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा की पीठ संबंधी समस्याओं का सफल ऑपरेशन किया था। इसके अलावा, उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेसन बेहरेनडॉर्फ और जेम्स पैटिंसन की भी इसी तरह की सर्जरी की थी।

व्यापार/लाइफ व साइंस

अजमेरा रियल्टी ने पहली तिमाही में बिक्री मूल्य में 65 प्रतिशत की गिरावट की दर्ज

मुंबई। अजमेरा रियल्टी ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में अपने बिक्री प्रदर्शन में सालाना और तिमाही दोनों आधार पर भारी गिरावट दर्ज की है। रियल एस्टेट कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में बताया कि पहली तिमाही में कंपनी का बिक्री मूल्य 108 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 306 करोड़ रुपए की तुलना में 65 प्रतिशत कम है। बेचे गए कार्पेट एरिया के संदर्भ में, अजमेरा रियल्टी ने अप्रैल-जून की अवधि में 63,244 वर्ग फुट की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 1,30,801 वर्ग फुट से 52 प्रतिशत कम है। क्रमिक रूप से, बिक्री मूल्य भी वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के 250 करोड़ रुपए से 57 प्रतिशत कम रहा।

भारत का स्वर्ण भंडार 34.2 करोड़ डॉलर बढ़ा, विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर पर : आरबीआई

- चार जुलाई को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर रहा

नवीन मेल संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी नवीनतम साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, देश का स्वर्ण भंडार सप्ताह के दौरान 34.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 84.846 अरब डॉलर पर पहुंच गया। सोने के साथ-साथ, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 3.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.868 अरब डॉलर हो गए।

इसके अतिरिक्त, आंकड़ों के अनुसार, आईएमएफ में भारत का आरक्षित भंडार भी 10.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.735 अरब डॉलर हो गया। भंडार में यह वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब घरेलू और वैश्विक सर्राफा बाजारों में भारी तेजी देखी जा रही है।

आरबीआई ने कहा कि 4 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर रहा। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में, कुल मुद्रा भंडार 4.849 अरब डॉलर बढ़कर 702.784 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर 2024 के अंत में यह भंडार 704.885 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया था। डॉलर के संदर्भ में, विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है।

शुक्रवार को भारत में सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त वृद्धि हुई और चांदी की कीमतें सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गईं।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 24 कैरेट सोने की कीमत 465 रुपए बढ़कर 97,511 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई, जो एक दिन पहले 97,046 रुपए थी।

> वैश्विक स्तर पर भी कीमती धातुओं में तेजी देखी गई। सोना 1.01 प्रतिशत बढ़कर 3,358 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी 2.92 प्रतिशत बढ़कर 38.40 डॉलर प्रति औंस हो गई। विश्लेषक वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और व्यापार शुल्कों को लेकर नई चिंताओं को सोने जैसी सुरक्षित निवेश परिसंपत्तियों की ओर रुझान का मुख्य कारण बता रहे हैं।

अनुकूल कृषि उत्पादन और महंगाई में कमी से वित्त वर्ष 2026 में ग्रामीण उपभोग को समर्थन मिलेगा : रिपोर्ट

नई दिल्ली। आयकर के बोझ में हालिया कमी, मुद्रास्फीति में नरमी, कम ब्याज दरें और कृषि उत्पादन के लिए अनुकूल परिदृश्य से भारत में ग्रामीण आय और समग्र उपभोग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह जानकारी एक लेटेस्ट रिपोर्ट में दी गई। निजी अंतिम उपभोग व्यय भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 60 प्रतिशत है, इसलिए इसका भारत के समग्र विकास परिदृश्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है। निजी क्षेत्र के पूंजीगत व्यय में वृद्धि के लिए उपभोग में निरंतर सुधार भी महत्वपूर्ण है। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है, "हमें वित्त वर्ष 2026 में निजी उपभोग में 6.2 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है, जबकि पिछले तीन वर्षों में यह औसतन 6.7 प्रतिशत रही है। दीर्घावधि में, निजी उपभोग में स्वस्थ वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए घरेलू आय को प्रभावित करने वाले कारकों पर नजर रखना महत्वपूर्ण होगा।" हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में समग्र उपभोग वृद्धि स्वस्थ रही है।

भारत की लाइफ इंश्योरेंस इंडस्ट्री 3-5 वर्षों में 10-12 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा उद्योग ने संशोधित सरेंडर वैल्यू नियमों, कम क्रेडिट लाइफ सेल्स और ग्रुप सिंगल प्रीमियम के प्रभाव के बीच जून में 41,117.1 करोड़ रुपए के नए बिजनेस प्रीमियम रजिस्टर किए। यह जानकारी एक लेटेस्ट रिपोर्ट में दी गई। केयरएज रेटिंग्स को उम्मीद है कि लाइफ इंश्योरेंस इंडस्ट्री अगले तीन से पांच वर्षों में 10-12 प्रतिशत की दर से बढ़ती रहेगी , जो प्रोडक्ट इनोवेशन के साथ-साथ सहायक नियमों, तेज डिजिटलीकरण, प्रभावी वितरण और बेहतर ग्राहक सेवाओं के कारण संभव होगा। जून में, एनुअल प्रीमियम इक्विवेलेंट (एपीई) में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में हुई 20.0 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में धीमी वृद्धि दर है। रिपोर्ट के अनुसार, एपीई के संदर्भ में, इंडस्ट्री जून 2023 और जून 2025 के बीच 11.0 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़ी। इस अवधि के दौरान, निजी बीमा कंपनियों की वृद्धि दर 15.4 प्रतिशत रही। केयरएज रेटिंग्स के एसोसिएट डायरेक्टर सौरभ भालेराव ने कहा, "पहली तिमाही आमतौर पर जीवन बीमा क्षेत्र के लिए एक धीमी अवधि होती है, क्योंकि यह वित्त वर्ष के अंत के बाद आती है।

2026 में भारत के घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 10 प्रतिशत तक बढ़ेगी

नई दिल्ली। आईसीआरए की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में भारत के घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या में 7-10 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि का अनुमान है। रिपोर्ट में देश के नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए एक स्थिर दृष्टिकोण रखा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय विमानन कंपनियों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या वित्त वर्ष 2026 में 15-20 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है; हालांकि, हालिया भू-राजनीतिक चिंताओं को देखते हुए यह निगरानी योग्य बना हुआ है। जून 2025 के लिए घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 138.7 लाख अनुमानित है, जो जून 2024 के 132.1 लाख से 5.1 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, क्रमिक आधार पर इसमें 1.3 प्रतिशत की मामूली गिरावट देखी गई। जून 2025 में एयरलाइनों की कैपिसिटी डिप्लॉयमेंट जून 2024 की तुलना में 4.9 प्रतिशत अधिक थी। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2025) के लिए घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 422.4 लाख थी, जो सालाना आधार पर 5.1 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। मई 2025 के लिए भारतीय वाहकों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या 29.7 लाख थी, जो सालाना आधार पर 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

आईसीआरए की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 के पहले दो महीनों के लिए, भारतीय वाहकों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या 59.8 लाख रही, जो सालाना आधार पर 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। फिर भी, रिपोर्ट में कहा गया है कि अब तक कुल यात्रियों की संख्या और मूल्य निर्धारण स्थिर रहे हैं। भारतीय विमानन उद्योग के बारे में आईसीआरए का दृष्टिकोण स्थिर है। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, उभरते भू-राजनीतिक और परिचालन संबंधी प्रतिकूल परिस्थितियां जैसे इजराइल-ईरान संघर्ष के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें , भारतीय विमानन कंपनियों के लिए ईरान और पाकिस्तान के ऊपर हवाई क्षेत्र का बंद होना, हालिया विमान दुर्घटना के बाद बीमा प्रीमियम में संभावित वृद्धि और यात्रा करने में संभावित हिचकिचाहट संभावित नकारात्मक जोखिमों पर कड़ी निगरानी की आवश्यकता है।